THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 104 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ शु.14 2080 रविवार, 2 जुलाई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32 : 8 रुपये**

संसद के मानसून सत्र पर कांग्रेस ने कहा

उम्मीद है सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देगी

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने की घोषणा के बाद कांग्रेस ने कहा कि उम्मीद है कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देगी, उन मुद्दों पर भी जिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुप्पी साध रखी है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्विटर पर कहा, हमें उम्मीद है कि सरकार लोगों के उन सभी मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देगी, जिन्हें विपक्ष लगातार उठा रहा है, जिनमें वे मुद्दे भी शामिल हैं जिन पर प्रधानमंत्री ने चुप्पी साध रखी है।

उन्होंने जोशी के ट्वीट का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। इससे पहले जोशी ने कहा, संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 11 अगस्त तक चलेगा। हम सभी दलों से विधायी व्यवसाय और अन्य विषयों पर मानसून सत्र के दौरान चर्चा में शामिल होने का आग्रह करते हैं। मानसून सत्र नए संसद भवन में आयोजित होने की संभावना है जिसका उद्घाटन 28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

रमेश के बयान से संकेत मिलता है कि कांग्रेस मानसून सत्र के दौरान कई मुद्दे उठाएगी जिसमें मणिपुर में हिंसा, इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी के अलावा और भी कई मुद्दे हैं। विपक्षी दल भी सरकार को घेरने के लिए कमर कस रहे हैं।

आज भारत विकसित और आत्मनिर्भर : मोदी

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 17वें भारतीय सहकारी कांग्रेस सम्मेलन को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने सहकारिता मंत्रालय के कार्यों का बखान किया। पीएम मोदी ने संबोधन की शुरूआत में कहा कि आप सभी को 17वें भारतीय सहकारी महासम्मेलन की बहुत-बहुत बधाई। मैं इस सम्मेलन में आपका स्वागत और अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य पर काम कर रहा है और मैंने लाल किले से कहा था कि हमारे हर लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सबका प्रयास आवश्यक है।

इससे पहले 17वीं भारतीय सहकारी कांग्रेस को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन लगभग 115 साल पुराना है। आजादी के बाद से सहकारी क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की मुख्य मांग थी कि सहकारिता मंत्रालय अलग बनाया जाना चाहिए। 2019 में पीएम मोदी के दोबारा प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद उन्होंने एक अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र मंत्रालय बनने से, प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन से और एक स्वतंत्र मंत्री और सचिव सहित स्वायत्त मंत्रालय बनने से सहकारिता मंत्रालय और सहकारी के क्षेत्र में ढ़ेर सारे परिवर्तन संभव हुए हैं और आगे भी परिवर्तन होते रहेंगे।

शाह ने बताया कि ऋण वितरण की अर्थव्यवस्था में लगभग 29 प्रतिशत हिस्सा सहकारी आंदोलन का है। उर्वरक वितरण में 35 प्रतिशत, उर्वरक उत्पादन में 25 प्रतिशत, चीनी उत्पादन में 35 प्रतिशत से अधिक, दूध की खरीद, बिक्री और उत्पादन में सहकारिता का हिस्सा 15 प्रतिशत को छू रहा है।

पीएम मोदी के संबोधन की बड़ी बातें :

जब विकसित भारत के लिए बड़े लक्ष्यों की बात आई, तो हमनें सहकारिता को एक बड़ी ताकत देने का फैसला किया। हमनें पहली बार सहकारिता के लिए अलग मंत्रालय बनाया, अलग बजट का प्रावधान किया।

आज को-ऑपरेटिव को वैसी ही सुविधाएं, वैसे ही प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जैसे कार्पोरेट सेक्टर को मिलते हैं। सहकारी समितियों की ताकत बढ़ाने के लिए उनके लिए टैक्स की दरों को भी कम किया गया है। सहकारिता क्षेत्र से जुड़े जो मुद्दे वर्षों से लंबित थे, उन्हें तेज गति से सुलझाया जा रहा है। हमारी सरकार ने सहकारी बैंकों को भी मजबूती दी है। पिछले 9 वर्षों में ये स्थिति बिल्कुल बदल गई है। आज करोड़ों छोटे किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि मिल रही है। कोई बिचौलिया नहीं, कोई फर्जी लाभार्थी नहीं। 2014 से पहले अक्सर किसान कहते थे कि उन्हें सरकार की मदद बहुत कम मिलती है और जो थोड़ी बहुत मिलती भी थी वो बिचौलियों के खातों में जाती थी। सरकारी योजनाओं के लाभ से देश के छोटे और मध्यम किसान वंचित ही रहते थे। यानि तब पूरे देश की कृषि व्यवस्था पर जितना खर्च तब हुआ, उसका लगभग तीन गुना हम केवल किसान सम्मान निधि पर खर्च कर चुके हैं।

बीते चार वर्षों में इस योजना के अंतर्गत 2.5 लाख करोड़ रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजे गए हैं। ये रकम कितनी बड़ी है इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि 2014 से पहले के पांच वर्षों का कुल कृषि बजट ही मिलाकर 90 हजार करोड़ रुपये से कम था।

दुनिया में निरंतर महंगी होती खादों और केमिकल का बोझ किसानों पर न पड़े, इसकी भी गारंटी केंद्र की भाजपा सरकार ने आपको दी है।

आखिरकार गारंटी क्या होती है, किसान के जीवन को बदलने के लिए कितना महा भगीरथ प्रयास जरूरी है, इसके इसमें दर्शन होते हैं। कुल मिलाकर अगर देखें तो सिर्फ फर्टिलाइजर सब्सिडी पर भाजपा सरकार ने 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये हैं। किसानों को उनकी फसल की उचित कीमत मिले इसे लेकर हमारी सरकार शुरूआत से ही बहुत गंभीर रही है। पिछले 9 साल में एमएसपी को बढ़ाकर, एमएसपी पर खरीद कर 15 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा किसानों को दिए गए हैं।

हिसाब लगाएं तो आज हर वर्ष केंद्र सरकार साढ़े 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक खेती और किसानों पर खर्च कर रही है। इसका मतलब है कि प्रतिवर्ष हर किसान तक सरकार औसतन 50 हजार रुपये किसी न किसी रूप में पहुंचा रही है। यानि भाजपा सरकार में किसानों को अलग-अलग तरह से हर साल 50 हजार रुपये मिलने की गारंटी है। ये मोदी की गारंटी है।

यही नहीं, गन्ना किसानों के लिए भी उचित और लाभकारी मूल्य अब रिकॉर्ड 315 रुपये क्विंटल कर दिया गया है।

किसान हितैषी अप्रोच को जारी रखते हुए, कुछ दिन पहले एक और बड़ा निर्णय लिया गया है। केंद्र सरकार ने किसानों के लिए 3 लाख 70 हजार करोड़ रुपये का पैकेज घोषित किया है। अमृतकाल में देश के गांव, देश के किसान के सामर्थ्य को बढ़ाने के लिए अब देश के कॉपरेटिव सेक्टर की भूमिका बहुत बड़ी होने वाली है। सरकार और सहकार मिलकर विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को डबल मजबूती देंगे।

आज भारत की दुनिया में पहचान अपने डिजिटल लेनदेन के लिए होती है। ऐसे में सहकारी समितियों और सहकारी बैंकों को भी इसमें अग्रणी रहना होगा।

भारत के मोटे अनाज यानि मिलेट्स की पहचान दुनिया में श्री अन्न के नाम से बन गई है। इसके लिए विश्व में एक नया बाजार तैयार हो रहा है। भारत सरकार की पहल के कारण इस वर्ष को मोटे अनाज का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। केंद्र सरकार ने मिशन पाम ऑयल शुरू किया है। इसके तहत तिलहन की फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। देश की को-ऑपरेटिव संस्थाएं इस मिशन की बागडोर थाम लेंगी, तो देखिएगा की कितनी जल्दी हम खाद्य तेल के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो जाएंगे।

सरकार के जितने भी मिशन हैं, उनको सफल बनाने में मुझे सहकारिता के सामर्थ्य में मुझे कोई संदेह नहीं है। सहकारिता ने आजादी के आंदोलन में भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

>14

बस दुर्घटना में 25 की मौत

पीएम मोदी ने जताया दुख

नागपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर एक यात्री बस में आग लगने से 25 यात्रियों की झुलस कर मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बस दुर्घटना पर दुख व्यक्त कर मुआवजे का ऐला किया है। पुलिस ने बताया कि एक निजी ट्रैवल्स की बस नागपुर से पुणे जा रही थी, रास्ते में बुलढाणा जिले के सिंदखेडराजा के पास शुक्रवार देर रात करीब 1.30 बजे बस डिवाइडर से टकरा गई।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, महाराष्ट्र के बुलढाणा में हुई बस दुर्घटना से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन लोगों के परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपनी जान गंवाई। घायल शीघ्र स्वस्थ हों, ये प्रार्थना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। बस दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये प्राइम मिनिस्टर नेशनल रिलीफ फंड (पीएमएनआरएफ) से दिए जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट किया, महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में हुआ सड़क हादसा हृदयविदारक है। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं इस भीषण हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के साथ हैं। ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

बुलढाणा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुनील कडासने ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस का एक टायर फट जाने से वाहन एक खंभे से टकराने के बाद डिवाइडर से टकरा गया और उसमें आग लग गई। ऐसे में यात्रियों को बस से बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिल पाया।

अधिकारी ने बताया कि बस में सवार 33 यात्रियों में से 26 की झुलसने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बाकी आठ यात्रियों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और वे सुरक्षित हैं।

साठ हजार सुरक्षाबलों की तैनाती

100 से अधिक जगह लंगर, कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई अमरनाथ यात्रा

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा आज से शुरू हो गई है। 3488 यात्रियों का पहला जत्था बेस कैंप से रवाना हो चुका है। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु पहलगाम और बालटाल के रास्ते गुफा की ओर आगे बढ़ रहे हैं। वहीं सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं और दोनों रूट पर भारी सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। बता दें कि 3880 मीटर की ऊंचाई पर बाबा की गुफा स्थित है और यह यात्रा 62 दिनों तक चलेगी।

60 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात

अमरनाथ के लिए गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ के 40,000 अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया है। यात्रा को लेकर स्थानीय पुलिस बल के अलावा 60000 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं।

इन्हें सिर्फ यात्रा की सुरक्षा के लिए लगाया गया है। वहीं मौसम को देखते हुए प्रशासन ने डिजास्टर मैनेजमेंट की टीमों को भी तैनात किया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को भी तैनात किया गया है।

सभी सुविधाओं पर ध्यान

वहीं रास्ते में कई जगह लंगर की व्यवस्था भी की गई है और कई दुकानें भी लगाई गई हैं। इसके अलावा डॉक्टरों की भी तैनाती की गई है। प्रशासन ने बस सर्विस और एटीएम का भी ध्यान रखा है और उसकी भी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जो भी यात्री अमरनाथ यात्रा पर जा रहे हैं, उन्हें रास्ते में खाने-पीने की दिक्कत नहीं होने वाली है, क्योंकि 100 से अधिक स्थानों पर लंगर की व्यवस्था की गई है।

गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर श्यामबीर ने कहा कि आज हम यहां से यात्रियों के पहले जत्थे को रवाना कर रहे हैं। मैं सभी की सुखद यात्रा की कामना करता हूं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपलब्ध सभी सुविधाओं का लाभ उठायें। अभी करीब 7,000 से 8,000 यात्री हैं। रजिस्ट्रेशन अभी भी जारी है। हमारे वालंटियर्स मदद के लिए हर जगह मौजूद हैं।

सुरक्षा को देखते हुए यात्रा की जीपीएस से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे को भी लगाया गया है। हर एक यात्री पर कड़ी नजर रखी जा रही है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस, सीआरपीएफ, सेना, बीएसएफ और एसएबीसी के जवान तैनात हैं। दिन-रात गश्त की जा रही है।

20 जुलाई से शुरू होगा संसद का मॉनसून सत्र

यूसीसी बिल पेश कर सकती है सरकार

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 31 अगस्त तक चलेगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार (1 जुलाई, 2023) को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी।

जोशी ने ट्वीट करते हुए लिखा, संसद का मानसून सत्र, 20 जुलाई से शुरू होगा और 11 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने आगे लिखा कि 23 दिन तक चलने वाले इस सत्र में कुल 17 बैठकें होंगी। मैं सभी पार्टियों से सत्र के दौरान संसद के विधायी और अन्य काम-काज में रचनात्मक योगदान देने की अपील करता हूं।

सूत्रों ने प्रेस ट्रस्ट को बताया कि हालांकि इसकी शुरूआत पुराने संसद भवन में हो सकती है, लेकिन बीच में इसके नए संसद भवन में स्थानांतरित होने की संभावना है। एक बार ऐसा हो जाने पर, यह नई संसद के उद्घाटन के बाद से आयोजित होने वाला पहला सत्र होगा। बता दें, पीएम नरेंद्र मोदी ने 28 मई को नई संसद का उद्घाटन किया था।

सत्र के हंगामेदार रहने के आसार

माना यही भी जा रहा है कि केंद्र सरकार इस सत्र में यूनिफॉर्म सिविल कोड पेश कर सकती है। समान नागरिक संहिता कानून संबंधी बिल संसदीय समिति को भी भेजा सकता है। वहीं मॉनसून सत्र में कई और बिल पारित होने की संभावना है। इनमें राष्ट्रीय वित्तीय सूचना रजिस्ट्री, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, दिवाला और दिवालियापन संहिता संशोधन बिल पेश हो सकते हैं।

इस बार के मॉनसून सत्र के काफी हंगामादार होने की आशंका है। दिल्ली की केजरीवाल सरकार केंद्र के अध्यादेश का पुरजोर विरोध कर सकती है। कई दल इसके सपोर्ट में अपनी आवाज बुलंद कर सकते हैं। वहीं केजरीवाल सरकार केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। इसके बाद जो सबसे बड़ा हंगामा होने की उम्मीद है वो हैं यूनिफॉर्म सिविल कोड। क्योंकि समान नागरिक संहिता को लेकर कई दल अपना पहले ही विरोध दर्ज करा चुके हैं।

>14

महेश बैंक पर लगा 65 लाख जुर्माना

सिटी साइबर क्राइम विंग की पहल पर पहली बार किसी बैंक के खिलाफ इस तरह की हुई कार्रवाई

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पहली बार, हैदराबाद सिटी पुलिस साइबर क्राइम विंग के प्रयासों से आरबीआई ने प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों के लिए साइबर सुरक्षा ढांचे के प्रावधानों का घोर लापरवाही करने के लिए एपी महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, हैदराबाद पर 65 लाख रुपए जुर्माना लगाया है।

बीते 24 जनवरी, 2022 को एपी महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड द्वारा एक साइबर-धोखाधड़ी की घटना की सूचना दी गई थी, जिसमें एक हैकर ने बैंक के सिस्टम में सेंध लगाई और अवैध रूप से 12.48 करोड़ रुपये निकाल लिए। आपराधिक कृत्य को फ़िशिंग ईमेल की एक श्रृंखला के माध्यम से अंजाम दिया गया था, जिन्हें बड़ी चतुराई से छिपाकर बैंक कर्मचारियों को भेजा गया था। इन दुर्भावनापूर्ण ईमेल को खोलने पर, कर्मचारियों के सिस्टम से छेड़छाड़ की गई, जिससे धोखेबाजों को बैंक के नेटवर्क तक पहुंचने में सफलता मिली। इस संबंध में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन हैदराबाद में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस सनसनीखेज मामले की देशभर में व्यापक जांच हुई और कई पुलिस टीमों के भारी प्रयासों के बाद नाइजीरियाई नागरिकों सहित कई अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

इस जांच में बैंक की लापरवाही भी सामने आई, जो आरबीआई द्वारा अनिवार्य किए गए एंटी-फ़िशिंग एप्लिकेशन, घुसपैठ की रोकथाम, पहचान प्रणाली, वास्तविक समय खतरे की रक्षा और प्रबंधन प्रणालियों जैसे साइबर सुरक्षा उपायों को लागू करने में बैंक की लापरवाही सामने आईं। पुलिस की माने तो यह सब साइबर सुरक्षा घटक साइबर परिदृश्य की सुरक्षा के लिए अपरिहार्य हैं। बैंक के साइबर सुरक्षा बुनियादी ढांचे में स्पष्ट रूप से नहीं मिली । हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने आरबीआई गवर्नर के साथ पत्र व्यवहार किया, जिसमें गंभीर खामियों को उजागर किया गया और बैंक के संचालन लाइसेंस को निलंबित करने का अनुरोध किया गया। मौजूदा कानूनी ढांचा बैंक प्रबंधन के खिलाफ आपराधिक लापरवाही के आरोप की अनुमति नहीं देता है। फिर भी, सिटी पुलिस ने मामले को आगे बढ़ाया जिसके परिणामस्वरूप आरबीआई ने एपी महेश सहकारी बैंक लिमिटेड पर 65 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। आरबीआई के गहन साइबर ऑडिट और पुलिस जांच में बैंक की महत्वपूर्ण चूक का पता चला जिससे उक्त फ्राड हुआ। यह पहली बार है कि किसी बैंक के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई की गई है। सार्वजनिक धन और महत्वपूर्ण डेटा के ऐसे नुकसान से बचने के लिए सभी बैंकों को साइबर सुरक्षा प्रथाओं का पालन करना चाहिए।

आतंकी पन्नू की भारत को धमकी

निज्जर की हत्या के विरोध में 8 जुलाई को विदेशों में भारतीय दूतावास घेरने की घोषणा

अमृतसर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश में छिप कर बैठे आतंकी सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर भारत को धमकी दी है। कुछ दिन शांत बैठने के बाद आतंकी पन्नू ने अपना एक और वीडियो रिलीज किया है।

जिसमें वह कनाडा में मारे गए आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के विरोध में 8 जुलाई को विश्व भर में भारतीय दूतावासों के बाहर रैलियां करने जा रहा है।

कनाडा में बीते दिनों मारा गया आतंकी हरदीप निज्जर एसएफजे में अहम पदाधिकारी था और कनाडा में एसएफजे की गतिविधियों को देख रहा था। निज्जर की हत्या के बाद आतंकी पन्नू को भारी नुकसान हुआ है। आतंकी पन्नू मारे गए निज्जर की हत्या का जिम्मेदार भारतीय खुफिया एजेंसियों को ठहरा रहा है। जिसके बाद से ही पन्नू बार-बार भारत के लिए अपशब्द बोल रहा है और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को धमकियां दे रहा है।

अब जारी वीडियो में आतंकी पन्नू ने 8 जुलाई को विभिन्न देशों कनाडा, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और यूरोपियन देशों में भारतीय दूतावासों के बाहर प्रदर्शन करने की घोषणा की है। इतना ही नहीं, पन्नू ने इन रैलियों को 'किल भारत' नाम दिया है। जिसमें 21-21 सिखों का जत्था भारतीय दूतावासों के बाहर प्रदर्शन करेगा और तिरंगे का अपमान भी करेगा।

रोबोट के जरिए आतंकी हमलों की साजिश

आईएसआईएस कर रहा मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियर की भर्ती

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के खूंखार आतंकी संगठन 'आईएसआईएस' अपने गुर्गों के जरिए भारत में रोबोट के जरिए आतंकी हमले कराने की साजिश रच रहा है। इसके लिए बाकायदा आईएसआईएस ने भारत में मौजूद अपने कई सदस्यों को 'रोबोटिक्स पाठ्यक्रम' का कोर्स करने के लिए कहा था। आतंकी संगठन का मकसद है कि आने वाले समय में बड़े हमलों के लिए रोबोट तैयार किए जाएं। रोबोट के माध्यम से भीड़ भरे स्थानों, बहुमंजिला इमारतों, सैन्य प्रतिष्ठानों और सड़क पर चल रहे वाहनों को निशाना बनाया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर और उत्तर पूर्व जैसे इलाकों में, जहां पर सैन्य बलों के लंबे काफिले चलते हैं, वहां पर आतंकी रोबोट खतरनाक साबित हो सकते हैं।

आईईडी विस्फोट के बाद पकड़े गए आतंकी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के आईएसआईएस साजिश मामले में नौ लोगों के

खिलाफ अपना पहला पूरक आरोप पत्र दायर किया है। इसमें खुलासा हुआ है कि आईएसआईएस, आतंकी संगठन अब हमलों के लिए रोबोट की मदद ले सकता है। इस मामले में शामिल आरोपियों ने इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की साजिश के तहत लोगों के बीच आतंक फैलाने और डराने के लिए कई स्थानों पर हमले और आगजनी करने की योजना बनाई थी। इसके लिए आतंकियों ने विभिन्न जगहों की रेकी की थी। संपत्तियों और वाहनों में आगजनी करने के अलावा शिवमोग्गा में सितंबर 2022 के दौरान एक परीक्षण आईईडी विस्फोट भी किया था। इनका मकसद, आतंक और हिंसा के जरिए भारत के विरूद्ध युद्ध छेड़ना था।

जिन्हें मिला था रोबोट का टास्क

आरोपियों में मोहम्मद शारिक (25), माज मुनीर अहमद (23), सैयद यासीन (22), रीशान थाजुद्दीन शेख (22), हुजैर फरहान बेग (22), माजिन अब्दुल रहमान (22), नदीम अहमद के ए (22), जबीउल्ला (32) और नदीम फैजल एन (27) शामिल हैं। ये सभी कर्नाटक के रहने वाले हैं।

>14

लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा बने सैन्य अभियान के महानिदेशक, कई युद्ध में ले चुके हैं भाग

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने सेना मुख्यालय में सैन्य अभियान के महानिदेशक का पदभार संभाला है। इससे पहले जीओसी एनएस राजा सुब्रमणि इस पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। कमान संभालने के बाद शर्मा ने युद्ध स्मारक पर बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। वहीं, प्रतीक शर्मा इससे पहले अंबाला में खड्गा कोर की कमान संभाल रहे थे। उन्होंने जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में पिछले साल 21 मार्च को पदभार ग्रहण किया था।

बता दें, शर्मा पहले ऐसे सेना अधिकारी है जो राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन मेघदूत, रक्षक व पराक्रम सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी है। वह जनरल ऑफिसर आइवरी कोस्ट में प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र मिशन के सदस्य रहने के अलावा और श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान सक्रिय युद्ध में भी भाग ले चुके हैं।

40 किलो हेरोइन बरामदगी मामले में अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरफ्तार

एनसीबी-सीआई की संयुक्त कार्रवाई

चंडीगढ़, 1 जुलाई (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) चंडीगढ़ और काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) पंजाब पुलिस ने लुधियाना में एनसीबी चंडीगढ़ द्वारा 40 किलोग्राम हेरोइन बरामदगी के मामले में एक संयुक्त अभियान में एक अंतरराष्ट्रीय तस्कर सनी वर्मा को गिरफ्तार किया है। सनी वर्मा अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के लिए भुगतान के लेनदेन को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। वह अक्षय छाबड़ा नाम के आरोपी का प्रमुख सहयोगी है, जिसे पिछले साल जयपुर हवाई अड्डे पर पकड़ा गया था।

यह ऑपरेशन काफी गुप्त रखा गया था। इसका नेतृत्व पंजाब पुलिस के एआईजी नवजोत सिंह महल ने किया। एनसीबी और सीआई पंजाब पुलिस के संयुक्त प्रयास मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल व्यक्तियों को पकड़ने और अक्षय छाबड़ा के नियंत्रण में लुधियाना से संचालित नेटवर्क को खत्म करने में सहायक रहे हैं। एनसीबी चंडीगढ़ जोनल यूनिट ने कुल 40 किलोग्राम हेरोइन और 0.1557 किलोग्राम अफीम जब्त की है। इसके अलावा, इस नेटवर्क से जुड़े 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

'अदालतें बहुत अच्छे काम करती हैं जो सुर्खियां नहीं बनती

न्यायिक व्यवस्था का जिक्र कर बोले सीजेआई चंद्रचूड़

जम्मू, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर के दौरे पर गए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ श्रीनगर में 19वीं कानूनी सेवा प्राधिकरण बैठक में उद्घाटन भाषण दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने अदालतीय प्रशासन की तारीफ की। उन्होंने कहा अक्सर हमारे फैसलों के बारे में चर्चा होती लेकिन अदालते इस काम के अलावा भी बहुत काम करती है जिसकी सुर्खियां नहीं बन पाती हैं। सीजेआई ने कहा, अदालत फैसलों के अलावा भी बहुत से ऐसे काम करती हैं जिनके बारे में लोगों को जानने की जरूरत है। श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में हो रही इस बैठक को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा, जब कभी भी इस बात का समय आया कि अदालत को अपनी मार्केटिंग करनी थी उसने नहीं कि क्योंकि उसको लगा कि न्यायपालिका को मार्केटिंग की जरूरत नहीं रही है। इस मामले में हम खराब कम्युनीकेटर रहे हैं।

अपने फैसलों से जानी जाती है अदालत

सीजेआई ने कहा, एक न्यायपालिका दो बातों से जानी जाती है, पहली, जिन मामलों में उसने फैसले दिए हैं तो दूसरी वह जिन मामलों में उसने फैसले नहीं दिए हैं। उन्होंने कहा, इनका पता न्यायपालिका में होने वाली देरी से भी पता चलता है। उन्होंने कहा, लोगों को हमारे उन फैसलों के बारे में पता चलता रहा जिनमें हम फैसले देते रहते हैं, लेकिन लोगों को न्यायपालिका के पिछले कार्यालयों में होने वाले कामों के बारे में बहुत कम जानकारी है। उन्होंने कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम भारतीय न्यायपालिका के पिछले कार्यालयों में होने वाले कार्यों पर भी प्रकाश डालें क्योंकि यही हमारी न्यायपालिका की रीढ़ है। उन्होंने अदालतों के बैक-एंड पर किए जा रहे बड़े पैमाने के काम के बारे में बताते हुए कहा, 2013 में ई-कोर्ट सेवाओं के लिए बनाई गई वेबसाइट ने 2020 में 2.54 बिलियन ट्रांजेक्शन किए हैं। तो वहीं 2021 में वह बढ़कर 3.20 बिलियन हो गया और 2022 में 3.26 बिलियन हो गया है।

देश को बताएं किन मुद्दों पर यूनिफॉर्मिटी चाहते हैं पीएम मोदी

यूसीसी पर कपिल सिब्बल ने फिर पूछे सवाल

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर देश में इस वक्त बहस छिड़ी हुई है। आम आदमी पार्टी और उद्धव गुट की शिवसेना जहां इसका समर्थन कर रही हैं तो वहीं कुछ पार्टियां ऐसी भी हैं जो यूसीसी का जमकर विरोध कर रही हैं। इस बीच राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने एक बार फिर पीएम मोदी पर निशाना साधा है। सिब्बल ने कहा, सबसे पहले प्रधानमंत्री को देश को बताना चाहिए कि यूसीसी के लिए क्या प्रस्ताव है और वह किन मुद्दों पर यूनिफॉर्मिटी चाहते हैं। कपिल सिब्बल ने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री ने तो कह दिया है कि वो लागू करेंगे, क्या लागू करेंगे। बताए तो सही। विपक्ष भी इस बहस पर पड़े जा रहा है। जब तक कोई प्रस्ताव सामने नहीं आता तब तक बहस की शुरुआत कैसे होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूसीसी लागू होना चाहिए लेकिन यह नहीं कहा कि किन चीजों पर लागू होना चाहिए। लेकिन क्या लागू हो। किस चीज पर लागू हो ये प्रधानमंत्री बताएंगे, लेकिन वो ऐसा नहीं कर रहे हैं।' 'जब तक प्रस्ताव सामने नहीं आता तब तक बहस की जरूरत नहीं'

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने आगे कहा कि जब तक कोई प्रस्ताव सामने नहीं आता, तब तक बहस की जरूरत नहीं है। उत्तराखंड का सिविल कोड पूरे देश में लागू नहीं किया जा सकता है। लोगों को इस लॉ के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन इस पर चर्चाएं चल रही हैं। पीएम मोदी के भोपाल में यूसीसी को लेकर दिए गए बयान के बाद कपिल सिब्बल ने सवाल किया कि उनका प्रस्ताव कितना समान है और क्या हिंदू, आदिवासी और पूर्वोत्तर सभी इसके दायरे में आते हैं। इसके अलावा सिब्बल ने सवाल उठाया था कि आखिर 9 साल बाद पीएम मोदी को ये बात क्यों याद आ रही है।

कोविड-19 के 40 नए मामले सामने आये

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। देश में एक दिन में कोविड-19 के 40 नए मामले सामने आये जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,513 हो गई है जो एक दिन पहले 1,533 थी। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट पर शनिवार सुबह आठ बजे अद्यतन किये गए आंकड़े के अनुसार, देश में संक्रमण से अभी तक 5,31,906 मरीजों की मौत हुई है। देश में अबतक कोविड-19 के 4.49 करोड़ मामले सामने आए हैं जबकि मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है। अभी तक कुल 4,44,60,809 लोग संक्रमण से ठीक हुए हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.66 करोड़ खुराक लगायी जा चुकी हैं।

गुजरात एचसी ने तीस्ता सीतलवाड़ की जमानत याचिका खारिज की

तुरंत सरेंडर करने को कहा

अहमदाबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। तीस्ता सीतलवाड़ की जमनात याचिका को गुजरात हाई कोर्ट ने खारिज करते हुए उन्हें तुरंत सरेंडर' करने को कहा है। तीस्ता सीतलवाड़ पर साल 2002 के गुजरात दंगों से जुड़े मामलों में 'निर्दोष लोगों' को फंसाने के लिए फर्जी सबूत गढ़ने का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2022 में उन्हें अंतरिम जमानत दी थी।

हालांकि, न्यायमूर्ति निर्जर देसाई के फैसले के बाद, वरिष्ठ वकील मिहिर ठाकोर ने अदालत से फैसले के क्रियान्वयन पर 30 दिनों की अवधि के लिए रोक लगाने का अनुरोध किया। हालांकि, अनुरोध को न्यायमूर्ति देसाई ने खारिज कर दिया।

कौन हैं तीस्ता सीतलवाड़?

तीस्ता सीतलवाड़ा एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह गुजरात दंगों के पीड़ितों की लड़ाई लड़ रही हैं। तीस्ता सीतलवाड़ का जन्म महाराष्ट्र में 1962 में हुआ। वह मुंबई में पली बढ़ी और मुंबई यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया। उनके पिता अतुल सीतलवाड़ वकील थे और उनके दादा एमसी सीतलवाड़ देश के पहले अटॉर्नी जनरल थे। तीस्ता सीतलवाड़ ने अपनी कानून की पढ़ाई बीच में छोड़कर पत्रकारिता की ओर कदम बढ़ाए। बतौर रिपोर्टर उन्होंने कई अखबारों में काम किया। उन्होंने पत्रकार जावेद आनंद से शादी की और आगे चलकर कुछ लोगों के साथ मिलकर सिटीजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस नामक एनजीओ की शुरुआत की। तीस्ता सीतलवाड़ को वर्ष 2007 में पद्मश्री से नवाजा जा चुका है। पद्मश्री के अलावा उनको साल 2002 में राजीव गांधी राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार भी मिल चुका है।

तीस्ता सीतलवाड़ पर क्या आरोप?

सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ पर साल 2002 के गुजरात दंगों से जुड़े मामलों में 'निर्दोष लोगों' को फंसाने के लिए फर्जी सबूत गढ़ने का आरोप है। सीतलवाड़ा पर आईपीसी के सेक्शन 468 (धोखे देने की नीयत दस्तावेजों से छेड़छाड़) और सेक्शन 194 (फर्जी सबूत गढ़ना) के तहत मामला दर्ज है। तीस्ता सीतलवाड़ पर विदेश से आए पैसे के दुरुपयोग और धोखाधड़ी का भी आरोप है।

कर्नाटक में हार के बाद भाजपा की समीक्षा

11 लोगों को पार्टी विरोधी गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए नोटिस जारी

बेंगलुरु, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की कर्नाटक इकाई ने विधानसभा चुनावों के दौरान कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों में हिस्सा लेने और पार्टी तथा नेताओं के खिलाफ बयान देकर शर्मिंदा करने के मामले में 11 लोगों को नोटिस जारी किया है। भाजपा ने पार्टी विरोधी गतिविधियों की जांच करने और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का फैसला लिया है। भाजपा नेताओं की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील, पूर्व मुख्यमंत्री व संसदीय बोर्ड के सदस्य बी। एस। येदियुरप्पा सहित अन्य लोग शामिल हुए। बैठक के बाद कतील ने पत्रकारों से कहा, "चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे लोगों की जांच करने और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का फैसला लिया गया है। जो लोग बयान देकर पार्टी को शर्मिंदा कर रहे हैं उनसे हमने व्यक्तिगत रूप से बात की है। नोटिस जारी कर दिया गया है और उनसे साफ शब्दों में भविष्य में ऐसे बयान नहीं देने को कहा गया है।" यह पूछने पर कि किसे-किसे नोटिस दिया गया है, कतील ने नामों का खुलासा किए बगैर कहा, "हमने अभी तक 11 लोगों को नोटिस जारी किया है।" येदियुरप्पा ने कहा कि पार्टी के लोगों को निर्देश दिया गया है कि वे भाजपा को शर्मिंदा करने वाले बयान ना दें। उन्होंने कहा, "हमने ऐसे बयान देने वालों को बुलाया है और उनसे बात की है। उनसे सचेत रहने और सुनिश्चित करने को कहा गया है कि ऐसी परिस्थितियां पैदा ना हों, वरना उचित कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में फैसला लिया गया है।"

सोनाली हत्याकांड: आरोपी सुखविंदर ने परिवार से मिलने के लिए अदालत में दायर की याचिका

13 जुलाई को होगी सुनवाई

हिसार, 1 जुलाई (एजेंसियां)। (हरियाणा) भाजपा नेता सोनाली फोगाट हत्याकांड के आरोपी सुखविंद्र ने परिवार से मिलने के लिए गोवा अदालत में याचिका दायर की। आरोपी सुखविंद्र के एडवोकेट सुखवंत ने बताया कि 27 जून को अदालत में याचिका लगाई है। जिस पर 13 जुलाई को अदालत फैसला सुनाएगी। एडवोकेट सुखवंत ने बताया कि अदालत में याचिका लगाई है कि 15 दिन के लिए आरोपी सुखविंद्र को परिवार से मिलने की अनुमति दी जाए।

सुखविंदर को हाई कोर्ट से 3 मई को मिली थी जमानत

गोवा अदालत ने आरोपी सुधीर सांगवान और सुखविंद्र को हत्या और ड्रग्स मामले में जमानत दी हुई है। अदालत ने दोनों को शशर्त जमानत दी है। दोनों को गोवा से बाहर जाने की मंजूरी नहीं दी है। वहीं थाने में जाकर हाजिरी लगानी होती है। हत्या मामले में आरोपी सुखविंदर को हाई कोर्ट से 3 मई को जमानत मिल गई थी।

गोवा में हुई थी मौत

सोनाली फोगाट की 22 अगस्त 2022 की रात को गोवा में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इससे पूर्व सोनाली फोगाट के पति संजय फोगाट की भी करीब साढ़े पांच साल पहले संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। सोनाली के परिवार का आरोप है कि सुधीर सांगवान, सोनाली की प्रॉपर्टी हड़पना चाहता था, इसलिए उसने सुखविंदर के साथ मिलकर ड्रग्स देकर सोनाली की हत्या कर दी।

सोनाली के शरीर पर चोट के कई निशान मिले थे

सोनाली की मौत की सूचना मिलने के बाद गोवा पहुंचे उसके भाई रिंकू ने गोवा पुलिस को शिकायत देकर सुधीर सांगवान और सुखविंदर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया था। पोस्टमार्टम के दौरान सोनाली के शरीर पर चोट के कई निशान मिले। सोनाली की मौत के बाद रिजॉर्ट के कुछ सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए जिनमें सुधीर सांगवान सोनाली को बोतल के जरिए कुछ पिलाता नजर आया और उसके बाद ही सोनाली की तबीयत बिगड़ गई थी और बाद में मौत हो गई थी।

ओडिशा ट्रेन हादसा दक्षिण पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक को हटाया गया

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर में तीन ट्रेनों की दुखद दुर्घटना के लगभग एक महीने बाद दक्षिण पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक अर्चना जोशी को उनके पद से हटा दिया गया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अनिल कुमार मिश्रा को दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार संभालने की अनुमति दे दी है। ओडिशा के बालासोर जिले में दो जून को तीन रेलगाड़ियों के बीच टक्कर हो गई थी, जिसमें 290 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और 1000 से अधिक लोग घायल। भारतीय रेलवे ने एक आधिकारिक बयान में कहा, बालासोर ट्रेन दुर्घटना के बाद दक्षिण पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक अर्चना जोशी को उनके पद से हटा दिया गया है

मंदबुद्धि लड़की के साथ दुष्कर्म, गर्भवती हुई तो हुआ मामले का खुलासा

यमुनानगर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। (हरियाणा) यमुनानगर के बूड़िया थाना क्षेत्र के एक गांव में मंदबुद्धि लड़की से दुष्कर्म के बाद गर्भवती होने का मामला प्रकाश में आया है। युवती की मां ने बेटी का पेट बढ़ने पर जब प्रेगनेंसी किट से उसका टेस्ट किया तो उसके गर्भवती होने का पता चला। युवती ने गांव के एक व्यक्ति पर पांच माह से दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी व्यक्ति पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बूड़िया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 21 वर्षीय बेटी जन्म से मंदबुद्धि है।

महिला पत्रकार को अश्लील संदेश भेजने के मामले में पीडीपी नेता गिरफ्तार

कोच्चि, 1 जुलाई (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के नेता निसार मेथर को एक महिला पत्रकार को अश्लील संदेश भेजने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। महिला पत्रकार ने पार्टी के नेता अब्दुल नासिर मदनी की सेहत की जानकारी के लिए मेथर को संदेश भेजा था, जिसके जवाब में उसने कथित विवादित संदेश भेजा। उल्लेखनीय है कि मदनी बीमार हैं। पुलिस ने कहा कि पीडीपी के महासचिव निसार मेथर को आज गिरफ्तार किया गया और बाद में उसे जमानत पर छोड़ दिया गया। एक टीवी पत्रकार द्वारा पुलिस के पास शिकायत लेकर पहुंचने के बाद 29 जून को उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया, 'उसके (मेथर) पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है।'

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''हमने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354ए(1)(4) और 354(1)(1) तथा केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120(ओ) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।" महिला पत्रकार ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसने स्वास्थ्य कारणों से निजी अस्पताल में भर्ती मदनी की सेहत की जानकारी लेने के लिए आरोपी नेता को संदेश भेजा था, लेकिन उन्होंने जवाब में अश्लील प्रतीत हो रहे संदेश भेजे। महिला ने शिकायत के साथ आरोपी नेता द्वारा भेजे गए संदेश की स्क्रीनशॉट और अन्य साक्ष्य भी मुहैया किया है।

थरूर को उल्टा पड़ गया जयशंकर को सलाह देना

अब दी सफाई, बताया दोस्त और काबिल विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर विदेश मंत्री एस जयशंकर को दी गई अपनी एक सलाह पर घिरने के बाद सफाई पेश की है। शनिवार, 1 जुलाई को कांग्रेस सांसद ने कहा लंदन में खालिस्तान समर्थकों के भारतीय ध्वज उतारे जाने पर जयशंकर की प्रतिक्रिया से उनका कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि जयशंकर उनके दोस्त के साथ ही काबिल विदेश मंत्री हैं। कांग्रेस नेता ने अपनी सलाह का मतलब भी समझाया कि वो किस बारे में थी। दरअसल, लंदन स्थित भारतीय दूतावास से जब खालिस्तान समर्थकों ने पाकिस्तानी झंडा उतारा था, तो अक्सर कूल रहने वाले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। जयशंकर ने इसके अलावा भी कई मुद्दों पर पश्चिमी देशों को कड़ी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। इसे लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एस जयशंकर को सलाह दी थी, जिसका मतलब यह निकाला गया कि वे विदेश मंत्री को खालिस्तान के मुद्दे पर शांत रहने की सलाह दे रहे हैं। शशि थरूर ने अब इसी को लेकर सफाई पेश की है।

थरूर ने बताया किस बारे में थी सलाह

थरूर ने ट्वीट कर लिखा, मेरे दोस्तों ने मुझे कुछ ट्रोल्स भेजे हैं, जिसमें कहा गया है कि मैंने विदेश मंत्री को खालिस्तानियों पर दी गई टिप्पणी के लिए शांत रहने को कहा था, लेकिन ऐसा नहीं है। थरूर ने लिखा, जब भारतीय ध्वज उतारे जाने घटी तो मैंने विदेश मंत्रालय से पहले ही नाराजगी व्यक्त की। आक्रोश प्रकट करना, वास्तव में सबसे उपयुक्त प्रतिक्रिया थी। उन्होंने आगे लिखा, जयशंकर को संयम बरतने की मेरी सलाह उनके बेंगलुरु स्थिति बीजेपी युवा मोर्चा के लिए की गई उनकी टिप्पणियों के लिए थी, जिसे विदेशी मीडिया ने पकड़ लिया था और गलत तरीके से दिखाया था।

ये हमारा स्टाइल नहीं- थरूर

थरूर ने आगे लिखा, बिना उकसावे के दूसरे देशों की आंख में उंगली डालना हमारा स्टाइल नहीं है। झंडा फहराने की घटना एक उकसावे की घटना थी और भारत की प्रतिक्रिया उचित थी। इस पर विदेश मंत्री से मेरा कोई मतभेद नहीं है। मैं उन्हें एक मित्र और एक कुशल व योग्य विदेश मंत्री मानता हूं।

जयशंकर ने क्या कहा था?

विदेश मंत्री एस जयशंकर बीते अप्रैल की शुरुआत में बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उनसे पश्चिमी देशों की टिप्पणी को लेकर सवाल किया गया था, जिस पर उन्होंने कहा था कि पश्चिम को दूसरे के मामले में टिप्पणी करने की बुरी आदत है। वे सोचते हैं कि उन्हें भगवान का दिया किसी तरह का अधिकार है। लेकिन उन्हें सीखना होगा कि अगर वे ऐसा करते रहे तो दूसरे भी करने लगेंगे, जो उन्हें अच्छा नहीं लगेगा और ऐसा हो रहा है।

मोगा कोर्ट में पेश हुआ गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई बठिंडा जेल से लाई पुलिस 17 जुलाई तक रिमांड पर

मोगा (पंजाब), 1 जुलाई (एजेंसियां)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को शनिवार को मोगा कोर्ट में पेश किया गया। धारा 307 के एक मामले में मोगा पुलिस बठिंडा जेल से बिश्नोई को भारी सुरक्षा में लेकर अदालत पहुंची। चार्ज फ्रेम करने के बाद अदालत ने लॉरेंस को 17 जुलाई तक ज्यूडिशियल रिमांड पर बठिंडा जेल भेज दिया। एक दिसंबर 2021 को मोगा के डिप्टी मेयर के भाई जितेंदर धमीजा को गोली मारने के लिए गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने जोधा और मोनू डागर को भेजा था। गलती से जितेंदर धमीजा को न मारकर आरोपियों ने उसके भाई सुनील धमीजा और उसके बेटे प्रथम पर हमला कर दिया था।

तेजस ने भारतीय वायुसेना में पूरे किए सात साल, कई हथियारों के साथ हमला करने में है माहिर

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। हल्के लड़ाकू विमान (एलएसी) तेजस भारतीय वायुसेना में अपनी सेवा के सात साल शनिवार को पूरा कर लेगा। वायुसेना ने एक जुलाई, 2016 को पहली तेजस यूनिट का निर्माण करके विमान को सेवा में शामिल किया किया, जिसका नाम 'फ्लाइंग ड्रैगर्स' है। मई 2020 में नंबर 18 स्क्वाड्रन तेजस को संचालित करने वाली दूसरी इकाई बन गई। सात वर्षों में तेजस ने भारत को अलग पहचान दिलाई है।

लड़ाकू बेड़े के मुख्य आधार बनेंगे तेजस के भविष्य के संस्करण

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि एलसीए तेजस और इसके भविष्य के संस्करण वायुसेना के लड़ाकू बेड़े के मुख्य आधार बनेंगे। वायु सेना को अगले साल फरवरी से तेजस एमके-1ए की

आपूर्ति मिलने की उम्मीद है। स्वदेश में बना तेजस का नया संस्करण कई हथियारों के साथ लंबी दूरी तक दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने में सक्षम होगा।

एचएएल को मिला 48 हजार करोड़ रुपये का आर्डर

फरवरी 2021 में मंत्रालय ने वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमान की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को 48,000 करोड़ रुपये का आर्डर देकर इस हल्के लड़ाकू विमान पर भरोसा जताया। यह विमान इलेक्ट्रानिक रडार, दृश्य सीमा से परे (बीवीआर) मिसाइल, इलेक्ट्रानिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सूट और हवा से हवा में ईंधन भरने (एएआर) की महत्वपूर्ण परिचालन क्षमताओं से लैस है।

कई हथियारों के साथ हमला करने में सक्षम है तेजस

तेजस कई हथियारों के साथ हमला करने में सक्षम है। इनमें से कई हथियार स्वदेशी होंगे। इसमें 50 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया जाएगा, जिसे 60 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा। तेजस को वायु रक्षा, समुद्री टोही और हमले की भूमिका निभाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह एकल इंजन वाला बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है।

अमेरिका समेत कई देश तेजस को खरीदने में दिखा रहे दिलचस्पी

मिस्त्र, अर्जेंटीना, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया और फिलीपींस जैसे देशों ने तेजस विमान खरीदने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। वायुसेना ने 2021 में दुबई एयर शो, पिछले साल सिंगापुर एयर शो और 2017 से 2023 तक एयरो इंडिया शो सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में इस विमान प्रदर्शित करके भारत की स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमताओं का प्रदर्शन किया है।

2003 में एलएसी को मिला 'तेजस' नाम

लाइट कांबैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) कार्यक्रम भारत के पुराने मिग-21 लड़ाकू विमानों को बदलने के लिए शुरू हुआ था। 2003 में एलसीए को आधिकारिक तौर पर 'तेजस' नाम दिया गया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

माना दुनिया बुरी है
सब जगह धोखा है
लेकिन हम तो अच्छे बने
हमें किसने रोका है

डॉक्टरों की सेवाएं मानवता के अस्तित्व के लिए अपरिहार्य : न्यायमूर्ति वामन राव

प्रोफेसर डॉ. बी जगनमोहन मुदिराज को वैद्य शिरोमणि पुरस्कार

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और ट्रिब्यूनल कोर्ट के पूर्व अध्यक्ष न्यायमूर्ति वामन राव ने कहा कि डॉक्टरों की सेवाएं मानवता के अस्तित्व के लिए अपरिहार्य हैं और यदि माता-पिता जीवन देते हैं, तो डॉक्टर एक और पुनर्जन्म दे सकते हैं। फॉरेंसिक मेडिसिन के प्रसिद्ध प्रोफेसर डॉ. बी. जगनमोहन मुदिराज को शॉल, माला और एक स्मृति चिन्ह भेंट करके वैद्य शिरोमणि 2023 पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तेलंगाना सिटीजंस काउंसिल राज्य विभाग के तत्वावधान में बरकत पुरा चौराहे पर स्थित न्यायमूर्ति वामन राव के आवास पर डॉक्टर्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, न्यायमूर्ति वामन राव ने कहा कि चिकित्सा पेशा डॉक्टरों के लिए वरदान के समान है जो भगवान तुल्य हैं। लायंस कल्ब हैदराबाद साउथ के डॉयरेक्टर लाइन प्रेमचन्द मुनोट जैन ने भाषण देते हुए कहा कि डॉक्टर भगवान के समान होते हैं और यही कारण है कि हमारी भारतीय संस्कृति में डॉक्टरों को वैद्यहो नारायण हरि के रूप में उच्च दर्जा दिया जाता है। प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक निदेशक एस. रामकृष्ण शास्त्री ने कहा कि डॉक्टरों को रोगमुक्त समाज के लिए काम करना चाहिए जिसमें चिकित्सा पेशे के मूल्य संरक्षित रहे। तेलंगाना नागरिक परिषद के राज्य महासचिव टी. ए. मुरली मोहन ने कहा कि पिछले 30 वर्षों से समर्पण और सेवा दर्शन के साथ गरीबों को उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने वाले प्रोफेसर डॉ. जगनमोहन की सेवाओं की मान्यता में, इस वर्ष एक तेलंगाना राज्य के व्यक्ति को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस अवसर पर लालदरवाजा महाकाली देवालय के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पोसनी, टीसीसी समन्वयक सी. राजेंद्र मुदिराज, के. श्याम राव, चिकित्सा अधिकारियों, प्रोफेसर बी. जगनमोहन को सम्मानित किया और बधाई दी।

ऊर्जा संरक्षण उपायों को अपनाने में तेलंगाना अग्रणी राज्यों में से एक : सीएस

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि तेलंगाना ऊर्जा संरक्षण उपायों को अपनाने में अग्रणी राज्यों में से एक है और राज्य सरकार का उद्देश्य सार्वजनिक उपयोग के लिए ऊर्जा दक्षता उपकरणों और संरक्षण उपायों को बढ़ावा देना है। तेलंगाना में ऊर्जा परिवर्तन पर राज्य स्तरीय संचालन समिति की बैठक शनिवार को यहां मुख्य सचिव शांति कुमारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य के कार्बन उत्सर्जन तीव्रता में कमी के रोडमैप को विकसित करना और लागू करना और सम्मेलन से गैर पारंपरिक ऊर्जा में स्थानांतरित करना है। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा की संचयी क्षमता 6335 मेगावाट है और तेलंगाना अपने ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने वाले देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने की दर वित्त वर्ष 23 में 9.87 से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 14.17 (ऊर्जा के संदर्भ में) हो गई है। स्थापित क्षमता के मामले में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है। शांति कुमारी ने कहा कि तेलंगाना ऊर्जा संरक्षण उपायों को अपनाने में अग्रणी राज्यों में से एक है और इसका उद्देश्य सार्वजनिक उपयोग के लिए ऊर्जा दक्षता उपकरणों और संरक्षण उपायों को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर, मुख्य सचिव ने एमडी टीएसआरईडीसीओ को ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए टीएसआरईडीसीओ को भूमि उपलब्ध कराने के लिए गांव और मंडलवार स्थान की विधिवत पहचान करते हुए एक विशिष्ट प्रस्ताव लाने का निर्देश दिया। विशेष मुख्य सचिव ऊर्जा सुनील शर्मा ने कहा कि तेलंगाना राज्य सौर नीति 2015- सौर ऊर्जा के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रचारात्मक लाभ और प्रोत्साहन के साथ 2015 में जारी की गई थी। उन्होंने अनुरोध किया कि सभी सरकारी विभागों को टीएसआरईडीसीओ के माध्यम से सोलर रूफ टॉप सिस्टम स्थापित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जाने चाहिए। इसी प्रकार, राज्य के सभी नगर पालिकाओं और यूएलबी में आवासीय और वाणिज्यिक के लिए सोलर रूफ टॉप को अनिवार्य करने और भवन निर्माण अनुमति से जोड़ने के निर्देश जारी किए जाने चाहिए। बैठक में भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार संपीड़ित बायो गैस (सीबीजी) परियोजनाओं के प्रचार और कार्यान्वयन के लिए किफायती परिवहन की दिशा में सतत विकल्प पर राज्य स्तरीय समिति (एसएटीएटी) के गठन पर भी चर्चा हुई। समिति ने राज्य में नगरपालिका ठोस अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन के लिए राज्य में अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए नीति जारी करने की आवश्यकता महसूस की। बैठक में सचिव आरएंडबी श्रीनिवास राजू, सचिव पीआर संदीप कुमार सुल्तानिया, परिवहन आयुक्त बुद्ध प्रकाश ज्योति, टीएसआरईडीसीओ एमडी जनैया और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

कुनामनेनी ने सीएम से पुरानी पेंशन योजना लागू करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव कूनमनेनी संबाशिव राव ने आज मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से भर्ती अधिसूचना जारी होने के बाद कर्मचारियों और शिक्षकों के रूप में काम करने वाले सभी लोगों के लिए केंद्र सरकार के आदेशों के अनुसार पुरानी पेंशन प्रणाली लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने इस मुद्दे पर सीएम को एक खुला पत्र लिखा। अपने पत्र में उन्होंने सीएम से यह बात कही है। देश में नई पेंशन प्रणाली के हिस्से के रूप में अंशदायी पेंशन प्रणाली (सीपीएस) 1 सितंबर 2004 से तत्कालीन संयुक्त राज्य आंध्र प्रदेश में लागू की गई थी। कर्मचारियों को नई पेंशन प्रणाली में अपना नाम दर्ज कराने के लिए मजबूर किया गया और इसके कारण कई कर्मचारियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

गांजे के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम, हैदराबाद के अधिकारियों ने कुलसुमपुरा पुलिस स्टेशन की टीम के साथ दो गांजा तस्करों सुनील सिंह और नंद किशोर सिंह उर्फ किट्टू को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। विश्वसनीय सूचना पर आयुक्त की टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन की टीम ने सुनील सिंह नाम के आदतन गांजा तस्कर को पकड़ा। वह कुलसुमपुरा पीएस की सीमा के तहत गौशाला, सौ फीट रोड, जियागुडा में स्थित अपनी पान की दुकान पर जरूरतमंद ग्राहकों को बेचने की कोशिश कर रहा है। पूछताछ करने पर उसने बताया कि, वह नंद किशोर सिंह उर्फ किट्टू निवासी धूलपेट से गांजा खरीदता है। उसकी निशानदेही पर नंद किशोर सिंह को पकड़ लिया गया।

एनएमडीसी ने जून महीने और पहली तिमाही का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी खनन कंपनी एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2024 के तीसरे महीने में 3.48 मिलियन टन लौह अयस्क का उत्पादन किया और 4.1 मिलियन टन लौह अयस्क की बिक्री की। यह कंपनी के इतिहास में जून महीने तथा पहली तिमाही में अबतक का सर्वोच्च प्रदर्शन है। देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक ने माह-दर-माह उत्पादन में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए, अपनी स्थापना के बाद से अबतक अप्रैल, मई और जून का अपना सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन किया है ।

बिक्री में माह-दर-माह 115 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए, एनएमडीसी ने स्थापना के बाद से किसी भी जून माह में अपनी सबसे अधिक मासिक बिक्री की है । वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में एनएमडीसी के संचयी उत्पादन और बिक्री में क्रमशः 20 प्रतिशत और 45 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। कंपनी ने वित्त वर्ष की पहली तिमाही में लौह अयस्क का 10.70 मिलियन टन का उत्पादन किया और 11.15 मिलियन टन बिक्री की । एनएमडीसी के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन पर टिप्पणी करते हुए अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) ने कहा, ''देश की अर्थव्यवस्था में लौह अयस्क बढती मांग को पूरा करने में एनएमडीसी का योगदान लगातार बढ रहा है। स्थापना के बाद से पहली तिमाही और जून में अबतक का सबसे अधिक उत्पादन और बिक्री खान योजना, विस्तार और अत्यधिक कुशल मानव संपत्ति में हमारे गतिशील और कर्मठ निवेश से मेल खाता है ।

प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिभूति मुद्रणालय हैदराबाद में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन इकाई के मुख्य महाप्रबंधक श्री श्रीकर प्रधान की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ सत्र में अमरजीत कुमार राय, सहायक प्रबंधक (रा.भा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत कर कार्यशाला के आयोजन, उद्देश्य एवं रूपरेखा के संबंध में जानकारी दी। तत्पश्चात् मुख्य महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में इकाई द्वारा राजभाषा प्रयोग के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा इस क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य वक्ता के रूप में पधारे मो. कमालुद्दीन, सहायक निदेशक (रा.भा.)(सेवानि.) हिन्दी शिक्षण योजना, हैदराबाद का कार्यक्रम में स्वागत किया। मानव संसाधन प्रमुख दुर्गा प्रसाद, संयुक्त महाप्रबंधक (मा.सं.) ने हिंदी में हो रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने ई-ऑफिस में हिंदी के सरल प्रयोग से सभी को अवगत कराया तथा भविष्य में इसके प्रयोग करने की सलाह दी। कार्यशाला का आयोजन दो सत्र में किया गया। इकाई के प्रथम सत्र में राजभाषा अधिकारी ने हिंदी कार्यशाला का महत्व बताते हुए कार्यालय में 'संघ की राजभाषा नीति' विषय के अंतर्गत संघ सरकार की राजभाषा सम्बन्धी अधिनियम, नियम एवं संविधान में वर्णित इससे सम्बन्धी अनुच्छेद के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के दूसरे सत्र में मुख्य वक्ता मो. कमालुद्दीन ने हिंदी भाषा एवं व्याकरण पर जानकारी दी तथा साथ ही टिप्पण एवं आलेखन लेखन पर अभ्यास भी कराया। उन्होंने ई-टूल्स के माध्यम से हिंदी टंकण एवं अनुवाद के उपायों पर चर्चा की। कार्यशाला में विभिन्न अनुभागों से कुल 20 कर्मचारियों ने भाग लिया।

हृदय रोग से संबधित निशुल्क जांच शिविर का आयोजन आज

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव सुधीर जायसवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आज रविवार 2 जुलाई सुबह 8:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक होलियादासरी संगम कम्युनिटी हॉल, मुरली कृष्णा नगर, बालापुर एक्स रोड, मीरपेट, आरआर डिस्ट्रिक्ट में निशुल्क जाँच शिविर हृदय रोगों से संबंधित, आयोजित किया जा रहा है। कार्डियक रिसर्च एंड एजुकेशन फाउंडेशन (केयर फाउंडेशन) एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 1997 में हुई थी। यह संगठन पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम, पद्मश्री डॉ बी सोमा राजू और प्रोफेसर अरुण कुमार तिवारी के द्वारा स्थापित किया गया है। इसमें प्रख्यात पेशेवर डॉक्टर शामिल हैं। इस फाउंडेशन का मिशन उन्नत व्यापक स्वास्थ्य देखभाल ,सस्ती और सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए उपयुक्त तकनीकों को विकसित कर मान्यता कराया गया है। केयर फाउंडेशन ग्रुप से जुड़ कर जन सेवा संघ यह शिविर का आयोजन कर रहा है। जन सेवा संघ के स्वास्थ्य कमेटी के द्वारा निशुल्क शिविर भिन्न भिन्न क्षेत्रों में आयोजित करने का संकल्प लिया है। जन सेवा संघ के उपाध्यक्ष एस पी सिंह और महासचिव सुधीर जायसवाल ने जन सेवा संघ के केंद्रीय समिति और एरिया कमिटी, जोनल कमिटी को आग्रह किया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बोल्लु श्रीनिवास दास, टेलकल्लापल्ली कृष्णा आदि लोगों का सहयोग सराहनीय है।

वर चाहिए

Beautiful Girl from a Punjabi Community Located in Hyderabad 27 Years is looking for a suitable match.
(080-69072069)

वर चाहिए

अग्रवाल 27 वर्षीय शिक्षित, घरेलू सुंदर कन्या हैदराबाद निवासी हेतु अच्छे परिवार से वर चाहिये।
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

33 वर्षीय तलाकशुदा कन्या अच्छे परिवार से शीघ्र विवाह के लिए सपर्क करे (जाति बंधन नहीं ।)
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

ब्राह्मण मांगलिक कन्या 28 वर्षीय, शिक्षित हैदराबाद निवासी विवाह के लिए संपर्क करे । (जाति बंधन नहीं।)
संपर्क : (080-69072069)

भाजपा के महा जनसम्पर्क अभियान के तहत हैदराबाद के जामबाग में पीएम मोदी के नौ साल के कार्यकाल पूरा होने पर बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली में बीजेपी जामबाग के कार्पोरेटर राकेश जायसवाल, गोलकोंडा जिला भाजपा अध्यक्ष पांडु यादव, अनिल अंबाडी, ओमकार, अमर सिंह राजपुरोहित, अनिल यादव, नितिन जायसवाल, नरसिंग ठाकुर आदि ने भाग लिया।

तेलंगाना के लोगों ने किया लंदन में भव्य बोनालू जातरा का आयोजन

महापौर समेत ब्रिटेन में रहने वाली प्रवासी परिवार ने लिया भाग

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एसोसिएशन ऑफ यूनाइटेड किंगडम (टीएसी) ने लंदन में बोनालू जातरा का आयोजन किया। समारोह में पूरे ब्रिटेन से 1200 से अधिक प्रवासी परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। टॉक के अध्यक्ष रत्नाकर कदुदुला और उपाध्यक्ष शुशमना रेड्डी ने समारोह की अध्यक्षता की, जबकि संयुक्त सचिव गोट्टीमुक्कला सतीश रेड्डी संचालक थे। हाउंस्लो के महापौर अफजल कियानी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। मातृभूमि में मनाई जाने वाली पारंपरिक पूजाएँ की गईं, लंदन की सड़कों पर जुलूस निकाला गया, विशेष रूप से पोतुराजू खेलों ने न केवल निर्वासितों के बच्चों को बल्कि किसानों को भी खुश कर दिया। प्रवासी तेलंगाना छात्र अक्षय मालचेलम उच्च अध्ययन के लिए लंदन आए है। उन्होंने अपने कुल के व्यवसाय को भूले बिना पोतुराजू के रूप में कपड़े पहने, हमारी तेलंगाना संस्कृति के लिए बोनालु जुलूस में भाग लिया और समारोह में एक नया आकर्षण लाया। पोतुराजू विन्यासन्नी की न केवल प्रवासियों ने बल्कि उपस्थित मुख्य अतिथियों ने भी सराहना की और सम्मान किया। हाउंस्लो मेयर ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाले सभी तेलंगाना एनआरआई सामुदायिक सेवा में बहुत सक्रिय हैं और उनकी भावना बहुत महान है। उन्होंने कहा कि विदेश में होने के बावजूद जिस तरह से तेलंगाना की सांस्कृतिक परंपराओं को दुनिया को दिखाया जा रहा है वह बहुत ही शानदार है, लंदन की सड़कों पर बोनालू के जुलूस को देखकर उन्हें बहुत गर्व हुआ और उन्होंने टॉक संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों की सराहना की जिससे कई लोगों को प्रेरणा मिलती है। टॉक के अध्यक्ष रत्नाकर कदुदुला ने सभी तेलंगाना प्रवासी लोगों को बोनाला उत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने टॉक संस्था द्वारा दुनिया भर में तेलंगाना के लोगों और तेलंगाना के बच्चों के लिए किये जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए सभी से इसका हिस्सा बनने का आह्वान किया। टॉक के संस्थापक अनिल कुर्माचलम ने कहा कि समर्थन की कमी के बावजूद, उनके समर्थन, सुझाव और प्रेरणा ने उत्सव को इतना भव्य बना दिया। संस्था की शिक्षिका सुशुमना रेड्डी ने कहा कि टॉक संस्था द्वारा आयोजित बोनाला समारोह में आये अतिथियों एवं स्थानीय प्रवासियों को धन्यवाद दिया। यस यूके के अध्यक्ष और टॉक के राष्ट्रीय संयोजक, एनआरआई बी.आर. अशोक दूसारी ने कहा कि उन्हें लंदन में इतने भव्य तरीके से तेलंगाना राज्य उत्सव का आयोजन करने पर गर्व है और प्रवासी तेलंगाना समुदायों के गठन के बाद बोनालु-बतुकम्मा उत्सव पूरी दुनिया में बहुत भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है।

अनिंद्य विश्वास आरसीआई के निदेशक नियुक्त

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उत्कृष्ट वैज्ञानिक अनिंद्य बिस्वास को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद के अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। आरसीआई हैदराबाद में स्थित डीआरडीओ की एक प्रीमियर एविओनिक्स प्रयोगशाला है। अनिंद्य बिस्वास भारत में रक्षा अनुप्रयोगों के लिए उन्नत एविओनिक्स और प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी डिजाइन और विकास में अपने अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों के लिए टर्मिनल गाइडेंस सिस्टम और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने वाले सटीक-निर्देशित सिस्टम के स्वदेशी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टर्मिनल मार्गदर्शन प्रणालियों के लिए एक टीम लीडर के रूप में, उन्होंने कई कम लागत वाली लघु टर्मिनल मार्गदर्शन प्रणालियों की अवधारणा, डिजाइन और विकास का नेतृत्व किया, जिनका कई सामरिक मिसाइलों में अनुप्रयोग होता है। उन्होंने कई सटीक-निर्देशित हथियारों के डिजाइन और विकास का भी नेतृत्व किया है। पिछले तीन दशकों में उनका निरंतर अनुसंधान एवं विकास योगदान और प्रौद्योगिकी नेतृत्व भारत को महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भर बनाने में परिवर्तनकारी रहा है। उनके विशिष्ट योगदान के लिए, उन्हें 2002 में डीआरडीओ यंग साइंटिस्ट अवार्ड और टर्मिनल गाइडेंस सिस्टम के विकास में उनके योगदान को मान्यता देने के लिए 2016 में साइंटिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। श्री बिस्वास ने बंगाल इंजीनियरिंग कॉलेज (कलकत्ता विश्वविद्यालय), शिबपुर, पश्चिम बंगाल से इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार में स्नातक और आईआईटी खड़गपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ईसीई) में एम.टेक किया।

CLASSIFIEDS

वधु चाहिए

31/5'11"स्वर्णकार,मांगलिक, B.Tech. हैदराबाद में USA की Co. में सॉफ्टवेयर इंजीनियर,50+लाख वार्षिक,शिक्षित परिवार हेतु B.Tech/सुशिक्षित गौर वर्ण,सुंदर,सुशील मांगलिक कन्या चाहिए।
संपर्क करें - 7989349552

सावधान

पाठकों को सूचेत किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञाप्न का प्रतिवादन करते से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

किराये के मकान में फंदे से झूलता मिला व्यवसायी का शव

पूर्णिया, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मधेपुरा निवासी एक मक्का व्यापारी का शव शुक्रवार को पुलिस ने किराये के मकान से फंदे से झूलता हुआ बरामद किया है। घटना सदर थाना क्षेत्र के सरदार टोला की है। मृतक विकास कुमार साह (30 वर्ष) मधेपुरा जिले के बिहारीगंज थाना क्षेत्र स्थित सरौनी गांव निवासी सुनील प्रसाद साह का पुत्र था। वह गत दस वर्षों से गुलाबबाग में मक्का की खरीद बिक्री करता था और पिछले तीन साल से सरदार टोला निवासी कांता महतो के मकान में किराये पर रहता था। स्वजन के मुताबिक विकास बाजार में लाखों रुपये फंस जाने से परेशान था। मकान मालिक कांता महतो ने बताया कि रोजाना की तरह युवक रात कमरे में सो रहा था। सुबह में देर तक जब विकास नहीं जगा तो आखिर में उन्होंने कमरे का दरवाजा खटखटाया। दरवाजा नहीं खोलने पर खिड़की से झांका तो विकास फंदे से लटक रहा था।

देवर के प्यार में पागल हुई भाभी, पति ने उतार दिया मौत के घाट

झांसी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के झांसी से एक हैरतंगेज घटना सामने आई है यहाँ एक पति ने अपनी ही पत्नी का कुल्हाड़ी से वार करके क़त्ल कर डाला। दरअसल, महिला का उसके देवर के साथ ही अफेयर चल रहा था। वो 3 बच्चों की मां थी। बावजूद इसके महिला के अपने ही देवर के साथ शारीरिक संबंध तक बन गए। जब इस बात की खबर पति को लगी तो वह गुस्से से तिलमिला उठा। उसने पत्नी से इस बात पर झगड़ा किया। पत्नी ने बोला कि वो आगे से ऐसा नहीं करेगी। उसने पति से माफी भी मांगी। मगर पति रोज उससे लड़ाई-झगड़ा करने लगा। वह उसके चरित्र पर उंगली भी उठाने लगा था। इस बात से पत्नी भी उससे झगड़ने लगती। फिर बुधवार रात को झगड़े के पश्चात पति ने कुल्हाड़ी से हमला करके उसे मार डाला। वह उस पर तब तक कुल्हाड़ी से वार करता रहा जब तक कि महिला की मौत नहीं हो गई। फिर वो वहां से फरार हो गया। महिला के घरवालों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई तो पुलिस ने अपराधी की तलाश आरम्भ की। शुक्रवार को पुलिस ने महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है।

जानवरों की हड्डी से लदे वाहन के चालक की पीट-पीटकर हत्या के मामले में 7 गिरफ्तार

छपरा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के सारण जिला के जलालपुर थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात कथित तौर पर जानवरों की हड्डी से लदे पिकअप वैन के चालक के पीट - पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने अब तक सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. जलालपुर के थाना प्रभारी पिंटू कुमार ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में मृतक के परिजनों के बयान पर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है. इसमें छह लोगों को नामजद और 25 से 30 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है. उन्होंने बताया कि अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

बरेली के आला हजरत परिवार की बहू रहीं निदा खान ने यूसीसी का किया समर्थन, बोलीं- इससे तीन तलाक का डर खत्म होगा

बरेली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। एक तरफ देश भर में मुस्लिम समुदाय के लोग समान नागरिक संहिता का विरोध कर रहे हैं. तमाम मौलवी और मौलाना विरोध में तकरीरें दे रहे हैं, वहीं उत्तर प्रदेश के बरेली में आला हजरत परिवार की बहू रहीं निदा खान ने इसका पुरजोर समर्थन किया है. पूर्व में तीन तलाक की लड़ाई लड़ चुकी निदा खान ने कहा कि यूसीसी से मुस्लिम महिलाओं का भविष्य सुरक्षित होगा. मुस्लिम महिलाओं पर हमेशा तीन तलाक की तलवार लटकी रहती थी, लेकिन यह कानून उनके लिए एक मजबूत ढाल साबित होगा. इसी के साथ उन्होंने देश की तमाम मुस्लिम महिलाओं से इस कानून के समर्थन करने की अपील की है. निदा खान ने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा है. इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री को तीन तलाक के बाद यूसीसी बिल लाने के लिए धन्यवाद दिया है. बता दें कि निदा खान उसी आला हजरत परिवार की बहू रह चुकी है, जिनकी बरेली में विश्व प्रसिद्ध दरगाह है. इससे पहले निदा ने तीन तलाक के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ी थी. उस समय तमाम मौलवी और मौलानाओं ने उनका विरोध भी किया था, बावजूद इसके वह पीछे नहीं हटीं. अब यूसीसी का समर्थन कर एक बार फिर से मौलवी और मौलानाओं के निशाने पर आ गई हैं. निदा खान ने देश की सैकड़ों मुस्लिम महिलाओं के साथ मिलकर समान नागरिकता का समर्थन किया है. उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में इन सभी महिलाओं से हस्ताक्षर कराने के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय भेजा है. इसमें प्रधानमंत्री को धन्यवाद करते हुए लिखा है कि तीन तलाक की तलवार हमेशा मुस्लिम महिलाओं की गर्दन पर लगी रहती थी, लेकिन इस कानून के बनने से मुस्लिम महिलाओं की गर्दन इस तरह की दकियानुसी प्रथा से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगी. निदा खान की आला हजरत बरेली हेल्पिंग सोसाइटी ने कहा कि अब तक मुस्लिम महिलाओं के अधिकार उनके पति कभी भी दूसरी पत्नी लाकर छीन लेते थे. इससे पहली पत्नी के बच्चों से भी उनका हक अपने आप छीन जाता था.

अजब यूपी पुलिस की गजब कहानी! उस व्यक्ति के खिलाफ दर्ज किया केस, जिसकी 4 साल पहले हो चुकी थी मौत

लखीमपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। खीरीउत्तर प्रदेश पुलिस की लापरवाही के आपने कई किस्से सुने होंगे। अब लखीमपुर खीरी में एक ऐसा मामला सामने जिसके बारे में सुनकर हर कोई दंग है। पुलिस ने एक ऐसे बुजुर्ग पर तमंचा लहराते हुए जमीन कब्जा करने का केस दर्ज किया है, जिसकी चार साल पहले मौत हो चुकी है। लखीमपुर खीरी के खीरी थाना इलाके के श्यामलाल पुरवा में दो पक्षों के बीच एक धार्मिक स्थल पर दीवार बनाने को लेकर विवाद हो गया। एक पक्ष के अनीश गौरी ने दूसरे पक्ष के शकील और नफीस के खिलाफ पुलिस में एक तहरीर दी, जिसमें कहा गया कि शकील और नफीस ने तमंचा लहराते हुए अनीश गौरी और उसके दोस्तों की जमकर पिटाई कर दी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। बताया जा रहा है कि खीरी थाने के एसएचओ ने इस मामले में दी गई तहरीर पर बिना जांच किए नफीस और शकील के खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने जिस नफीस के खिलाफ केस दर्ज किया है, वह रामापुर का रहने वाला था, उसकी 4 साल पहले मौत हो गई थी। जब इस संबंध में नफीस की पत्नी कमरू निशा को पता चला तो वह मामले की शिकायत करने पुलिस कार्यालय पहुंच गई। इस दौरान उसने कार्यालय में मृतक नफीस का मृत्यु प्रमाण पत्र पेश किया। एएसपी नैपाल सिंह ने कहा कि खीरी थाना इलाके में रहने वाले अनीस अहमद ने एक प्रार्थना दिया था कि उनके साथ मोहल्ले के कुछ लोगों ने मारपीट की है। उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर किया था।

हाईकोर्ट: अतीक से मुक्त भूमि पर बने आवास के आवंटन के खिलाफ याचिका खारिज, कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

प्रयागराज, 1 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की अवकाशकालीन पीठ ने अतीक से मुक्त नजूल भूमि पर बने फ्लैटों के आवंटन के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका की शीघ्र सुनवाई से इन्कार कर दिया। अब इस याचिका की सुनवाई जुलाई के पहले सप्ताह में होगी। याची क्राइम प्रीवेंशन कांउसिल ऑफ इंडिया के अधिवक्ता ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले जनहित याचिका पर सुनवाई की गुहार थी। याची के शीघ्र सुनवाई की प्रार्थना पर उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की खंडपीठ सुनवाई कर रही थी। याची के अधिवक्ता

गौरव गुलाटी और ऋषभ राज ने पीठ को बताया कि माफिया अतीक अहमद से मुक्त जमीन पर गरीबों के लिए बने फ्लैटों के आवंटन में घोर अनियमितताएं बरती गई है और मुख्यमंत्री आवंटियों को चाभी सौंपने के लिए आज शहर में है। शीघ्र सुनवाई की प्रार्थना पर राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि जनहित याचिका याची के प्रचार का हथकंडा मात्र है, इसलिए इसे भारी जुर्माने के साथ खारिज किया जाना चाहिए। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद जनहित याचिका पर अवकाश कालीन पीठ में सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। अब इस जनहित याचिका रेगुलर कोर्ट में जुलाई के पहले सप्ताह में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हो सकती है।

गांजा तस्करी के इस ट्रिक के सामने पुष्पा फिल्म का तरीका भी फेल, देखकर पुलिस भी चकराई

आगरा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। आपने पुष्पा फिल्म जरूर देखी होगी. फिल्म फिल्म के बाद से अब रियल लाइफ में भी अपराधी तस्करी के लिए ऐसे ऐसे हथकंडे अपना रहे हैं। आगरा में भी गांजा तस्करी का एक ऐसा ही मामला सामने आया है। आगरा पुलिस ने एक ऐसे एंबुलेंस को पकड़ा है, जिसमे गांजे की तस्करी की जाती थी. एम्बुलेंस से गांजे की तस्करी होती थी, जिससे की किसी को कोई शक न हो. आगरा पुलिस ने एक गांजा तस्कर को भी दबोचा है. ये तस्कर एंबुलेंस में गांजा लेकर जा रहा था. पुलिस ने इसके पास से लगभग 200 किलो गांजा सहित फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद की हैं।

तिरंगा लेकर राजभवन की ओर बढ़ रहे शिक्षक अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज, कहा- डोमिसाइल नीति लागू करे सरकार

पटना, 1 जुलाई (एजेंसियां)। नई शिक्षक नियमावली के विरोध में शिक्षक अभ्यर्थी शनिवार को पटना की सड़क पर उतर गए और जमकर प्रदर्शन करने लगे। राजभवन मार्च के लिए शिक्षक अभ्यर्थी पहले गांधी मैदान में जमा हुए। करीब 2000 से अधिक शिक्षक अभ्यर्थी हाथों में तिरंगा लेकर राजभवन की ओर बढ़ रहे थे कि जेपी गोलंबर के पास पुलिस ने उन्हें रोक लिया गया। अभ्यर्थी आगे न जा पाए इसके लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। अभ्यर्थी बिहार सरकार के विरोध में नारेबाजी करने लगे। उनका कहना है कि बिहार सरकार जल्द से जल्द डोमिसाइल नीति लागू करें। इससे रोड पर अफरातफरी मच गई। कई अभ्यर्थी चोटिल हो गए। शिक्षक अभ्यर्थी बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

शिक्षा विभाग ने कहा- आचार संहिता के तरह कार्रवाई की जाएगी

बता दें कि शिक्षा विभाग ने पहले ही शिक्षक अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को देखते हुए एक आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि नई शिक्षा नियमावली का विरोध करने वालों के खिलाफ आचार संहिता के तरह कार्रवाई की जाएगी। इसके पहले शिक्षक अभ्यर्थियों ने बिहार सरकार को डोमिसाइल नीति लागू करने के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटल दिया था। उनका कहना था कि अगर बिहार सरकार बीपीएससी द्वारा ली जाने वाली शिक्षक भर्ती परीक्षा में डोमिसाइल नीति खत्म कर दिया गया। इसलिए सरकार जल्द से जल्द इस नीति को लागू करे।

बिहार के बच्चों को गरीब और मजदूर बनाने की साजिश

रोहतास, दरभंगा, मधुबनी, नालंदा, सुपौल, सहरसा समेत कई जिलों से आए शिक्षक अभ्यर्थी ने कहा कि हमलोग बिहार सरकार के हर मंत्री और विधायक को घरेंगे। इनलोगों ने हमारी डोमिसाइल नीति खत्म कर दी।

यह बिहार का अपमान है। बिहार के बच्चों को गरीब और मजदूर बनाने के लिए यह तुगलकी फरमान जारी किया है। यह काला कानून गलत है। मुख्यमंत्री जी से हमलोग मिलकर बात करना चाहते हैं कि हमारी डोमिसाइल नीति लागू करें। और हमलोग पटना हाईकोर्ट से अपील करते हैं कि हमारी सुरक्षा करें। पुलिस द्वारा काफी समझाने-बुझाने के बाद शिक्षक अभ्यर्थी रुकने के लिए तैयार नहीं थे। वह लगातार आगे बढ़ रहे थे। बिहार सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आक्रोशित शिक्षक अभ्यर्थियों ने पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। सूत्रों की मानें तो पुलिस ने दो दर्जन से अधिक शिक्षक अभ्यर्थियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने सभी को कोतवाली थाने में रखकर पूछताछ कर रही है।

दरभंगा में एम्स निर्माण से सीएम नीतीश को क्या होगी परेशानी

अश्विनी चौबे ने खुलकर बताई सारी बातें

दरभंगा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के बहेरी आईटीआई में बीजेपी द्वारा आयोजित महाजनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के तहत जनसभा का आयोजन किया गया था, जिसमें केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे और बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राधामोहन सिंह शामिल हुए. सभा को संबोधित करते हुए दरभंगा एम्स के मामले पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने प्रधानमंत्री से स्वीकृति दिलाई थी. बिहार सरकार केंद्र सरकार के साथ एग्रीमेंट भी किया. कुछ जमीन भी दी थी, उसमें से आधी तो रजिस्ट्री कर भी दी थी, लेकिन बाद में मुकर गए इसका शिलान्याश तो नरेंद्र मोदी करेंगे. इस कारण नीतीश कुमार मुकर गए क्योंकि उन्हें थप्पड़ लगेगी. इस कारण उन्होंने ऐसा जमीन दे दिया, जिस पर निर्माण ही नहीं हो सके. उन्होंने कहा कि कल ही प्रधानमंत्री ने दरभंगा एम्स के निर्माण की समीक्षा की है और कहा कि दरभंगा में किसी भी कीमत पर बनकर ही रहेगा.

'400 पार अबकी बार मोदी सरकार'

अश्विनी चौबे ने सीएम नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि बिहार की जनता इस 'सलतु राम' से 2024 में सलट लेगी. इनकी जो बारात निकलने वाली है उसमें अभी तक दूल्हा ही नहीं है तो बारात किसकी होगी? इनके सपने मुंगेरी लाल के हसीन सपने की तरह रह जाएंगे. 2024 में फिर से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे. बीजेपी का इस चुनाव 400 पार अबकी बार मोदी सरकार का नारा रहेगा. शिक्षा मंत्री के विषय पर पूछने पर अश्विनी चौबे ने कहा कि किसने इसे शिक्षा मंत्री बना दिया? ये तो मूर्ख है. आगे उन्होंने कहा कि जब मैं स्वास्थ्य मंत्री था तो पूरे देश मे 1 लाख 50 हजार हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर खोला था, लेकिन उसमें आज डॉक्टर नहीं हैं.

लालू यादव और तेजस्वी यादव पर बोला हमला

केंद्रीय मंत्री ने नाम लिए बिना लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि ये पलटू राम और उलटू राम और उनके पुत्र सलटू राम हैं. प्रधानमंत्री किसको बनाना चाहते हैं. ये पलटू राम जो हमेशा पलटते रहते हैं. इनसे अगले चुनाव में बदला लेना है. आरजेडी वाले बोलते हैं कि हमलोगों पर सीबीआई और ईडी से छापेमारी करवाते हैं. सीबीआई और ईडी इनलोगों पर छापा नहीं मारेगा तो क्या इन लोगों की आरती उतारेगा?

बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के बड़े भाई भाजपा में हुए शामिल

पटना, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के शिक्षा मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर के बड़े भाई रामचंद्र प्रसाद यादव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। रामचंद्र प्रसाद यादव ने दावा किया कि लालू प्रसाद की पार्टी राजद ने दलितों और वंचितों के उत्थान के लिए ''कुछ नहीं'' किया। यादव शुक्रवार को यहां प्रदेश भाजपा इकाई मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। यादव ने भाजपा में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से कहा कि यदि भाजपा उन्हें मधेपुरा विधानसभा सीट से टिकट देती है, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में उनके छोटे भाई कर रहे हैं, तो वह निश्चित रूप से वहां से राजद के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने दावा किया, ''राजद ने दलितों और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कुछ नहीं किया, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके लिए बहुत कुछ किया है।'' चंद्रशेखर मधेपुरा से तीन बार से विधायक हैं।

चेन स्नैचर को पब्लिक ने पीटा

कानपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर में महिला से चेन लूटने के आरोपियों को पब्लिक ने 20 मिनट तक पीटा। पुलिस ने बहुत मुश्किल से चेन स्नैचर्स को पब्लिक से बचाया। थाने लाने के बाद पूछताछ में पता चला कि चकेरी और बाबूपुरवा में उन्होंने चेन स्नैचिंग की थी। इसके बाद सीमामऊ के बाजार में पहुंचे थे। जहां पब्लिक ने पकड़कर उन्हें पुलिस के हवाले किया। शनिवार को उन्हें जेल भेजा गया है। एसीपी चकेरी शिखर ने बताया कि किदवई नगर में रहने वाली अल्का मिश्रा सीसामऊ बाजार में शॉपिंग करने आईं थीं। बाइक सवार दो लुटेरों ने झपट्टा मारकर उनकी सोने की चेन गले से तोड़ ली। शोर मचाते ही पब्लिक ने लुटेरों को दौड़ा लिया।

अखिलेश यादव बोले- 'बीजेपी राज में महंगे आ रहे बिजली बिल, उद्योग धंधे हो रहे ठप्प'

लखनऊ, 1 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा, "बरसात आते ही बीजेपी के कथित विकास का सच सामने दिख गया है. प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को जापान के क्योटो शहर बनाने का लुभावना सपना दिखाया था. वह सपना तो सपना ही रह गया अलबत्ता काशी क्योटो के बजाय इटली के वेनिस शहर में तब्दील हो गया है. जहां पानी ही पानी है." सपा प्रमुख ने खहा, "भाजपाराज में एक भी स्मार्ट सिटी तो बनी नहीं, बीजेपी सरकार सिर्फ जुमले उछालकर स्मार्ट सिटी के नाम पर धोखा देती रही हैं. सड़कों पर सीवर का गंदा पानी बह रहा है. जगह-जगह काशी में जलभराव हो रहा है. सफाई व्यवस्था के नाम पर कीचड़ दिखाई दे रहा है. गड्ढायुक्त सड़के दुर्घटना का कारण बन रही है. आवारा पशु छुट्टा घूम रहे हैं. सांड़ो के हमले से कई जानें जा चुकी है." अखिलेश यादव ने कहा, "'मां गंगा ने बुलाया है' का मंत्र जापकर्ताओं ने 'नमामि गंगे योजना' में गंगा को नाला बनाकर रख दिया है. पुष्पवर्षा की नौटंकी रचने वाली बीजेपी सरकार ने गंगा को निर्मल बनाने के नाम पर सिर्फ घोटाला ही किया है. गंदे पानी में श्रद्धालु स्नान, आचमन और जलाभिषेक करने को मजबूर हैं. सावन में बाबा विश्वनाथ महादेव का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़िये बड़ी संख्या में गंगा जल लेने आते है."

बिजली की आवाजाही से लोग त्रस्त

उन्होंने कहा, "काशी शहर के ददरी घाट और चीतनाथ घाट पर कांवडियों की सबसे ज्यादा भीड़ होती है लेकिन ददरी घाट पर नाले के पानी का तालाब बन गया है. गंगा जी की मुख्यधारा तक श्रद्धालुओं को नाव से पार जाना होता है. बड़बोले बयानों के बाद भी काशी में बिजली की आवाजाही से लोग त्रस्त हैं. ट्रांसफार्मर रखरखाव के अभाव में फुंक रहे हैं. बीजेपी राज में महंगे बिल तो आ रहे हैं पर बिजली नहीं मिल रही है." सपा चीफ ने कहा, "उद्योग धंधे ठप्प हो रहे हैं. बीजेपी सरकार के समय एक भी बिजली घर नहीं लगा. जो व्यवस्था और बिजली उत्पादन समाजवादी सरकार में हुआ था वह भी रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो गया है." अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश को विकास के कई प्रतिमान दिए थे. जबकि बीजेपी को विकास नहीं, विकास के विनाश में रुचि है.

डीजीपी के निर्देश: महिला पुलिसकर्मी करें महिलाओं की शिकायतों की जांच

लखनऊ, 1 जुलाई (एजेंसियां)। महिला बीट पुलिस अधिकारियों की सक्रियता को और बढ़ाया जाएगा। डीजीपी विजय कुमार ने महिलाओं की शिकायतों की जांच प्राथमिकता पर महिला उपनिरीक्षकों व आरक्षियों से कराए जाने का निर्देश दिया है। उन्हें जांच टीम में शामिल किया जाए। कहा कि महिला बीट आरक्षी सप्ताह में दो बार अपनी बीट में अवश्य जाएं। महिला पुलिसकर्मी पूरी संवेदनशीलता के साथ महिलाओं की समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित कराएं। डीजीपी ने पिंक बूथ को पुलिस चौकी के रूप में विकसित किए जाने का निर्देश भी दिया। डीजीपी ने महिला सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान के संपन्न होने के उपरांत शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कई निर्देश दिए। कहा कि बीट आरक्षी अपनी-अपनी बीट में महिला संबंधी अपराधों के दृष्टिगत हाट स्पाट चिन्हित करें। महिला सशक्तिकरण के लिए महिला बीट पुलिस अधिकारियों व महिला हेल्प डेस्क द्वारा 12 से 26 जून तक चलाए गए अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली 32 पुलिसकर्मियों को सम्मानित भी किया गया। अभियान के दौरान बुलंदशहर में वृद्ध महिला ने जन-चौपाल में आर्थिक तंगी के चलते बिजली कनेक्शन न होने की पीड़ा बताई थी, जिस पर सहायक पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर वृद्धा के घर में बिजली का कनेक्शन लगवाया।

जमीन बंटवारे के विवाद में सपा की पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा और उनकी बेटियों पर जानलेवा हमला, एक बेटी की हालत नाजुक

लखनऊ, 1 जुलाई (एजेंसियां)। सपा की पूर्व एमएलसी एंव समाजवादी पार्टी की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष लीलावती कुशवाहा और उनकी दो बेटियों पर एक जमीनी विवाद के चलते जानलेवा हमला हुआ है. हमले में घायल पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा और उनकी एक बेटी को अयोध्या जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि उनकी दूसरी बेटी अलका को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है. अलका कुशवाहा की हालत नाजुक बताई जा रही है. छोटी बेटी आस्था कुशवाहा का अयोध्या जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है. जानकारी के अनुसार, अयोध्या थाना कैंट क्षेत्र के बाबा पुरवा कौशलपुरी कॉलोनी में जमीन के विवाद में एक पक्ष ने तीनों पर हमला किया था. पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है. पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा पर हुए हमले की समाजवादी पार्टी ने कड़ी निंदा की है. सपा ने प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठाए और उचित सुरक्षा की मांग की. समाजवादी के ट्विटर अकाउंट से किए गए ट्वीट में कहा गया कि "यूपी में पुलिस और प्रशासन न्याय दिलाने में नाकाम है. योगी सरकार की पुलिस और प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई न करने का नतीजे की वजह से समाजवादी महिला सभा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लीलावती कुशवुहा व उनकी बेटियों पर जानलेवा हमला हुआ. सरकार पूर्व एमएलसी लीलावती को सुरक्षा प्रदान करे और न्याय करे.

शादी से नाखुश पति के पत्नी को गोली मार की खुदकुशी

मुजफ्फरनगर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। गादला गांव में शादी से नाखुश पति-पत्नी ने बिचौलिये के घर पहुंचकर फायरिंग की। इसके बाद पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। फायरिंग की इस घटना में पड़ोसी घायल हो गया। दंपति का पांच महीने पहले ही विवाद हुआ था। मुजफ्फरनगर के गांव मखियाली निवासी नसीम की शादी गाजियाबाद के लोनी निवासी तमन्ना के साथ लगभग पांच महीने पहले हुई थी। यह शादी भोपा थाना क्षेत्र के गादला गांव निवासी नसीम के मौसेरे भाई सद्दाम ने कराई थी।

बालिगों ने मर्जी से शादी कर ली तो उनके खिलाफ नहीं बनता आपराधिक केस, हाईकोर्ट ने रद्द किया अपहरण का केस

प्रयागराज, 1 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बालिगों ने अपनी मर्जी से शादी कर ली है और दोनों अपना वैवाहिक जीवन बिता रहे हैं तो उनके खिलाफ कोई अपराध नहीं बनता है। कोर्ट ने मामले में पति (याची नंबर दो) के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को आपराधिक प्रक्रिया का दुरुपयोग माना और उसे रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति एमसी त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की खंडपीठ ने रेखा सिंह व चार अन्य की ओर से दाखिल याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। मामले में शिकायतकर्ता ने याची रेखा सिंह (याची संख्या एक) के पति सहित दो अन्य पारिवारिक सदस्यों के खिलाफ पुत्री का अपहरण और उसे भगा लेने का आरोप लगाते हुए शाहजहांपुर के मदनपुर थाने में 24 मई 23 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। याचियों (पति और पत्नी व दो अन्य) की ओर से इसे चुनौती दी गई। प्रक्रिया के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने वाले की पुत्री का बयान दर्ज कराया गया। कोर्ट में उसका बयान सील कवर में दाखिल किया गया।

कोर्ट ने पाया कि शिकायतकर्ता की पुत्र बालिग है और उसने अपनी मर्जी से याची पति से शादी की है। दोनों वैवाहित जीवन बिता रहे हैं। याचियों के अधिवक्ता ने कहा कि पुत्री का अपहरण कर शादी करने का अपराध बन नहीं रहा है। क्योंकि याचीगण बालिग हैं। प्राथमिकी दर्ज करना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट ने कविता चंद्रकांत लखानी बनाम महाराष्ट्र राज्य सहित कई अन्य मामलों में प्राथमिकी को रद्द करने का आदेश दिया है। मौजूदा मामला भी इसी तरह का है। इस वजह से इसे भी रद्द किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि मामला दो व्यक्तियों के जीवन और साथी चुनने की स्वतंत्रता का है। प्रत्येक बालिग को उसे अपनी इच्छानुसार किसी के साथ रहने का अधिकार है।

अधूरा ख्वाब: 11 राज्य, 18 डिप्टी सीएम देख रहे हैं मुख्यमंत्री बनने का सपना, कब होगा पूरा?

रायपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस ने टीएस सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया है। जबकि वो पिछले साढ़े चार साल से मुख्यमंत्री बनने का इंतजार कर रहे थे। कांग्रेस हाईकमान ने सत्ता की कमान 2018 में भूपेश बघेल को सौंप दी थी, लेकिन सिंहदेव के सीएम बनने की ख्वाहिश खत्म नहीं हुई। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच चली आ रही सियासी खींचतान को खत्म कराने के लिए सिंहदेव को डिप्टी सीएम की कुर्सी सौंपी गई है, लेकिन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनने का उनका सपना कब साकार होगा, इसका इंतजार है।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को मजबूत करने में भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव भूमिका अहम मानी जाती है। 2018 में चुनावी नतीजे के बाद कांग्रेस हाईकमान को दखल देना पड़ा था और ढाई-ढाई साल के कथित फॉर्मूले वाले समझौते के बाद भूपेश बघेल को मुख्यमंत्री और टीएस सिंहदेव को मंत्री पद से संतोष करना पड़ा था। साढ़े चार साल के बाद अब सिंहदेव को डिप्टी सीएम बनाया जा रहा है, लेकिन इस पद का संविधान में कोई जिक्र नहीं है। इसके बाद भी राजनीतिक पार्टियां सियासी समीकरण को साधने के लिए डिप्टी सीएम का दांव चलती रही हैं।

देश में कहां-कहां पर हैं डिप्टी सीएम?

बता दें कि मौजूदा समय में देश के 11 राज्यों में 18 उपमुख्यमंत्री हैं। उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र, बिहार, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय में डिप्टी सीएम हैं और अब छत्तीसगढ़ में उपमुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया है। इसके अलावा दिल्ली, राजस्थान और गुजरात में डिप्टी सीएम रह चुके हैं, जिन्हें किसी न किसी कारण से हटा दिया गया है देश के जिन राज्यों में उपमुख्यमंत्री काम कर रहे हैं, उनमें से छह राज्यों में बीजेपी या फिर उसके सहयोगी दल की सरकार है जबकि तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है। बिहार में महागठबंधन और आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस की सरकार है। इस फेहरिस्त में कई ऐसा नेता हैं, जो खुद को मुख्यमंत्री पद के दावेदार मान रहे थे, लेकिन पार्टी हाईकमान या फिर सहयोगी दलों के मजबूरी के चलते उन्हें डिप्टी सीएम के पद से संतोष करना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या डिप्टी सीएम से ये सीएम तक की कुर्सी पर पहुंच पाएंगे?

यूपी में दो डिप्टी सीएम, क्या सपना होगा साकार?

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में दो उपमुख्यमंत्री हैं, जिनमें एक केशव प्रसाद मौर्य और दूसरे बृजेश पाठक हैं। पिछली सरकार में भी दो डिप्टी सीएम थे। बीजेपी 2017 में 15 साल के बाद यूपी की सत्ता में लौटी तो तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदारों में से एक थे, लेकिन योगी आदित्यनाथ को सत्ता की कमान सौंप दी गई थी। केशव प्रसाद मौर्य को डिप्टी सीएम बनाया गया था, लेकिन सीएम बनने की ख्वाहिश जगजाहिर है। यही वजह रही कि सूबे में योगी और केशव के बीच खींचतान के कयास लगाए जाते रहे हैं जबकि बृजेश पाठक 2022 में ही डिप्टी सीएम बने हैं।

महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस की नजर

महाराष्ट्र में बीजेपी के सहयोग से एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं और देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री हैं। फडणवीस भले डिप्टी सीएम हैं, लेकिन सीएम की तरह ही तेवर रखते हैं, क्योंकि 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री रहे हैं। उद्धव ठाकरे का तख्तापलट करने वाले एकनाथ शिंदे पिछले साल शिवसेना के विधायकों को साथ लेकर आने का इनाम मिला था। बीजेपी ने अपने किसी नेता की जगह पर शिंदे को सीएम बना दिया और फडणवीस को डिप्टी सीएम से संतोष करना पड़ा। ऐसे में फडणवीस की नजर अभी भी मुख्यमंत्री पद पर हैं, लेकिन कब विराजमान होंगे यह कहना मुश्किल है।

बिहार में तेजस्वी के सपने का क्या होगा?

बिहार में नीतीश कुमार की महागठबंधन में वापसी के बाद आरजेडी नेता तेजस्वी यादव भले ही उपमुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनकी पार्टी के नेता उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। इसी मद्देनजर आरजेडी के छोटे-बड़े नेता सार्वजनिक रूप से बात भी करते हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 2024 में प्रधानमंत्री पद के दावेदार भी बताया जा रहा है। इससे साफ है कि आरजेडी की कोशिश नीतीश को केंद्रीय सियासत में भेजकर मुख्यमंत्री पद पर तेजस्वी को विराजमान कराने की है। ऐसे में देखना है कि तेजस्वी यादव का सपना कब साकार होगा?

कर्नाटक में शिवकुमार क्या बनेंगे सीएम?

कर्नाटक में कांग्रेस के जीत और सत्ता की वापसी में डीके शिवकुमार का अहम रोल था। चुनाव नतीजे के बाद शिवकुमार सीएम पद की रेस में सबसे प्रबल दावेदारों में थे, लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने सिद्धारमैया को सत्ता की कमान सौंप दी, जिसके चलते डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम पद से संतोष करना पड़ा था। हालांकि, सिद्धारमैया-शिवकुमार के बीच संतुलन बनाने के लिए कांग्रेस नेतृत्व को काफी मशक्कत करनी पड़ी है। ऐसे में साफ जाहिर है कि शिवकुमार फिलहाल के लिए भले ही मान गए, पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनने की इच्छा अभी भी है। देखना है कि शिवकुमार कब सीएम बनते हैं?

हिमाचल में भी डिप्टी सीएम

हिमाचल में कांग्रेस 2022 के आखिर में सत्ता में वापसी करने में कामयाब रही, जिसमें सीएम पद के दावेदार में सुखविंदर सिंह सुक्खू और मुकेश अग्निहोत्री शामिल थे। कांग्रेस हाईकमान ने सुक्खू को सीएम और अग्निहोत्री को डिप्टी सीएम की कुर्सी सौंप दी थी। हिमाचल के सियासी समीकरण के चलते मुकेश अग्निहोत्री भले ही फिलहाल डिप्टी सीएम की कुर्सी से मान गए हों, लेकिन सीएम बनने की ख्वाहिश कब पूरी होगी यह सवाल बरकरार है?

हरियाणा में दुष्यंत चौटाला का दम

हरियाणा के 2019 विधानसभा चुनाव में ऐसी स्थिति बनी कि किसी भी दल को बहुमत नहीं मिल सका। बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी, लेकिन अपने दम पर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं थी। देवीलाल की सियासी विरासत का दावा करने वाले दुष्यंत चौटाला की जेजेपी के साथ बीजेपी ने मिलकर सरकार बनाई। मुख्यमंत्री पद की कुर्सी पर मनोहर लाल खट्टर विराजमान हुए तो दुष्यंत चौटाला को डिप्टी सीएम पद मिला। दुष्यंत चौटाला का सपना अपने दादा और ताऊ की तरह हरियाणा के सीएम बनने का है, जिसके बारे में कई बार उनकी पार्टी के नेता सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं।

पूर्वोत्तर के तीन राज्य में डिप्टी सीएम

पूर्वोत्तर के राज्यों में बीजेपी के अगुवाई वाली एनडीए का एकछत्र राज कायम है। नॉर्थ ईस्ट के तीन राज्यों में डिप्टी सीएम काम कर रहे हैं, जिनमें नगालैंड में एनडीपीपी के नेता नेफ्यू रियो मुख्यमंत्री हैं, लेकिन बीजेपी नेता यानथुंगो पैटन को डिप्टी सीएम के पद से संतोष करना पड़ा। अरुणाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री पेमा खांडू है तो डिप्टी सीएम चौना मेन हैं। चौना एक मजबूत नेता के तौर पर उभरे हैं और उनकी नजर मुख्यमंत्री पद पर भी लगी है। मेघालय में एनपीपी प्रमुख कोनराड संगमा सीएम हैं और बीजेपी नेता नेता प्रेस्टोन टिनसोंग और स्नियावभालंग डिप्टी सीएम हैं। बीजेपी ने भले ही गठबंधन की मजबूरी में डिप्टी सीएम का पद अभी स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसकी नजर अपना मुख्यमंत्री बनाने पर है।

आंध्र प्रदेश में पांच डिप्टी सीएम

आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी की अगुवाई में वाईएसआर कांग्रेस सत्ता पर काबिज है और यहां पांच डिप्टी सीएम हैं। राजन्ना डोरा पीडिका, के नारायण स्वामी, बुदि मुत्याला नायडू, अमजद बाशा शेख बेपारी, कोट्टू सत्यनारायण डिप्टी सीएम है। जगन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के सियासी समीकरण को साधने के लिए अलग-अलग समुदाय से पांच डिप्टी सीएम बना रखे हैं, लेकिन सूबे की मौजूदा सियासत को देखते हुए जगन रेड्डी के सामने कोई भी नेता चुनौती देने की स्थिति में नहीं है।

छत्तीसगढ़ में सिंहदेव की अधूरी ख्वाहिश

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को दोबारा से खड़ा करने में भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव की भूमिका बराबर है। इसीलिए सिंहदेव की चाहत राज्य के मुख्यमंत्री बनने की रही, लेकिन साढ़े चार साल के बाद उनकी अधूरी ख्वाहिश ही पूरी हो सकी है। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने सिंहदेव को डिप्टीसीएम बना दिया है और मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भूपेश बघेल काबिज हैं। ऐसे में सिंहदेव मुख्यमंत्री पर काबिज होंगे, क्योंकि पिछली बार ढाई-ढाई साल का कथित फॉर्मूला सामने आया था, लेकिन इस पर वो सफल नहीं हो सके।

प्रधानमंत्री के भाई प्रहलाद मोदी पहुंचे बागेश्वर धाम भाजपा की जीत के लिए मन्नत मांगी

छतरपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई प्रहलाद दामोदर मोदी मध्य प्रदेश के छतरपुर पहुंचे थे। यहां वे गढ़ा स्थित प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र बागेश्वरधाम में दर्शन करने पहुंचे थे। वे करीब आधे घंटे मंदिर परिसर में रुके। उन्होंने बालाजी सरकार सहित परिसर में सभी मंदिरों के दर्शन कर परिक्रमा व पूजापाठ भी किया है। प्रहलाद मोदी पहले भी छतरपुर आ चुके हैं। बुंदेलखंड के सागर, छतरपुर में यह उनका तीसरा दौरा था। वे छतरपुर पहुंचे थे। यहां सर्किट हाउस में कुछ समय के लिए रुके, इसके बाद वे बागेश्वरधाम तीर्थक्षेत्र पहुंचे थे। स्थानीय मीडिया से बात करते हुए प्रहलाद मोदी ने बताया कि तीर्थ स्थल बागेश्वरधाम में दर्शन कर उन्होंने भगवान से प्रार्थना की है कि आगामी 2024 में भाजपा एक बार फिर जीते। देश में भाजपा की सरकार बने। देश का मान सम्मान बना रहे। उन्होंने बताया कि देश में सुख-समृद्धि की कामना को लेकर उन्होंने बालाजी सरकार से प्रार्थना की है।

बेंगलुरु में कर्ज में डूबे दंपति को चोरी के आरोप में किया गिरफ्तार

बेंगलुरु, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु में एक दंपति ने कर्ज चुकाने के लिए चोरी को अंजाम दिया, जिन्हें कर्नाटक पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शिवमोग्गा के सुमंत और लिखिता दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में थे और उन्होंने शहर के एजीएस लेआउट इलाके में एक अपॉर्टमेंट किराए पर लिया था। पुलिस के अनुसार, दंपति ने अपने रिश्ते की शुरुआत दो साल पहले की थी, जब वे फिजियोथेरेपी की पढ़ाई कर रहे है। वे शानदार लाइफ जीने के लिए कर्ज लेते थे अपना कोर्स पूरा होने के बाद, वे शिवमोग्गा लौट आए और जिन लोगों ने उन्हें कर्ज दिया था, वे उन पर पैसे वापस करने के लिए दबाव डालने लगे।

इसके बाद दंपति ने आसानी से पैसा कमाने और कर्ज चुकाने की योजना बनाई। उन्होंने देखा कि बेंगलुरु में उनके मकान मालिक प्रेमलता के पास अच्छी मात्रा में सोने के आभूषण थे, जिन्हें उन्होंने चोरी करने की योजना बनाई थी।

हेमा-रजनी के काले कारनामे: ऐशो-आराम की जिंदगी के लिए लोगों को बनाती शिकार, दोनों शादीशुदा और पति से हैं परेशान

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पति के नशे के आदी होने और घर की माली हालत खराब होने की वजह से झपटमारी करने वाली दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। केशोपुर इलाके में झपटमारी के एक मामले की जांच करते हुए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 5200 रुपये बरामद किए हैं। केशोपुर मंडी में सब्जी का कारोबार करने वाले अनिल तिवारी ने 27 जून को विकासपुरी थाने में झपटमारी की शिकायत की। उसने बताया कि वह केशोपुर नाले के पास से जा रहा था। इसी दौरान दो महिलाएं उसके पास आई।

उन्होंने उससे 100 रुपये की मदद करने के लिए कहा। वह पर्स निकालकर पैसे देने लगा। इसी दौरान महिलाएं पर्स झपटकर झाड़ी में भाग गईं। पर्स में 6,900 रुपये थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे की जांच की। पता चला कि दोनों महिलाएं केशोपुर के गंदा नाला के पास आकर वारदात को अंजाम देती हैं। पुलिस ने 29 जून को घेराबंदी कर दोनों को वहां से गिरफ्तार कर लिया। दोनों की पहचान नजफगढ़ निवासी हेमा और रजनी के रूप में हुई। जांच के बाद पुलिस ने बताया कि दोनों विलासितापूर्ण जिंदगी जीने के लिए अपराध करती हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों महिलाएं शादीशुदा हैं और उनके दो-तीन बच्चे हैं। हेमा का पति ड्रग का सेवन करता है और बेरोजगार है।

अपराधी नहीं है सहमति से संबंध बनाने वाले किशोर

एमपी हाईकोर्ट का सुझाव- बालिग होने की उम्र घटाए सरकार

भोपाल, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने रेप के एक मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से किशोरों की उम्र 18 से 16 करने का सुझाव दिया। हाईकोर्ट ने तीन सालों से जेल में बंद एक 20 साल के लड़के को नाबालिग से रेप के आरोप में राहत देते हुए यह बात कही। हाईकोर्ट ने कहा, सहमति से संबंध बनाने वाले किशोरों को जेल में डाल देना अन्याय है। जस्टिस दीपक कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच ने कहा, 2012 में सहमति से संबंध बनाने की उम्र 16 से 18 कर देने की वजह से समाज के प्राकृतिक ताने-बाने को बिगाड़ दिया है। उन्होंने अपने ऑब्जर्वेशन में कहा, इन दिनों सोशल मीडिया की वजह से हर किशोर लड़का-लड़की कम समय में ही जवान हो जा रहे हैं। ऐसे में किशोर बच्चे एक-दूसरे की ओर आकर्षित हो जाते हैं और वह सहमति से संबंध बना लेते हैं। जस्टिस दीपक कुमार की पीठ ने मामले को सुनते हुए कहा ऐसे मामलों में गिरफ्तार किए गए लड़के जिन्होंने सहमति से संबंध बनाए हैं, उनको गिरफ्तार किया जाना उनके साथ अन्याय है। यह सिर्फ उनकी उम्र की वजह से हो रहा है कि किशोर अपोजिट जेंडर के संपर्क में आने के बाद उनके साथ सहमति से शारीरिक संबंध बना ले रहे हैं। इसके बाद पीठ ने बीते तीन साल से एक नाबालिग लड़की से रेप के आरोप में जेल में बंद किशोर के खिलाफ दायर किए गए मामले को रद्द कर दिया। इसके बाद उस किशोर को रिहा कर दिया जाएगा। आरोपी को साल 2020 में जुलाई के महीने में पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया था, और तबसे उसको जमानत भी नहीं मिली थी। जस्टिस दीपक कुमार अग्रवाल ने अपने फैसले में लिखा कि अभियोजन पक्ष के मुताबिक पीड़िता घटना के समय नाबालिग थी, लेकिन यह अदालत पूरे मामले को सुनने के बाद उस एज ब्रेकेट में आने वाले किशोरों के शारीरिक और मानसिक विकास को देखते हुए इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि वह अपने भले-बुरे का फैसला लेने में खुद सक्षम हैं, लिहाजा इसके लिए किसी और को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है।

पुलिस फोर्स के बीच से रेप के आरोपी को किया किडनैप कोर्ट के बाहर हुआ पूरा सीन

मुरैना, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना से एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। यहां एक दुष्कर्म के आरोपी का देर शाम कोर्ट के बाहर से ही अपरहण कर लिया गया है। चौंकाने वाली बात तो ये है कि रेप के आरोपी की ये किडनैपिंग भारी पुलिस फौर्स के बीच हुई है। किडनैपर आरोपी को पुलिस वालों के हाथ से खींचकर ले गए और हथियारों से लैस पुलिसकर्मी कुछ नहीं कर पाए। दरअसल, मुरैना जनपद के सबलगढ़ न्यायालय के बाहर से कल शाम एक दर्जन से ज्यादा लोग दुष्कर्म के आरोपी को उठाकर ले गए। जब ये किडनैपिंग हुई उस वक्त आरोपी पुलिस बल से घिरा हुआ था।

आतंकी कनेक्शन का खुलासा! 2000 सिम कार्ड-सर्वर मशीन सहित एसटीएफ ने 2 को किया अरेस्ट

कोलकाता, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने अत्याधुनिक सर्वर मशीनें, दूरसंचार उपकरण और लगभग 2000 सिम कार्ड के साथ दो को अरेस्ट किया है। आरोपी एक टेलीफोन एक्सचेंज चला रहे थे और उसके पीछे आतंकी गतिविधियां चल रही थी। उत्तर 24 परगना जिले के दत्तपुकुर इलाके में एसटीएफ आतंकी गतिविधि चलाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया। एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, बदमाश विभिन्न अत्याधुनिक मशीनों की मदद से अंतरराष्ट्रीय कॉल को स्थानीय कॉल में बदल देते थे। यह गिरोह दत्तपुकुर पुलिस स्टेशन के बारा इलाके में जाल फैला रखा था। एसटीएफ ने छापेमारी कर दो लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से दो सौ सिम बॉक्स और लगभग दो हजार सिम कार्ड भी बरामद किये गये। उन्होंने अवैध रूप से छोटे टेलीफोन एक्सचेंज बनाए थे। बदमाशों का यह गैंग लंबे समय से यह धंधा चला रहा था। एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, इन सिम के जरिए अंतरराष्ट्रीय कॉल को स्थानीय कॉल में ट्रांसफर कर कम कीमत पर बात की जा सकती थी। आम लोगों के सिम का उपयोग गरीब लोग करते थे जो काम के लिए विदेश जाते थे। एसटीएफ को पता चला कि उग्रवादी संगठन उन गरीब लोगों के सिम का इस्तेमाल अपनी बातचीत के लिए करते थे। खबर मिलने के बाद एसटीएफ के अधिकारियों ने दत्तपुकुर में मिनी टेलीफोन बूथ पर छापा मारा। हालांकि जांच अधिकारियों का मानना है कि इसके पीछे काफी बड़ा गिरोह है और गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर मुख्य गिरोह को पकड़ने के लिए एसटीएफ ने जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती इलाकों में परिवार के कई सदस्य काम करने के लिए विदेश जाते हैं। उन्हें घर पर अपनेपरिवारों के साथ संपर्क में करना होता है, लेकिन अगर आप विदेश एक छोटी सी कॉल भी करेंगे तो बिल काफी आएगा। यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय कॉल को लोकल कॉल में कनवर्ट कर देता था। लोकल के सिम का आंतकी गतिविधियों के लिए होता था इस्तेमाल इंटरनेशनल कॉल को क्षेत्रीय कॉलों के रूप में स्थानांतरित करके लागत कम करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीक के ये आरोपी इस्तेमाल करते थे। लागत कम होने के कारण कई लोग इस जाल में फंस जाते थे। उस स्थिति में, सर्कल के सदस्य इस पूरी गतिविधि को अंजाम देने के लिए ग्राहकों के सिम का उपयोग करते थे। एसटीएफ का कहना है कि उन सिम का इस्तेमाल कर उग्रवादी गतिविधि चल रही थी।

संतों ने धर्मांतरण-गोहत्या विरोधी कानूनों को रद्द करने का किया विरोध, राज्यपाल को सौंपेंगे ज्ञापन

बेंगलुरु, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में सरकार बदलने के साथ ही पिछली भाजपा सरकार द्वारा बनाए गए कानूनों को पलटने की कवायद शुरू हो गई है। कर्नाटक कैबिनेट ने धर्मांतरण विरोधी कानून को रद्द करने पर मुहर लगा दी है और जल्द ही इस प्रस्ताव को विधानसभा में लाकर पास कराया जाएगा। इस फैसले का अब संतों ने भी विरोध करना शुरू कर दिया है। दक्षिण कन्नड़ जिले के विभिन्न मठों के प्रमुखों ने कर्नाटक सरकार के धर्मांतरण विरोधी कानून और गोहत्या रोकथाम अधिनियम को रद्द करने के फैसले का कड़ा विरोध किया है। ओडियुरु मठ के गुरुदेवानंद स्वामी ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि संतों की बैठक ने कर्नाटक धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार संरक्षण अधिनियम को वापस लेने और कर्नाटक वध रोकथाम और मवेशी संरक्षण अधिनियम में संशोधन करने के कदम पर कुछ मंत्रियों के हालिया बयानों की निंदा की है। संतों ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से आग्रह किया कि वे अधिनियमों में बदलाव के किसी भी कदम पर आगे न बढ़ें क्योंकि इससे दक्षिण कन्नड़ और कर्नाटक के अन्य जिलों में सामाजिक अशांति फैल जाएगी। गुरुदेवानंद स्वामी ने इस कदम को हिंदू विरोधी बताते हुए कहा कि सरकार को हिंदुओं की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए।

बंगाल में डेंगू का कहर 1842 पड़े बीमार; उत्तर 24 परगना टॉप पर

कोलकाता, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पिछले साल जून के अंतिम सप्ताह तक राज्य में डेंगू के कुल मामलों की संख्या 1982 थी। चालू वर्ष में इसी अवधि में संक्रमितों की संख्या 1842 है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मानसून में तेजी से पहले ही राज्य में डेंगू के मामलों की संख्या बढ़ रही है। हालांकि, इस बार उत्तर 24 परगना जिला शुरुआत से ही कोलकाता को पीछे छोड़ते हुए लिस्ट में नंबर वन पर है। डेंगू संक्रमण के मामले में उत्तर 24 परगना के बाद हुगली और मुर्शिदाबाद का स्थान है। इन तीन जिलों के बाद है कोलकाता का स्थान है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी के शब्दों में, "इस बार संक्रमण की अब तक की निरंतरता केवल शहर केंद्रित नहीं है। बल्कि साफ है कि जिले या गांव में भी डेंगू का प्रकोप शुरू हो गया है।" स्वास्थ्य विभाग की आंतरिक साप्ताहिक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल की शुरुआत से 23 जून तक राज्य में कुल 1842 लोग संक्रमित हुए हैं। जो हर हफ्ते तेजी से बढ़ती जा रही है।

असम में बाढ़ से हजारों लोग परेशान, हजारों एकड़ फसल हुई बर्बाद, मृतकों का आंकड़ा भी बढ़ा

गुवाहाटी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। असम में हर वर्ष की तरह इस बार भी बाढ़ आफत बनकर टूटी है। प्रशासन ने इस बार बाढ़ से बचाव के बेहतर उपाय के दावे किए थे, लेकिन वह दावे केवल दावे ही रह गए। बाढ़ के पानी ने जमकर तबाही मचाई। हालांकि अब हालातों में सुधार हो रहा है। असम सरकार के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य में अभी भी बाढ़ से 19 हजार से भी ज्यादा लोग प्रभावित हैं। सैकड़ों गांव पानी में डूबे हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की शनिवार को से जारी बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार राज्य में अब कोई भी नदी खतरे के निशान से ऊपर नहीं बह रही है। इसके साथ ही प्रभावित इलाकों की संख्या में भी कमी आई है, लेकिन राज्य के 7 जिलों के 158 गांव अब भी बुरी तरह से प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा लखमीपुर जिला बाढ़ की आपदा झेल रहा है। यहां अभी भी 11 हजार लोग बाढ़ की वजह से परेशान हैं।

इसके साथ ही बाढ़ की वजह से 30 हजार से ज्यादा पालतू जानवर भी प्रभावित हुए हैं। वहीं राज्य में इस समय 6 राहत शिविर, 5 राहत वितरण केंद्र सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। इसके साथ ही बाढ़ की वजह से 400 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है। वहीं कामरूप जिले के 116 गांव अभी भी पानी में डूबे हुए हैं। इन गांव के निवासी अभी भी राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर हैं।

किस पावर से मंत्री को किया बर्खास्त सीएम स्टालिन और राज्यपाल में ठनी

चेन्नई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने जेल में बंद मंत्री सेंथिल बालाजी को मंत्रिपद से बीते बर्खास्त कर दिया था, जिसके बाद राज्य में सियासी पारा चढ़ गया। इस कार्रवाई के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और राज्यपाल आरएन रवि के बीच टकराव बढ़ गया है। इस संबंध में उन्होंने राज्यपाल को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा है किस पावर का इस्तेमाल कर मंत्री को बर्खास्त किया गया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के पास मंत्रियों को बर्खास्त करने की कोई शक्ति नहीं है और ऐसा करना एक निर्वाचित मुख्यमंत्री का एकमात्र विशेषाधिकार है। दरअसल, सेंथिल बालाजी जॉब के बदले पैसे लेने और मनी लॉन्ड्रिंग सहित भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इन्हीं मामले के चलते वे जेल में बंद हैं। सीएम स्टालिन ने राज्यपाल को पत्र लिखते हुए कहा कि उन्हें आपका पत्र 29 जून को शाम 7 बजे मिला है, जिसमें कहा गया है कि 'थिरु वी सेंथिल बालाजी को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जा रहा है। इसके बाद दूसरा पत्र रात पौने 12 बजे मिला है, जिसमें आदेश को वापस ले लिया गया। सीएम का कहना है कि वह इसलिए पत्र लिख रहे हैं ताकि राज्यपाल को इस मसले पर तथ्य और कानून दोनों स्पष्ट रूप से समझाए जा सकें। मुख्यमंत्री का कहना है कि बर्खास्तगी का पत्र जारी करने के कुछ घंटों के बाद ही अटॉर्नी जनरल की राय लेने के लिए फैसले को वापस ले लिया गया। इससे पता चलता है कि राज्यपाल ने इतना बड़ा निर्णय लेने से पहले कानूनी राय भी नहीं ली। लिली थॉमस बनाम भारत संघ (2013) के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए सीएम स्टालिन ने कहा कि अदालत की संवैधानिक पीठ ने यह तय करने के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के विवेक पर छोड़ दिया था कि संबंधित व्यक्ति मंत्रिमंडल में रहेगा या नहीं ये उनके ही फैसले पर निर्भर करेगा।

सीएम स्टालिन ने राज्यपाल पर लगाए ये आरोप

सीएम ने यह भी कहा कि राज्यपाल पर आरोप लगाया कि उन्होंने सेंथिल बालाजी के खिलाफ कार्रवाई तो कर दी, लेकिन राज्यपाल ने पिछली अन्नाद्रमुक सरकार के दौरान किए गए अपराधों के लिए पूर्व मंत्रियों और अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी के लिए उनकी सरकार के अनुरोध पर महीनों तक चुप्पी साध रखी थी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उनकी सलाह के बिना मंत्री को बर्खास्त करने वाला उनका असंवैधानिक संचार कानून की दृष्टि से गैर-कानूनी और अमान्य है इसलिए इसे नजरअंदाज कर दिया गया।

साहित्य के आलोक : रांगेय राघव

अतुल कुमार

हिंदी साहित्य के प्रमुख साहित्यकारों में एक मुख्य नाम साहित्यकार रांगेय राघव का है । जिनका कोई उल्लेख नाम या चर्चा अब पढने या सुनने नहीं मिलती ।युवा पीढी उनके अनुपम साहित्य और लेखन से अंजान है । कोई सार्थक कोशिश भी इस दिशा में दिखायी नहीं देती कि उनके यशस्वी साहित्य पर रौशनी डाल उसकी जानकारी नौजवान पीढी को दी जाए । जितनी ज़रूरत उतना ज्ञान के इस युग में ऐसे दिग्गज कई रचनाकारों को भुलाया जा रहा है जिन्होंने समय के पटल पर अपने उत्कृष्ट लेखन की छाप छोडी जो लिटरेचर की अमिट मिसाल बना । । हिंदी पाठकों को शेक्स्पीयर से परिचित करवाने का श्रेय उन्हीं को है ।शेक्सपीयर के 10 नाटकों का हिंदी में अनुवाद किया। उनके नाटकों के हिंदी ट्रांसलेशन आज भी सबसे अच्छे माने जाते हैं यही कारण है कि उन्हें हिंदी का शेक्सपीयर कहा गया ।

रांगेय राघव का असली नाम तिरुमल्लै नंबाकम वीर राघव आचार्य था मूलतः ।तमिल भाषी थे अपना साहित्यिक नाम " रांगेय राघव " रखा ।साहित्यिक सृजन के लिये हिंदी को चुना और इतना अच्छा लिखा कि हिंदी साहित्य के शीर्ष साहित्यकारों में शुमार हुए ।हिंदी ,अंग्रेज़ी, बृज संस्कृत के विद्वान थे ।तमिल और तेलुगु पर उनकी मज़बूत पकड थी ।कविता ,कहानी ,उपन्यास ,नाटक ,रिपोर्ताज़ , आलोचना ,संस्कृति और सभ्यता आदि पर 150 से अधिक पुस्तकें लिख भारतीय साहित्य को समृद्ध किया । बताया जाता है कि जितनी देर में कोई एक किताब पढता है उतने में वह एक पुस्तक लिख देते ।

उनके नाम के पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है अपने पिता रंगाचार्य के नाम से रांगेय को स्वीकार किया और अपने स्वयं के नाम राघवाचार्य से राघव शब्द को ले अपना नाम " रांगेय राघव " रखा यह भी अनूठा सृजन सिद्ध हुआ । इंसानी सरोकारों के लेखक थे जिनकी कलम से आम आदमी के दुख ,तकलीफों और संघर्षों की दास्तां बयान होती ।अपनी कहानियों के कथ्य को आसपास की देखी दुनिया , और जूझती आदमीयत की अवाज़ों से उठाते जो उनकी कथाओं का बेबाक स्वर बना ।जो अंधेरे से जूझता है उसे ही आधार बना लिखा और जो ज़िंदगी की परेशानियों से आमना सामना कर रहा है उसके नरेशन को कहानी में पिरोया ।

अपने लेखन से ईस्ट्मन कलर के कपोल कल्पित सपने नहीं दिखाये ।समूचे लेखन से यथार्थ की तस्वीर को खींचा ।उदाहरण के लिये उनकी लिखी कविता की इन लाइनों को पढिये " बहता है अनदेखा समीर / काल कुहर स्पर्श पर अधीर / खुलो अब पंखुरी रागिणी मृदु सुरी माधुरी /सब कुछ खो जाए मेरे पास रह जाए / दूब पर झलकती ,ललकती ओस सी रूप की धुरी " उनके बहुआयामी रचना संसार में प्राकृतिक और मानवीय भावनाओं की छाया देखने को मिलती है ।उनके बारे में बताया जाता है कि वह दोनों हाथों से रात दिन लिखते और उनके लिखे ढेर को देख समकालीन यह कयास लगाते कि उनको कोई सिद्धी मिली हुई है वर्ना इतने कम समय में कोई भी इतना सारा और बढिया कैसे लिख सकता है ।उन्हें हिंदी का पहला मसिजीवी कलमकार भी कहा जाता है ।जिनकी जीविका का साधन सिर्फ लेखन था ।

उनके प्रकाशित ग्रंथों में 42 उपन्यास ,11 कहानी संग्रह , 12 आलोचनात्मक ग्रंथ 8 काव्य 4 इतिहास 6 समाजशास्त्र विषयक 5 नाटक और लगभग 50 अनुदित पुस्तकें हैं उनके लेखन को देख अच्छे अच्छे लिक्खाड दांतों तले उंगली दबाने लगते ।विधि ने उन्हें सिर्फ 39 साल का जीवन दिया इतनी अल्पायु में डेढ सौ से अधिक पुस्तकों को लिख निःसंदेह सृजन की दुनिया को हैरान किया । एक ज़िंदगी में तीन ज़िंदगियों का काम कर गये ।बंगाल के अकाल की विभीषिका पर रिपोर्ताज " तूफानों के बीच " से जो कीर्ती पायी वह आज भी अविस्मरणीय है ।कहानी के संबंध में उनकी धारणा थी कि कहानी करुणा नहीं जगाती बल्कि करुणा के माध्यम से विवेक को जगाती है साहित्य की बनी बनायी परिपाटी से हट या उसे चैलेंज करते हुए नयी साहित्यिक शैली बनायी ।उनके " टेढे मेढे रास्ते " " चीवर " तथा " " सीधा सादा रास्ता " जैसे उपन्यास इसी प्रवृत्ती को दर्शाते हैं ।

अपनी छोटी सी ज़िंदगी में बडे जीवन लक्ष्यों को पूरा करने की उनकी चाहत ने लेखन से अविराम जोडे रखा ।गद्य साहित्य में मुंशी प्रेमचंद के बाद रांगेय राघव का नाम एक युग चेता के रूप में लिया जाता है जिन्होंने भारतेंदु हरिश्चंद्र की तरह अपनी छोटी सी ज़िंदगी में सर्वश्रेष्ठ साहित्य से हिंदी को समृद्ध किया ।दुनिया भर में उनके कलम की धाक जमी ।साहित्य का कोई क्षेत्र उनसे अछूता नहीं रहा ।फ्रांसीसी और जर्मन साहित्य का अध्ययन कर हिंदी जगत को उससे अवगत करवाया । कई जीवंनी प्रधान उपन्यास लिखे जैसे " भारती का सपूत " भारतेंदु हरिश्चंद्र की जीवनी पर आधारित है ।" लखिमा की आंखें " विद्यापति के जीवन पर " रत्ना की बात " तुलसी दास के जीवन पर और " लोई का ताना " कबीर दास के जीवन पर आधारित है ।

17 जनवरी 1923 को आगरा में जन्मे 13 वर्ष की आयु में लिखना शुरु किया लेखन के साथ चित्रकला , संगीत और पुरातत्व में विशेष रुचि थी ज़िंदगी से लबालब ऐसे ऐसे कद्दावर चरित्र प्रकट किये जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता " गदल " भी एक ऐसा चरित्र है ।अपनी कविता के संबंध में लिखा कि चित्रकला से ही कविता लिखने की प्रेरणा मिली शब्दों ने अपने रंग बिखेरने शुरु किये तो चित्र बनाना पीछे छूट गया ।उनके प्रमुख उपन्यास हैं " घरौंदा " " मुरदों का टीला " " अंधेरे की भूख " ' धरती मेरा घर ' " साम्राज्य का वैभव 'और "मेरी भव बाधा हरो " इत्यादि कविता संग्रह " पिघलते पत्थर " " श्यामला" " अजेय " " राह के दीपक " और " रूप छाया " इत्यादि ।नाटक हैं " स्वर्ग का यात्री ' ' संगम और संघर्ष ' और " आखरी आवाज़ ' आदि ।

रांगेय राघव की लिखने की पद्धति विचित्र थी पहले ही पृष्ठों पर नंबर लिख दिया करते और उनकी कहानी या उपन्यास उतने ही पृष्ठों में समाप्त होते अक्सर लिखे हुए को सुना राय पूछ लिया करते ।घर और दोस्तों में पप्पू नाम से प्रसिद्ध थे । शाम को टहलना कभी नहीं छोडते उसी से देखी दुनिया से कहानियों के कैरेक्टर्स और कथ्य को चुनते ।घर पर तमिल बोलते और यार दोस्तों से मधुर हिंदी में बतियाते । उनकी रचनाओं का संग्रह दस खंडों में " रांगेय राघव " ग्रंथावली शीर्षक से प्रकाशित हो चुका है ।

लेखन में ऊंचे मापदंड स्थापित करने वाले इस महान लेखक ने 12 सितंबर 1962 को मुंबई में लंबी बीमारी से जूझते हुए जीवन की अंतिम श्वांस ली । लोकप्रिय ,अद्वितीय और पठनीय साहित्य को विरासत के रूप में छोडा जो भारतीय वांगमय की बहूमूल्य पूंजी और । भाषा का गौरव है। उनकी रचनात्मक विविधता को देख कह सकते हैं वह " साहित्य के आलोक " थे ।

काव्य कुंज

मौन का अमृत

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

मौन का अमृत जिसने पिया
वह शांत चित्त आनंदमय हो गया
वह बुद्ध सा महावीर सा
बन गया पूजनीय हो गया
मौन का अमृत जिसने पिया
वह हिमालय का शिखर सत्य का सौंदर्य का
स्वयं दर्पण बन गया धूल सारी झड़ गई
वह प्रेम का प्रतिबिंब देवतुल्य हो गया
मौन का अमृत जिसने पिया
द्वंद सारे मिट गए मौन की समाधि में
उसे ओंकार मिल गया जीवन धन्य बन गया
मौन का अमृत जिसने पिया
चुप रहना लब सी लेना कुछ ना कहना मौन नहीं
मौ तपस्या है कठिन मन शांत होना चाहिए
खामोशी में इच्छाएं तृष्णाऐ
विचार उठते हैं बहुत शांत होकर केवल देखना
साथ ना देना कभी यह मौन बीज
वृक्ष बन जाएगा तुम तुम ना रहो गे
तप कर कुंदन बन जाओगे
स्वयं सिद्ध हो कर तुम देवतुल्य बन जाओगे
आनंद गंगा में बहो गे मौन का अमृत्जिसने पिया।।

अधूरापन ही तो संजीवनी है प्रेम की

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

अधूरापन जिंदगी का वरदान बन गया।
पीड़ा रही पर स्वयं का कद्रदान बन गया।।
किया कभी प्रेम हमने भी एक इंसान से
देखने को एक झलक घूमे परेशान से,
आते जाते मिले कभी तो आंखें चार हो गई
बेकरारी बढ़ गई और शाम गुलजार हो गई,
यूंहीं चलता रहा सिलसिला समय बढ़ता रहा
मिलके भी न मिल पाए तीर नजर चलता रहा,
एक दिन रोमांचित यादें देकर वो बहार खो गई
नशा जीवन भर का दे वो समझदार हो गई,
अधूरापन ही तो संजीवनी है प्रेम की
स्मृति कलश किरणों का रोशनदान बन गया।
अधूरापन जिंदगी का वरदान बन गया।
पीड़ा रही पर स्वयं का कद्रदान बन गया।।
पाकर वह बात न होती जो बिन पाए पाया है
धूमिल हुई न यादें आज भी सजाए उनका साया है,
उस पल के एहसास से नया जोश भर आया है
उस अधूरेपन को इस दिल ने प्रेम से बसाया है,
आज भी अधूरेपन ने जवां हमें बनाया है
मीठी मीठी टीस है जिंदा कुछ नहीं गंवाया है,
अधूरेपन के आगे सुंदर सपनों का जाल है
सपनों में ही सही आता उनका ख्याल है,
अधूरापन ही तो संजीवनी है प्रेम की
दिल में बसता रहा प्रेम महान बन गया।
अधूरापन जिंदगी का वरदान बन गया।
पीड़ा रही पर स्वयं का कद्रदान बन गया।।

मुँह मोड़ना नहीं कभी

रेणुका अग्रवाल

बीच राह साथ छोड़ना नही कभी।
दिल अपनों का तोड़ना नहीं कभी।
माह निकला शाम गुज़रने के बाद।
चाँदनी से मुहँ मोड़ना नहीं कभी
वक़्त करवट लेता सब जानते हैं
और गुनाहों को जोड़ना नहीं कभी।
रंजिशें दिल में हज़ार है मगर
अपनों से मुँह मोड़ना नहीं कभी।
जिस्म कैद में है दिल तो नहीं
दिलो दीवार तोड़ना नहीं कभी।
अपनेपन का नाटक बहुत हुआ
रेणू सीधी राह छोड़ना नहीं ।

अपनापन

टी तारासिंह
हैदराबाद

नयना बयां कर देते इश्क
बेकरार है दिल के रिश्ते जोडने में
मुश्किल है समझौता करना इकरार करना
उम्मीदे ना तोडना प्यार के वादे ना तोडना
सजाये थे सपने प्यार त्यार के
कसमे लिए थे साथ जीने के
अनमोल खुशियाँ है रब की नेमत
जीना था हसना था तम्मनाए पूरी करना था
दूर रहना था जमाने से दूर रहना था
प्यार ही हमारी जिंदगी हमारी मंजिल
सुकून है प्यार का सुरूर है
सहारा मिला जीवन भर का हमदम मिला
धन दौलत से ज्यादा अपनापन मिला ।।

मानव क्या बन गया है ?

कुमुद बाला,
हैदराबाद

धरती जब घूमती है अपनी
धुरी पर दिन - रात करवट लेते हैं
तीन सौ पैंसठ दिनों की धुरी से
पृथ्वी पर मौसम बदल जाते हैं
कितनी रहस्यमयी है यह दुनिया ,
जहाँ हम सभी रहते हैं
अनेक रूपों में ईश्वर के हम,
हरपल दर्शन करते हैं
धूप संग घटती - बढ़ती और
एक दिन लुप्त होती परछाईं
सर्दी - गर्मी और कभी हम बारिश का नर्तन देखते हैं
मानव को क्या कहें मानव के तो इक पल में तेवर बदल जाते हैं
धरती जब घूमती है अपनी धुरी पर दिन - रात करवट लेते हैं
तीन सौ पैंसठ दिनों की धुरी से पृथ्वी पर मौसम बदल जाते हैं
काश हम सब भी प्रकृति का अनुसरण करना सीख तो जाते
धरती माँ के धैर्य को हम स्वार्थी प्रणाम करना सीख तो जाते
विकास करने के नाम पर जो हम मानवता को लूट रहे हैं
काश हर दिल में प्रीत का दीपक बन जलना सीख तो जाते
हम तो वह बन गये हैं जो कब्र में अपने शरीर बदल जाते हैं
धरती जब घूमती है अपनी धुरी पर दिन - रात करवट लेते हैं
तीन सौ पैंसठ दिनों की धुरी से पृथ्वी पर मौसम बदल जाते हैं

दिल की कह सकूं...

ओमकार सडिवाल

कुछ बात दिल की कह सकू,
एक दोस्त अपना सा बना सकू।
अपना दिल खोल रख सकू,
अपनी पीड़ा मात्र उसेही सुना सकू।।
अपनों के नाम पर बहुत सुन चुका,
कर्तव्य और हक्क में अंतर बता चुका।
जो नादानियों में डूबे हो अपने,
हरकत देख अब मेरा भी मन ढह चुका।।
कुछ बात दिल की कह सकू,
झूठ को नहीं, सच को सहारा दे सकू।
अपनों को अपना ही बना सकू,
परायों की कतार में शामिल न कर सकू।।
कुछ बात दिल की कह सकू,
बिखर ते मोती को पुनः पीरो सकू।
उन्हें भी गलतियों का एहसास करा सकू,
उन्हें समझाने में समर्थ बन सकू।।
आंख जो देखे वह सच नहीं होता है,
कान का ताल भी अवश्य होता है।
आदा सच हमेशा हानि कारक होता है,
जो परिवार में मतभेद का कारण होता है।।
कुछ बात दिल की कह सकू,
एक दोस्त अपना सा बना सकू।
उचित सलाह उससे मिल सके,
अपनों को दूर होने से बचा सकू।।

बारिश और सुहानी शाम

वो रात वाली आंधी के बाद सुबह की बेतहाशा
बारिश का आना कर देता है सराबोर
इस प्रकृति को अनुपम सौंदर्य में
ठीक उसी तरह जैसे तुम्हारा होना
कर देता है मुझको पूर्ण बारिश की इस
हल्की फुहार में तेरी यादों का होना
फिर खिड़कियों से झांकती मेरी नज़रे
निहारती रहती है उन सहज बूंदों को
मानो तुम ही हो और मैं डूब जाती हूं
तुम्हारे अंजुमन में बिल्कुल पहली बारिश
की तरह हां.. हां... वहीं तुम्हारा यूं भीगना
और मेरी नजरों का ठहर जाना बस
तुम्हारी और लबों पर आई बात को जब
तुमने आंखों से कह दिया था वो नशा आज
भी मुक्कमल है तेरी याद और और पहली मुलाकात
ये बारिशऔर सुहानी शामबस मैं और तुम
हर घड़ी हर शाम ...!

सपनों का बंधन

डॉ टी महादेव राव

भोर हो गई इतनी जल्दी अभी अभी तो टपकी आशाएं
सपनों की सांस से अपनी उम्र बढ़ा रही हैं
ठूंठ बने बंधन सारे सूखे पत्ते बनकर
हवा की लहरों पर झूलते रहे
रात लिखी कोमल कविताई अक्षर
नई रोशनी में जागकर नींद से
शब्दों की दौड़ में कदम बढ़ा रहे हैं
मुर्गे की बांग से खुली नींद
चूजे सारे दड़बों से निकलते जैसे
सूरज निकला उठो उठो कहते
पेड़ों के पत्तों की गलियों से
पूरब के आंगन में झांक कर देखते
सूर्योदय का स्वागत करने
कभी न कभी मेरे वाक्य जल्दी-जल्दी में
घर के दरवाजे खोलते हैं
नींद में सपनों के बंधन की शुरुआत करते
आंगन में रंगोली की बुनावटी सुंदरता
अक्षरों के बनावट के हाथ ना आते
बंधन में खूबसूरत वर्णन करते हैं
एक रात की लिखी कविता ने
सुबह के नाम सांसों का खत लिखा
घास के तिनकों पर के श्वेत बिंदु
चुह चुहाता पसीना बनकर
शरीर में सूखा जा रहा हो जब
जिंदगी तेज कदमों से बढ़ने कहती है
एक ओर दुखों की शाख से एक पंछी उड़ता ही रहता है
रात लिखी कविता को पतंग सा दूर.....
जहां करीब न हो सकें।।

तुम्हारी निष्ठुरता

मोनिका राज
माधेपुरा, बिहार

कभी-कभी तुम्हारी निष्ठुरता
तोड़ देती है मुझे अंदर तक
झकझोड़ देती है मेरे अंतर्मन को
पर फिर भी मुस्कुराती हूं मैं
यह सोच कर...
कभी तो एहसास होगा तुम्हें
कभी तो एहमियत होगी मेरी
कभी तो कमी खलेगी तुम्हें
कभी तो याद करोगे मुझको पर...
ऐसा करने में ज़्यादा विलम्ब न करना
कहीं इंतज़ार करते-करते मैं थक न जाऊं
कहीं राह तकते-तकते मैं विलीन न हो जाऊं
कहीं यूँ हीं चलते-चलते मैं खो न जाऊं।।

उलझनों में उलझी क्यों हूँ?

लवली आनंद,
बिहार

मैं मंदिर - मंदिर भटकती रही,
फिर मेरा रब ही रुठा क्यो है?
मैं अपनी ख़ुशी से पहले
दूसरों की खुशी का सोचती रही
फिर मेरे हिस्से ही समंदर क्यो है?
मैं बेघरों को पनाह देती हूँ
राहगीरों को मंजिल बताती हूँ
फिर आज मेरी ही दहलीज
पर शून्यता क्यों है?
मैं जिस भी महफ़िल में गई
शामे हसीं, रंगीन शमां और
रोशनी सी छा गई
फिर आज मेरे ही दिल की
गलियां विरान क्यो है?
मैं दूसरों की परेशानियों को,
यूं चुटकियों में ठीक की हूँ,
फिर आज मैं अपनी उलझनों में,
इतनी उलझी क्यो हूँ?

यह प्रीत नई

यह प्रीत नई यह रीत नई, जीवन की है यह गीत नई।
गिरना उठना आगे बढ़ना,मानव तन की है जीत यही।
कुंठा त्यागो और सबल बनो, आगे आओ, खींचो लीक नई।
अंधेरों से आगे निकलो,मन से हो कभी भयभीत नही।
क्या मिला तुम्हें, उसकी सोचों जो नही मिला मनमीत नही।
जब मन मे विष हो व्याप्त अधिक,तब जीत लगेगी जीत नही।
करुणा रखो सबके ऊपर,तुमसे हो कोई भयभीत नही।
यह प्रीत नई यह रीत नई,जीवन की है यह गीत नई।

- रवि कुमार दुबे रेनुसागर, सोनभद्र

ख्वाहिशों की राह

मुनीश भाटिया
कुरुक्षेत्र

ख़्वाहिशों की राह में
कोई हमसफ़र नहीं बनता,
दुनियादारी की सियासत में
बदलते हरपल हैं लोग नकाब,
किन्तु अलफाजो से बेवफाई का
अक्सर मिल ही जाता है
उनके किरदार का हिसाब !
बेशक मुश्किल से गुज़रते हों
जीवन के साफ़र सभी,
किंतु हसीन करते रहें,
सरगम हर सांस की !
जिन्दगी के लम्हों को
गर उम्मीद से जिया जाए,
तो ही है बेहतर,
बुझी चाहतों के चिराग से
सुबह की रोशनी होती है बेमानी !
अपनों की खताओं का अब
ना ही रखें हिसाब,
जिंदादिली से जीएं पल-पल,
ख़्वाहिशों की राह में हर कदम !

फ़िर वही....

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जियादा चाहता जिनको,
मिलकर नहीं मिलते
बुझी राख में जिंदा,
हकीकत में नहीं बदलते
चलता ही रहा गया,
मृत सा लगता मनभावन
फिर वही बारिशों का है मौसम
पर नहीं पहले जैसा वो सावन
जरुरत ही कहां.....,अश्कों को भी कहने की
नहीं जानते कद्र,नादां..,ख्वाहिश नहीं जीने की
चलो,जहां भी रहे खुश रहें, दुरस्त नहीं इमारत
फिर वही बारिशों का है मौसम
पर नहीं पहले जैसा वो सावन
रह रहकर टीस, आह बन कर निकलती है
पास रहकर भी कोसों दूरअनजान टहलती है
कहते मुस्करातें बहुत हो,..बौनी सी किताबत
फिर वही बारिशों का है मौसम
पर नहीं पहले जैसा वो सावन
आंखों में रहकर भी, वो सपना हो गये जैसे
उलझता सुलझता, खंडहर में बदल गये जैसे
तुम नहीं क्या जीवन,मौन मूकदर्शक घायल
फिर वही बारिशों का है मौसम
पर नहीं पहले जैसा वो सावन।।

भारत माता की जय

जे गंगाधर 'गंध'
जियागुडा,हैदराबाद

भारत माता की जय,
मात्र यह एक है नहीं,
नारा केवल राजनीति का,
धारा है यह शुद्ध काजनीति का,
सेवा समर्पण सुचिर रीति का,
स्तोत्र था स्वतंत्रतासंग्राम का,
स्रोत है सत्व स्वाभिमानता का,
मंत्र है यह राष्ट्रीयता का,
तंत्र भी है जी राष्ट्र हित का,
प्रतीक है यह सच्ची देशभक्ति का,
प्रदीप्त है देशानुरागी साधना का,
देखो देश हो या विदेश की धरती में,
झूम उठे, गूंज उठे कंठ कंठ मस्ती में
भारत माता की जय।
भारत माता की जय।।

महंगाई

संजीव ठाकुर,
रायपुर

महंगाई की मार और
चुनावी नेताओं का प्यार।
आम आदमी चिल्ला रहा है
महंगाई की मार से बिलबिला रहा है
अनाज हो गए गरीबों की पहुंच से बाहर
गरीब आदमी ने कई दिनों से
खाई नहीं दाल राहर।
उधर टमाटर बरपा रहा है
100 रुपये किलो में कहर।
देखो फिर से आ गई
सब्जियों में महंगाई की लहर।
सब्जी पहुंची फलों के भाव
सेठ दिखा रहा है गरीबों को ताव,
जनता हो गई खर्च कर कर के फकीर
टूट गई उनकी किस्मत की लकीर।
अब फिर चुनाव आ गए हैं
नेता फिर से वायदों की खेप लाए हैं
कहते हैं हमारा मसीहा आएगा
दूध ,फल ,सब्जी को भी
जनता तक आसानी से पहुंचाएगा,
खाने की थाली लाएगा जनता के करीब
नहीं समझ पाएगी भोली जनता उनकी यह तरकीब,
यह अनाज के बदले मांगने आए हैं वोट,
दे जाएंगे चुनाव में झूठे वादों की चोट।
पर क्या जनता जानती है
एक बार बढी महंगाई वापस लौटकर
उसी भाव में कभी नहीं आती है।
फिर जनता इन नेताओं के
चक्कर में क्यों आसानी से आ जाती है।
नेता केवल गरीबी हटाओ महंगाई हटाओ
के नारे और वायदे दे जाते हैं
चुनाव में यह सब नई साज-सज्जा के साथ आते हैं
फिर 5 साल बाद गधे के सिर से सिंग
की तरह कहां गायब हो जाते हैं।
चुनाव के पहले नेता वोटर को ढूंढते हैं
चुनाव के बाद वोटर इन्हें ढूंढते हैं।

प्यारे पंछी

पद्मजा श्रीवास्तव

सुहावनी बेला संध्या की
बयार ठंडी – ठंडी
लालिमा सूर्यास्त की
सूर्य देव बड़े से गेंद समान
समा रहे मानो धरती के सागर में
दूर आसमान में झुंड पक्षियों के
अपने नीड़ में लौटते एक गति से ,
एक लय ताल से
आकार बनाते प्यारे पंछी
ना कोई धीरे,ना कोई तेज
मोटर साइकल की परेड समान
ये सुंदर पक्षियों के झुंड
उड़ते हुए गगन में अनुशासनबद्ध तरीके से ।
नेता उड़ता आगे-आगे
बाकी उसके पीछे मानो पालन करते
अपने मुखिया का आदेश हैं
देख आनंद आ गया मंत्रमुग्ध सा मन हो गया
कौन बताता पथ इनको कौन बताए दिशा ?
और कौन सिखाता अनुशासन इनको ?
रह गई अचम्भित सी मैं
लगी सोचने सीख सकते कितना कुछ इनसे हम
एकता, अनुशासन , सामूहिक भावना
और भी न जाने क्या-क्या
प्यारे प्यारे इन पंछियों से ....

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

रूठी लक्ष्मीजी के मानने के बाद आसन पर विराजे जगन्नाथ

भगवान जगन्नाथ 9 दिन मौसी के यहां बिताने के बाद शनिवार को अपने आसन यानी पुरी मंदिर में विराजमान हो गए। बता दें कि वे बिना बताए मौसी के घर चले गए थे इससे पत्नी लक्ष्मी रूठी थीं, इसलिए लौटकर सबसे पहले उन्हें मनाया। इधर मंदिर में भगवान जगन्नाथ के लौटने की खुशी है, तो यहां से 45 किमी दूर बालीगांव में भी उत्सव मन रहा है। ये गांव भगवान जगन्नाथ के एक आदिवासी भक्त का है।

20 जून को भगवान जगन्नाथ भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ अपने मंदिर से 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर गए थे। उनकी रथ यात्रा में करीब 25 लाख भक्त शामिल हुए। 28 जून को लौटे, तब भी करीब 10 लाख भक्त उनके साथ चले।

यात्रा के दौरान ही भक्त दासिया बाउरी की कहानी सुनी गई। ये कहानी 15 शताब्दी के आखिर की है। पुरी के लोग बताते हैं कि दासिया आदिवासी थे, इसलिए उन्हें मंदिर में घुसने की इजाजत नहीं थी। दासिया ने कहा, प्रभु, मैं मंदिर में नहीं आ सकता, इसलिए आपको बाहर आना पड़ेगा। मेरा प्रसाद लेना पड़ेगा। भक्त की जिद के सामने भगवान जगन्नाथ हार गए और उन्हें मंदिर से बाहर आना पड़ा। अब बालीगांव में दासिया का बड़ा सा मंदिर बना है। पूरे ओडिशा में उनकी पूजा की जाती है।

बालीगांव हाईवे पर है। दासिया का नाम लेते ही लोग हाथ जोड़कर रास्ता बता देते हैं। गांव के एंट्री गेट के बिल्कुल करीब दासिया बाउरी के नाम का बोर्ड लगा है। गांव के अंदर उनकी बड़ी मूर्ति है। इसे 2018 में ओडिशा सरकार ने बनवाया था। दासिया के वंशज अब भी गांव में रहते हैं।

गांव में पत्थरों से बना बड़ा सा मंदिर। मंदिर

भक्त दासिया बाउरी की मूर्ति

के बीच में भगवान जगन्नाथ का आसन है। सामने गरुड़ स्तंभ और फिर हाथों में नारियल लिए प्रभु को निहारते भक्त दासिया बाउरी की मूर्ति। मुख्य मंदिर से थोड़ा हटे, तो नजर एक तालाब के पास मौजूद छोटे मंदिर पर गई। मंदिर की दीवारों पर पेंटिंग बनी हैं। ये दासिया की भक्ति की कहानियां हैं। दासिया की कुटिया की जगह अब उनकी समाधि है। उनके तालाब में आज भी कमल उगते हैं। यहीं से कमल तोड़कर दासिया भगवान जगन्नाथ को चढ़ाते थे। दासिया के मंदिर में पुजारी सुरेंद्र दास मिले। उम्र 75 साल है। दासिया की कहानी हमें सुरेंद्र दास ने ही सुनाई।

सुरेंद्र दास ने बताया, 'दासिया तंती जाति के थे। कपड़े बुनते थे। आदिवासी थे, इसलिए मंदिर में नहीं जा सकते थे। उन्होंने पुरी में जगन्नाथजी के दर्शन करने के लिए जा रहे कुछ ब्राह्मणों को अपने पेड़ से नारियल

ब्राह्मणों ने जिस आदिवासी को रोका, उसके लिए भगवान खुद मंदिर से बाहर आए

भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के मंदिर में लौटने के बाद सुना बेशा की रस्म निभाई गई। परंपरा है कि रथ यात्रा की वापसी के बाद वाले दिन मूर्तियों को सोने के गहनों से सजाया जाता है।

तोड़कर दिया। उनसे कहा- इसे जगन्नाथ प्रभु के हाथ में ही देना। खुद लें तो देना, नहीं तो वापस ले आना। ब्राह्मणों ने नारियल लिया और पुरी की ओर चल दिए।' 'ब्राह्मणों ने वही किया, जैसा दासिया ने कहा था। उन्हें विश्वास तो नहीं था, लेकिन भगवान का मामला था, सो झूठ बोल नहीं सकते थे। ब्राह्मणों ने प्रभु से कहा- दासिया ने नारियल भेजा है, कहा है खुद लें, तो देकर आना, नहीं तो वापस ले आना। वे भगवान से प्रार्थना कर ही रहे थे कि नारियल उनके हाथों से गायब हो गया।'

ब्राह्मण एक दिन और मंदिर में रुके। सुबह मंदिर के पुजारी से पूछा कि क्या कोई नारियल जगन्नाथ जी के मूर्ति के पास मिला है। पुजारी हैरान थे, क्योंकि सुबह जगन्नाथ जी के आसन के नीचे नारियल के छिलके पड़े थे।' ब्राह्मणों ने ये बात दासिया को बताई। पूरे गांव में उनके चर्चे हो गए।' दासिया के वंशज गांव में ही हैं। उनके घर पहुंचे तो बंधु दास से मुलाकात हुई। उन्होंने भी एक किस्सा सुनाया...।

बंधु दास कहते हैं, 'दासिया के कोई बच्चा नहीं था। बस पति-पत्नी ही थे। हम लोग उनके खानदान के हैं, जैसे एक परिवार में कई भाई होते हैं। फिर उनके वंश आगे बढ़ते हैं, वैसे ही हम दासिया के चाचा के परिवार के हैं। बचपन से हमने हमारे बाबा, उनके बाबा, फिर उनके भी बाबा के समय की कई कहानियां दासिया बाबा के बारे में सुनी हैं।' कहते हैं, 'एक बार पुरी में जगन्नाथ यात्रा चल रही थी। बाबा दासिया की पत्नी ने ताना मारा। भक्त हो, मंदिर के अंदर तो कोई जाने नहीं देगा। रथ छूने नहीं दिया जाएगा। अपने प्रभु से कहो, रथ बालीगांव की तरफ मोड़ लें। उनका रथ यहां ला सकते हो क्या?'

दासिया हठी तो थे ही। उन्होंने प्रभु से हठ किया कि उनका रथ देखना है। कहते हैं, तभी झोपड़ी के बाहर तालाब में रथ की छाया बन गई। उनकी पत्नी हैरान थीं। उन्होंने हाथ जोड़े, माफी मांगी और कहा...प्रभु माफ कर दो। दासिया की भक्ति पर मुझे शक नहीं करना चाहिए था। इतना ही नहीं रथ की छाया पूरे 9 दिन तक पानी में पड़ती रही।'

बंधु दास कहते हैं, 'जगन्नाथ के भक्त जिन्हें पंचदूत या पंचसखा कहते हैं, दासिया से मिलने गांव आए। दरअसल वे दासिया की भक्ति को परखना चाहते थे। गांव पहुंचे तो तालाब में मछली पकड़ रहे एक व्यक्ति से पूछा- दासिया का घर जानते हो। उसने कहा, मैं ही दासिया हूं।' पंचसखा ने कहा- शाम का वक्त है, जगन्नाथ की पूजा करनी चाहिए। तुम तो मछली पकड़ रहे हो। कैसे भक्त हो। दासिया ने उत्तर दिया- मैं तो जगन्नाथ के साथ ही खेल रहा हूं। पंचसखा बोले- मजाक उड़ा रहे हो। जवाब मिला- खुद ही देख लो। जैसे ही उसने मछली ऊपर उठाई, उसमें जगन्नाथ की छवि उभर आई।' पंचसखा हैरान रहे गए। दासिया ने कहा- मेरे घर का रास्ता कैसे मिला। पंचसखा बोले- खुद जगन्नाथ ने बताया। ऊपर दासिया ने देखा तो जगन्नाथ की छवि आसमान में उभरी थी।' बंधु दास ने बताया, 'अब आदिवासियों के मंदिर में जाने में मनाही नहीं है। यहां तक कि जब जगन्नाथ रथ यात्रा होती है, तो इसी गांव का नारियल तोड़कर रथ का निर्माण शुरू होता है। दासिया की समाधि में प्रसाद के रूप में नारियल ही चढ़ता है।'

दासिया की तरह भक्त सालबेग की कहानी भी मशहूर दासिया बाउरी की तरह सालबेग की कहानी भी पुरी का हर व्यक्ति जानता है। सालबेग के भजन और कविताएं पुरी में खूब गाई जाती हैं। सालबेग मुसलमान पिता और ब्राह्मण मां के बेटे थे। बचपन से जगन्नाथ के भक्त। पुरी में उनका मंदिर बना है। गुंडिचा मंदिर से लौटते वक्त भगवान जगन्नाथ का रथ यहां जरूर रुकता है।

मंदिर के प्रमुख सेवक विश्वनाथ बताते हैं कि '400 साल पहले सालबेग दर्शन के लिए वृंदावन से पुरी आए थे। तब लोग पैदल यात्रा करते थे। चलते-चलते वे बीमार हो गए। रथयात्रा का समय था।

सालबेग ने जगन्नाथ को पुकारा। कहा- अब आगे नहीं बढ़ पाऊंगा। प्रभु मुझे यहीं दर्शन दो।' 'उस वक्त भगवान जगन्नाथ मौसी के मंदिर से अपने मंदिर जा रहे थे। गुंडिचा मंदिर से जगन्नाथ मंदिर वापसी की परंपरा को बाहुड़ा कहते हैं। 'कहा जाता है बलभद्र और सुभद्रा के रथ तो चलते रहे, लेकिन जगन्नाथ का रथ वहीं रुक गया। उसे हाथियों से खींचने की कोशिश की गई, पर नहीं खिंचा। भक्त सालबेग ने दर्शन किए, तब जाकर रथ चला।' भगवान जगन्नाथ के भक्तों की कई कहानियां हैं। इनका कोई प्रमाण तो नहीं है, पर आस्था में सवाल नहीं होते।

तभी तो सदियों से पुरी में हर साल रथ यात्रा होती है। भगवान जगन्नाथ 9 दिन के लिए अपनी मां जैसी रानी गुंडिचा के मंदिर जाते हैं। हर बार लक्ष्मी रूठती हैं और जगन्नाथ उन्हें मनाते हैं। सालबेग के मंदिर के सामने भगवान जगन्नाथ का रथ रुकता है और भगवान जगन्नाथ के आसन पर विराजने पर बालीगांव में उत्सव मनता है।

तीन राज्यों में कांग्रेस को चबाने पड़ेंगे लोहे के चने

23 जून को बिहार की राजधानी पटना में हुई विपक्षी दलों की मीटिंग के बाद सियासी पारा बढ़ा हुआ है। इस मीटिंग के बाद विपक्षी नेताओं के बीच अच्छी केमेस्ट्री देखने को मिली। 2014 में नरेंद्र मोदी के देश के सत्ता संभालने के बाद यह विपक्ष का सबसे बड़ा जमघट था। आम आदमी पार्टी को छोड़कर तकरीबन सभी दलों के नेताओं ने माना कि मीटिंग सकारात्मक थी और शुरुआत अच्छी रही। विपक्ष की इस मीटिंग में बीआरएस के नेता के. चंद्रशेखर राव को बुलाया नहीं गया था। शायद उन्हें बुलाया जाता तो भी वो इस मीटिंग में नहीं आते। केसीआर कुछ समय पहले तक खुद के पक्ष में हवा बनाने के लिए नेताओं से मिल रहे थे। हाल फिलहाल में ही उन्होंने कई राज्यों में अकेले चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं। इसी तरह से बीजेडी के नवीन पटनायक, जेडीएस के एचडी देवेगौड़ा, बीएसपी की मायावती और वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी ने विपक्ष और बीजेपी दोनों मोर्चों से समान दूरी बनाए रखने के स्पष्ट संकेत दे दिए हैं। हालांकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दावा किया है कि आने वाले दिनों में और भी पार्टियां विपक्षी फ्रंट में शामिल होंगी।

विपक्षी कुनबा बेशक बढ़ जाए लेकिन आने वाले दिनों में इसके भीतर ही बड़े-बड़े चैलेंज भी नजर आने वाले हैं। तीन राज्यों को लेकर तो चर्चाएं भी बहुत ज्यादा हैं। कहा जा रहा है कि पश्चिम बंगाल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में विपक्षी एकजुट बनाए रखना बहुत बड़ा टास्क होगा। पश्चिम बंगाल में जहां टीएमसी का शासन है तो वहीं पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है और यूपी में सपा सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है।

ममता ने भले ही पटना मीटिंग में एकसाथ चुनाव लड़ने की बात की हो लेकिन वह और उनकी पार्टी लगातार बंगाल में कांग्रेस पर हमले बोल रही है। कांग्रेस अधीर रंजन चौधरी भी इसी तरह से टीएमसी पर आक्रामक हैं। पंचायत चुनाव में टीएमसी को विपक्षी मीटिंग में शामिल हुई कांग्रेस और सीपीआई (एम) से भी टक्कर मिल रही है।

बात अगर यूपी की करें तो यहां सपा 2017 चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर नुकसान करवा चुकी है। यूपी में दोनों दलों के संबंध खास अच्छे नहीं हैं। नेताजी के जमाने से सपा कांग्रेस के गढ़- रायबरेली और अमेठी में प्रत्याशी उतारने से बचती रही है। सपा इस बार भी ऐसा कर सकती है लेकिन अन्य सीटों पर क्या राय बनेगी यह देखने लायक होगा। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया है। दिल्ली में आप ने ही दो बार कांग्रेस का बुरी तरह से हराया है। पटना मीटिंग के बाद से आम आदमी पार्टी लगातार कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी कर रही है। ऐसे में जानकारों का मानना है कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच में कोई डील हुई तो यह चौंकाने वाला होगा।

पटना मीटिंग के बाद से यह स्पष्ट संदेश आया है कि विपक्षी पार्टियों में सबसे बड़ी कांग्रेस ही यह तय करेगी कि इस गुट में किसको शामिल किया जाए और विपक्षी गठबंधन का भविष्य कैसा हो। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजद प्रमुख लालू यादव ने कहा कि कांग्रेस को "बड़ा दिल" दिखाना चाहिए और हर राज्य में सबसे बड़ी पार्टी को उस राज्य में लड़ाई का नेतृत्व करना चाहिए, अन्य लोगों को समर्थन और सहयोग देना चाहिए। कुछ ऐसी बात ममता बनर्जी ने कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उन राज्यों में अन्य दलों के समर्थन पर भरोसा कर सकती है, जहां वे मजबूत हैं। अब बंगाल में यह देखने लायक होगा कि कांग्रेस टीएमसी के इस बयान पर बड़ा दिल दिखाती है या नहीं... और ऐसा न होने पर टीएमसी किस तरह से बर्ताव करती है।

टीएमसी द्वारा तीसरी बार बंगाल चुनाव जीतने के बाद से ही राज्य में सभी लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़े जाने की बात कही जाती रही है। इतना ही नहीं, वह अन्य राज्यों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराकर नेशनल लेवल की राजनीति में भी हस्तक्षेप करना चाहती है। बंगाल में ममता को कांग्रेस के अलावा सीपीआई (एम) की तरफ से भी विरोध झेलना पड़ता है। ऐसे में विपक्षी गठबंधन बंगाल में क्या व्यवस्था करता है, ये देखने लायक होगा।

यूपी में सपा अब अकेले चुनाव लड़ने की बात से पीछे हटी है। हालांकि सपा चाहती है कि कांग्रेस उसे राज्य में सबसे बड़ी विपक्षी ताकत माने। इस बीच यूपी में बीएसपी और कांग्रेस गठबंधन की चर्चाएं भी चल रही हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि मायावती विपक्षी खेमें की हर चाल पर नजर रखे हुए हैं। ऐसे में वह भी अकेले चुनाव लड़ने के अपने फैसले को बदलकर गठबंधन में चुनाव लड़ सकती हैं।

आम आदमी पार्टी शासित पंजाब और दिल्ली में हालात और भी ज्यादा नाजुक हैं। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि आप दिल्ली में गठबंधन के लिए तैयार है जबकि कांग्रेस पंजाब को लेकर आत्मविश्वास में है। हालांकि पटना मीटिंग के बाद से आम आदमी पार्टी लगातार कांग्रेस पर हमले बोल रही है। कांग्रेस की भी दिल्ली और पंजाब की इकाइयां भी आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन का विरोध कर चुकी हैं। हालांकि विपक्षी खेमे में इस बात को लेकर सभी राजी हैं कि बीजेपी को सत्ता से बाहर करने के लिए उन्हें आपस में 'कुछ समझौते' करने होंगे और वे इसके लिए तैयार भी हैं। विपक्ष दलों से संबंध रखने वाले एक गैर कांग्रेसी नेता ने कहा कि यह एक बड़ा युद्ध है। हमें चैलेंज पता है। कुछ समझौते होंगे और हम एकता बरकरार रखने में सफल होंगे।

इमली और कच्चा आम है तो ठेंगे पर है टमाटर के दाम

गीतकार गुलज़ार ने लिखा है-

कि जैसे पान में महंगा क़िमाम घुलता है
ये कैसा इश्क़ है उर्दू ज़बां का।

किसी इलाहाबादी आईएएस अफसर से पूछिए तो वह कहेगा- ठीक वैसा ही इश्क जैसा, अरहर की दाल में टमाटर-प्याज के तड़के का। तुअर दाल या येलो दाल भी बोलेंगे तो इस तड़के वाली दाल का स्वाद नहीं बदलने वाला। फिर भी जाने क्यों जबसे टमाटर सौ रुपये किलो के पार पहुंचा है, तबसे एक घनघोर राष्ट्रवादी मित्र रोजाना टमाटर के इतिहास को खोद रहे हैं। उनका कहना है कि भारतीयों को टमाटर जैसे लैटिन अमेरिकी फल या सब्जी से परहेज करना चाहिए, क्योंकि यह टमाटर फिलहाल अपने दामों से देश के आम लोगों की चटनी बनाए दे रहा है। टमाटर का इतिहास, भारतीय क्लाइमेट में सेहत पर इसका प्रभाव और इसके साथ हो रहे जेनेटिक इनोवेशन से बिगड़े स्वाद की बात तो बाद में। पहला सवाल तो यह है कि टमाटर उगाने वाले किसान को अभी दो महीने पहले तक ही फसल के इतने कम दाम मिल रहे थे कि बेचारे सड़क पर फेंकने को मजबूर थे। दूसरी तरफ आम जनता है कि बेचारी सौ रुपये में एक किलो टमाटर खरीदने के बजाय दो किलो आम खरीदकर घर वापस चली आ रही है। यानी किसान को दाम नहीं मिल रहे और कस्टमर को टमाटर इतने महंगे पड़ रहे कि खरीदने की हिम्मत नहीं हो रही। अब सवाल यह है कि इस महंगाई का फायदा उठा कौन रहा है। छोटे सब्जी वाले तक परेशान हैं, क्योंकि उन्हें खुद महंगा मिल रहा है और ग्राहकों का गुस्सा उन्हें झेलना पड़ रहा है।

टमाटर के इस हाल पर धूमिल की मशहूर कविता याद आती है- 'एक आदमी रोटी बेलता है, एक आदमी रोटी खाता है, एक तीसरा आदमी भी है, जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है, वह सिर्फ रोटी से खेलता है, मैं पूछता हूं-यह तीसरा आदमी कौन है? मेरे देश

की संसद मौन है।'

धूमिल साहब के जमाने में कोई रोटी से खेल रहा था, आज टमाटर से खेल रहा है। इसलिए अब संसद, देश की सरकारों और शासन-प्रशासन के पास मौका है कि वह मौन न रहें। जानें कि वो बिचौलिया कौन है, जो न टमाटर पैदा करता है और न खाता है, वह सिर्फ इसके दामों से खेलता है। बीच के इस आदमी को ढूंढना बहुत जरूरी है, क्योंकि आज टमाटर हो या प्याज, आलू हो या गेहूं, यह बीच में रहकर खेलने वाला ही सबसे ज्यादा खा रहा है। अब वापस आते हैं टमाटर से जुड़े अतरंगी विचारों पर। जैसे टमाटर का विदेशी होना। देश के लिए यह फिक्र वाली बात होनी ही चाहिए कि जब राष्ट्रवाद का उभार अपने चरम पर हो तो देसी लोग सबसे ज्यादा चाउमिन और मोमो के ठेलों पर नजर आते हैं। जिनकी हालत थोड़ी बेहतर है वह खान मार्केट में जैपनीज़, वियतनामी, कोरियन और इटैलियन फूड के लिए देर शाम रेस्तरां के बाहर लाइन में लगकर इंतजार करते हैं। टमाटर का महंगा होना और उसके लिए फिक्रमंद होना वाकई में कई बार लोगों के राष्ट्रवाद पर सवाल उठाता है। अरे भाई, कच्चा आम अपना है, इमली अपनी है। डालो न सब्जी में और चाहे चटनी बनाओ। दोनों अभी सस्ते भी हैं और हमारे शरीर के लिए टमाटर के मुकाबले कहीं ज्यादा फायदेमंद हैं।

कई साल पहले नैशनल बॉटनिकल रिसर्च सेंटर में एक साइंटिस्ट डॉ. पुष्पांगदन अपने मित्र थे। वह अक्सर समझाते थे कि भाई, टमाटर क्यों खाते हो ? तीन-चार सौ साल पहले ही यह लैटिन अमेरिका, मैक्सिको और पुर्तगाल होते हुए भारत पहुंचा था। बाद में जब यह अंग्रेजों को भाया तो उन्होंने इसकी खेती शुरू करा दी। फिर पाकिस्तान से इधर आए सिंधी पंजाबी भाइयों ने आजादी के समय प्याज-टमाटर के तड़कों से सारी दिल्ली में खुशबू फैला दी और यहां से उड़ी खुशबू सारे देश तक फैल गई। खैर जब फैली थी, तब फैल गई। काल, खंड और परिस्थितियों के हिसाब से शौक, स्वाद और मिजाज़ सब बदलता है। प्रखर राष्ट्रवाद के इस दौर में विद्वानों का यह फर्ज बनता है कि वह राष्ट्रवादी सब्जियों और फलों की लिस्ट अलग से बनाएं। उन्हें ही देसी माना जाए, जिनको अपने यहां खाए जाने का इतिहास कम से कम पांच हजार साल पुराना तो हो ही। इतिहास बदलने के इस दौर में इस दिशा पर भी काम हो।

जो भी लोग विदेश से आए या अपने यहां ही उगाए जा रहे एग्जोटिक फल-सब्जी खाते पाए जाएं, उन पर टैक्स भी लगा देना चाहिए, जीएसटी के साथ। इससे होने वाली आमदनी से देसी फल-सब्जी खानेवालों को सब्सिडी दी जा सकती है। वैसे भी, लैटिन अमेरिका से चले वहां के देसी टमाटर के स्वाद में इतना ज्यादा बदलाव हो चुका है कि क्या असली है और क्या नकली, इसका पता करना ही मुश्किल है। हमारे बचपन वाला टमाटर तो अब मिलता ही नहीं। इलाहाबाद में कमरा लेकर सिविल्स इक्जाम की तैयारी करनेवालों को भी अपनी दाल का तड़का अब बदल ही लेना चाहिए। वह टमाटर अब रहा ही कहां, जिसमें पान में महंगे किमाम जैसे इश्क का अहसास हो। बहरहाल इस शेर को समझिए और देसी सब्जी और फलों की जानकारी जुटाने में जुट जाइए-

यूसीसी पर नई बहस के बाद गर्म हुआ मुद्दा

यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान आचार संहिता के मामले में लॉ कमिशन ने एक बार फिर कंसल्टेशन पेपर जारी करने का फैसला किया है। उसने पब्लिक और धार्मिक संस्थाओं से राय मांगी है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में इसका समर्थन करके माहौल गरमा दिया है। उन्होंने कहा कि जब दो तरह के कानून से घर नहीं चलता तो देश कैसे चल सकता है। विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। अगले साल देश में आम चुनाव होने हैं। जाहिर है, आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो सकती हैं।

हमारे संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 44 के तहत समान नागरिक संहिता की व्यवस्था की थी, ताकि आगे चलकर सभी धर्म और संप्रदाय के लोगों के लिए एक जैसा पर्सनल लॉ बनाया जा सके। इसके मुताबिक, राज्य इस बात का प्रयास करेगा कि सभी नागरिकों के लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड हो। अभी देश भर में तमाम धर्मों के लिए अलग-अलग पर्सनल लॉ हैं जिनके हिसाब से विभिन्न समुदायों में शादी, तलाक, गुजारा भत्ता, विरासत आदि से जुड़े मसले तय होते हैं। कॉमन सिविल कोड के लागू होने पर देश भर के तमाम धर्मों और समुदायों के लोगों के लिए एक ही कानून होगा। यूनिफॉर्म सिविल कोड के समर्थक कहते हैं कि इसे लागू करने से कई तरह के लाभ हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ में बहुविवाह अर्थात चार निकाह करने की छूट है, लेकिन अन्य धर्मों में 'एक पति-एक पत्नी' का नियम लागू है। हिंदू, ईसाई और पारसी के लिए तो दूसरा विवाह अपराध है। भारतीय दंड संहिता की धारा 494 में इसके लिए 7 वर्ष की सजा का प्रावधान है। इसीलिए कई लोग दूसरा विवाह करने के लिए अक्सर इस्लाम अपना लेते हैं। विवाह की उम्र भी अलग-अलग धर्मों में अलग-अलग है। यह एक समान कर दी जाएगी और सबके लिए बालिग होने पर शादी का प्रावधान होगा तो लड़कियां पढ़ पाएंगी, अपने पैरों पर खड़ी हो पाएंगी। पैतृक संपति में पुत्र-पुत्री तथा बेटा-बहू को एक समान अधिकार प्राप्त होगा और संपत्ति को लेकर धर्म, जाति, क्षेत्र और लिंग आधारित विसंगति समाप्त होगी। अलग-अलग धर्मों के लिए अलग-अलग कानून होने के कारण अनावश्यक मुकदमेबाजी में उलझना पड़ता है। यूसीसी लागू होने से मुकदमेबाजी में कमी आएगी।हालांकि इससे पहले 31 अगस्त 2018 को पर्सनल लॉ और यूनिफॉर्म सिविल कोड पर कंसल्टेशन पेपर जारी करते हुए लॉ कमिशन ने कहा था कि यूनिफॉर्म सिविल कोड इस स्टेज पर न तो जरूरी है और न ही उचित। उसने यह जरूर कहा था कि लिव-इन रिलेशनशिप से पैदा हुए बच्चे को पिता की संपत्ति में अधिकार देने के लिए कानून बनाने की दरकार है। यह भी कि लड़का और लड़की की शादी की उम्र एक की जानी चाहिए। फिलहाल लड़की की शादी की उम्र 18 साल और लड़के की 21 साल है। वहीं तलाक के बाद संपत्ति का आधा हिस्सा महिला को देने के संबंध में भी सुझाव दिया गया था। हिंदू, मुस्लिम और ईसाई धर्मों से संबंधित पर्सनल लॉ में बदलाव के लिए पक्षकारों से पक्ष जानने के लिए डिटेल मांगी गई थी। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सुप्रीम कोर्ट कई बार अहम टिप्पणी कर चुका है। 1980 में बहुचर्चित मिनर्वा मिल्स केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक सिद्धांत के बीच सौहार्द और संतुलन संविधान का महत्वपूर्ण आधारभूत सिद्धांत है।1985 में शाहबानो केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह अत्यधिक दुख का विषय है कि हमारे संविधान का अनुच्छेद 44 मृत अक्षर बनकर रह गया है। 1995 में सरला मुद्गल केस में सुप्रीम कोर्ट ने फिर कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 के अंतर्गत व्यक्त की गई संविधान निर्माताओं की इच्छा को पूरा करने में सरकार और कितना समय लेगी? देश में समान नागरिक संहिता को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करने का कोई औचित्य नहीं है। 2017 में तीन तलाक से संबंधित शायरा बानो केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम भारत सरकार को निर्देशित करते हैं कि वह उचित विधान बनाने पर विचार करे। 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने जोस पाउलो केस में टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का कोई कारगर प्रयास अभी तक नहीं किया गया। अब यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर लॉ कमिशन ने सरकार से राय मांगी है। वैसे इसको लेकर जब पहली बार संविधान सभा में बहस हुई थी तब डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि व्यावहारिक रूप से इस देश में एक सिविल संहिता है जिसके प्रावधान सर्वमान्य हैं और समान रूप से पूरे देश में लागू हैं। लेकिन विवाह और उत्तराधिकार के मामलों में एक समान कानून लागू नहीं हैं। यह बहुत छोटा सा क्षेत्र है जिस पर हम समान कानून नहीं बना सके हैं। इसके लिए सकारात्मक बदलाव लाया जाए। वहीं संविधान सभा के सदस्य के.एम. मुंशी ने कहा, हम एक प्रगतिशील समाज हैं और ऐसे में धार्मिक क्रियाकलापों में हस्तक्षेप किए बिना हमें देश को एकीकृत करना चाहिए। संविधान सभा के सदस्य कृष्णास्वामी अय्यर ने कहा था कि कुछ लोगों का कहना है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड बन जाएगा तो धर्म खतरे में होगा और दो समुदाय मैत्री के साथ नहीं रह पाएंगे। इस अनुच्छेद का उद्देश्य ही मैत्री बढ़ाना है। समान नागरिक संहिता मैत्री को समाप्त नहीं, बल्कि मजबूत करेगी।

तय माना जा सकता है कि आने वाले दिनों में इसको लेकर बहस काफी जोर पकड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों से साफ है कि गेंद सरकार के पाले में है। ऐसे में आम चुनाव से पहले संसद के अंदर और बाहर तमाम राजनीतिक मंचों पर इसके पक्ष-विपक्ष में तीखी बहस सुनने को मिले तो क्या आश्चर्य!

गुरु पूर्णिमा पर करें आसान उपाय, नौकरी-बिजेनस में होगी उन्नति, कुंडली का गुरु दोष भी होगा दूर

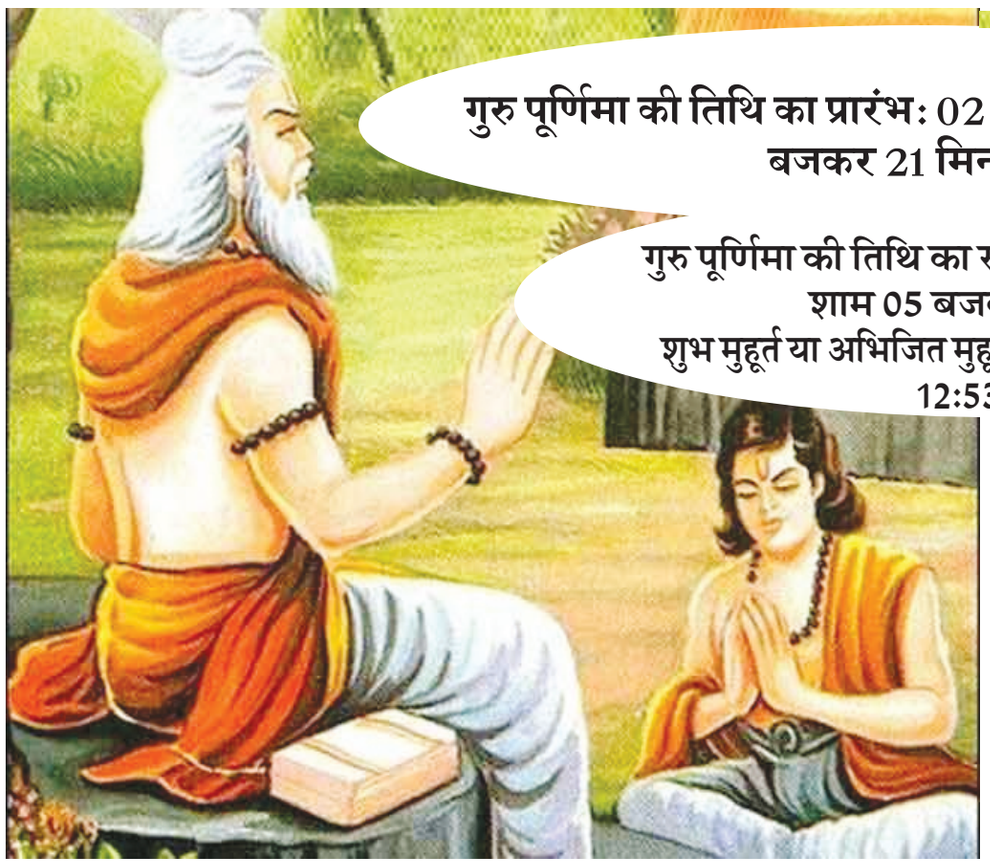

गुरु पूर्णिमा की तिथि का प्रारंभ: 02 जुलाई, रविवार, रात 08 बजकर 21 मिनट से

गुरु पूर्णिमा की तिथि का समापन: 03 जुलाई, सोमवार, शाम 05 बजकर 08 मिनट पर

शुभ मुहूर्त या अभिजित मुहूर्त: सुबह 11:57 बजे से दोपहर 12:53 बजे तक

करियर में उन्नति के लिए गुरु पूर्णिमा पर पीले वस्त्र, पीली दाल, केसर आदि का दान कर सकते हैं।

गुरु पूर्णिमा हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाते हैं। इस साल गुरु पूर्णिमा 03 जुलाई दिन सोमवार को है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपने गुरुजनों का आदर-सम्मान करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ पूर्णिमा को वेद व्याजी का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन को गुरु पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा कहते हैं। इस साल गुरु पूर्णिमा पर ब्रह्म और इंद्र योग बन रहे हैं। सुबह में 05:27 बजे से 06:47 बजे तक भद्रा का साया है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आप 5 आसान उपायों से अपने नौकरी और बिजनेस में उन्नति पा सकते हैं और कुंडली का गुरु दोष भी शांत हो सकता है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ। गणेश मिश्र से जानते हैं गुरु पूर्णिमा के ज्योतिष उपाय।

गुरु पूर्णिमा के ज्योतिष उपाय

1. यदि जीवन में अच्छा गुरु और कुंडली में मजबूत बृहस्पति न हो तो व्यक्ति की उन्नति संभव नहीं है, वह चाहे बिजनेस हो या नौकरी। ऐसे में आप गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु की पूजा करें। विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें। विष्णु पूजा में पंचामृत, तुलसी और पीले फूलों का उपयोग करें। गुड़, चने की दाल या फिर बेसन के लड्डू का भोग लगाएं। विष्णु कृपा से आपकी मनोकामना पूर्ण होगी।

2. गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपने पूजा घर में गुरु यंत्र की स्थापना करके पूजन करें। उसके बाद हर गुरुवार को विधिपूर्वक पूजा करें। इससे आपके जीवन में गुरु ग्रह का सकारात्मक प्रभाव बढ़ेगा, आपकी तरक्की होगी। कमजोर **गुरु ग्रह मजबूत होगा।**

3. गुरु पूर्णिमा के दिन आप अपने गुरु के पास जाएं। उनको प्रणाम करके घर पर भोजन के लिए आमंत्रित करें। भोजन, आदर-सत्कार आदि करने के बाद उनका आशीर्वाद लें। उपहार में पीले वस्त्र, धार्मिक पुस्तक दें। दक्षिणा देकर खुशीपूर्वक विदा करें। गुरु कृपा से बृहस्पति का दोष दूर होगा। भाग्य चमकेगा।

4. करियर में उन्नति के लिए गुरु पूर्णिमा पर पीले वस्त्र, पीली दाल, केसर, घी, पीतल, पीले रंग की मिठाई आदि का दान कर सकते हैं।

5. गुरु पूर्णिमा को घर के ईशान कोण यानि उत्तर-पूर्व दिशा को साफ करें। फिर उस पर हल्दी और पानी डालकर लेप कर दें। उसके बाद वहां घी के दीपक जलाएं। ईशान कोण का संबंध देव गुरु बृहस्पति से होता है। इस उपाय से घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

चातुर्मास के धार्मिक व वैज्ञानिक तथ्य-महत्व

देवशयनी एकादशी से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है। चातुर्मास अर्थात 4 माह की अवधि। इस बार अधिकमास होने से 5 माह तक यह काल चलेगा। इस काल में वर्षा ऋतु रहती है। चातुर्मास के काल को साधन, पूजा और व्रत के लिए उत्तम काल बताया गया है। आओ जानते हैं इन चार माहों का महत्व, नियम और सावधानियां।

चातुर्मास का धार्मिक महत्व : इन चातुर्मास से ही वर्षा ऋतु का प्रारंभ हो जाता है इसलिए भी इन चातुर्मास का महत्व है। इन चाह माह को व्रत, भक्ति, तप और साधना का माह माना जाता है। इन चाह माह में संतजन यात्राएं बंद करके आश्रम, मंदिर या अपने मुख्य स्थान पर रहकर ही व्रत और साधना का पालन करते हैं। इस दौरान शारीरिक और मानसिक स्थिति तो सही होती ही है, साथ ही वातावरण भी अच्छा रहता है। इन दिनों में साधना तुरंत ही सिद्ध होती है।

चातुर्मास में श्रीहरि विष्णु चार माह के लिए पाताल लोक में राजा बलि के यहां शयन करने चले जाते हैं और उनकी जगह भगवान शिव ही सृष्टि का संचालन करते हैं और तब इस दौरान शिवजी के गण भी सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में यह शिव पूजा, तप और साधना का होता है, मांगलिक कार्यों का नहीं।

चातुर्मास का वैज्ञानिक महत्व : इन चार महीनों में ऋतु परिवर्तन भी होता है। ऋति परिवर्तन होने और किटाणु एवं विषाणु बढ़ जाने से भी व्रत, उपवास, नियम और दान का महत्व बढ़ जाता है। क्योंकि इसी ऋतु में गंभीर रोग होने की संभावना रहती है। देवशयनी एकादशी के बाद चार महीने तक सूर्य, चंद्रमा और प्रकृति का तेजस तत्व कम हो जाता है। यह चार सेहत सुधारकर आयु बढ़ाने के माह भी होती है। यदि आप किसी भी प्रकार के रोग से ग्रस्त हैं तो आपको इन चार माह में व्रत और चातुर्मास के नियमों का पालन करना चाहिए।

चातुर्मास के नियम

चार माह यदि उपवास के नियमों का पालन कर लिया तो सभी तरह के रोग दूर हो जाएंगे। कुछ लोग चार माह तक एक समय भी भोजन करते हैं, जबकि साधक लोग फलाहार ही लेते हैं।

नियम का पालन कर सको तभी चतुर्मास करना चाहिए।

इस दौरान फर्श पर सोना और सूर्योदय से पहले उठना बहुत शुभ माना जाता है।

इस दौरान साधक लोग, फर्श या भूमि पर ही सोते हैं।

प्रतिदिन ध्यान, साधना या तप करते हैं। साधुजन योग, तप और साधना करते हैं आमजन भक्ति और ध्यान करते हैं।

चार माह ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। ऐसा करने से शक्ति का संचय होता है।

ब्रह्मचर्य में इंद्रीय संयम के साथ ही मानसिक संयम भी जरूरी है।

इन चार माह साधक लोग मौन ही रहते हैं। मौन से मन की शक्ति बढ़ती है।

यदि आप उपवास नहीं कर पा रहे हैं तो समय समय पर मौन रहकर लाभ उठा सकते हैं।

चातुर्मास में प्रतिदिन अच्छे से स्नान करते हैं।

उषाकाल में उठते हैं और रात्रि में जल्दी सो जाते हैं। इससे शरीर की घड़ी में सुधार होता है।

नित्य सुबह और शाम को प्रार्थना, पूजा या संध्यावंदन करते हैं।

नित्य विष्णुजी का ध्यान करते हैं। विष्णु जी के साथ ही लक्ष्मी, शिव, पार्वती, गणेश, पितृदेव, श्रीकृष्ण, राधा और रुक्मिणीजी की पूजा करते हैं।

आप चाहें तो अपने ईष्टदेव की पूजा, ध्यान या जप कर सकते हैं।

इन चार माह में साधुओं के साथ सत्संग करने से जीवन में लाभ मिलता है। सत्संग नहीं कर सकते हैं तो ऑनलाइन या अन्य साधनों से साधुओं प्रवचन सुनें।

इन चार माहों में यथा शक्ति दान करते हैं। दान में आप चावल, अन्न, छाता, कंबल और धन का दान कर सकते हैं।

इन चार माह के दौरान शुभ मुहूर्त में यज्ञोपवीत धारण करते हैं या उनका नवीनीकरण करते हैं।

उक्त चार माहों में पितरों के निमित्त पिंडदान या तर्पण करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है और पितृ दोष से छुटकारा मिलता है।

वास्तु टिप्स : बाथरूम में खाली बाल्टी रखने से क्या होगा?

वास्तु शास्त्र के अनुसार बाथरूम में बाल्टी रखने के भी नियम है कि किस रंग की हो और किस तरह की हो। यह भी कि भरी बाल्टी क्यों रखते हैं और खाली बाल्टी रखने से क्या होगा। आओ जानते हैं कि बाथरूम यानी की स्नानघर में खाली बाल्टी रखने से क्या होगा।

बाथरूम के मग और बाल्टी :-

बाथरूम में कभी भी काले, मटमेले, कत्थई और बैंगनी रंग के मग और बाल्टी नहीं होना चाहिए। स्नानघर में वास्तुदोष दूर करने के लिए नीले रंग के मग और बाल्टी का उपयोग करना चाहिए।

बाल्टी कभी भी खाली न रखें। बाथरूम में रखी खाली बाल्टी घर में नकारात्मक ऊर्जा लाती है। बाथरूम में भरी हुई बाल्टी रखना चाहिए जो कि सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण करती है।

खाली बाल्टी से किसी न किसी अभाव महसूस होता है जबकि भरी बाल्टी से प्रभाव महसूस होता है।

पानी का कारक चंद्र है और बाथरूम जल तत्व से संबंधित है। बाथरूम में पानी का अपव्यय करने से कुंडली में चंद्र कमजोर हो जाता है। हर व्यक्ति की आदतें अलग-अलग होती हैं। काफी लोग नहाने के बाद बाथरूम गंदा ही छोड़ देते हैं या बिना वजह पानी की बर्बादी करते हैं। ये आदत ज्योतिष के नजरिए से दुर्भाग्य बढ़ाने वाली है। इसकी वजह से चंद्र और राहु-केतु के दोष बढ़ते हैं।

चंदन, गुलाब या गूगल... किस राशि के लोग कौन सी अगरबत्ती लगाएं?

घर या मंदिर में अगरबत्ती या धूपबत्ती जलाने का प्रचलन है। मार्केट में कई तरह की सुगंधित अगरबत्तियां मिलती हैं। ज्यादातर में चंदन, गूगल, गुलाब, केवड़ा और चमेली की खुशबू का उपयोग किया जाता है। जानते हैं कि राशि अनुसार कौनसी अगरबत्ती जलाना शुभ मानी जाती है।

मेष : लाल चंदन की अगरबत्ती	**तुला :** लोभान की अगरबत्ती
वृषभ: जैस्मिन की अगरबत्ती	**वृश्चिक:** गूगल की अगरबत्ती
मिथुन: नीम की अगरबत्ती	**धनु :** केवड़ा की अगरबत्ती
कर्क: गुलाब की अगरबत्ती	**मकर:** चमेली की अगरबत्ती
सिंह : पीले चंदन की अगरबत्ती	**कुंभ:** कस्तूरी की अगरबत्ती
कन्या: केशर की अगरबत्ती	**मीन:** लैवेंडर की अगरबत्ती

1. षोडशांग धूप- हर खुशबू या सुगंध का अपना अगल महत्व होता है। तंत्रसार के अनुसार अगर, तगर, कुष्ठ, शैलज, शर्करा, नागरमाथा, चंदन, इलाइची, तज, नखनखी, मुशीर, जटामांसी, कर्पूर, ताली, सदलन और गुग्गुल ये सोलह प्रकार के धूप माने गए हैं। इसे षोडशांग धूप कहते हैं। इस लिस्ट में गुलाब का नाम नहीं है। चंदन और गुग्गुल या गूगल का नाम है।

2. गुग्गल की धूप- अक्सर गुरुवार को इसकी धूप घर में दी जाती है। गुग्गल की सुगंध से जहां आपके मस्तिष्क का दर्द और उससे संबंधित रोगों का नाश हो जाता है। इसे दिल के दर्द में भी लाभदायक माना गया है। इससे गृह कलह भी शांत हो जाता है। कहते हैं कि इस धूप से पारलौकिक या दिव्य शक्तियां आकर्षित होती है और व्यक्ति को उनसे मदद मिलती है।

3. चंदन की धूप- : चंदन के कई प्रकार हैं:- हरि चंदन, गोपी चंदन, सफेद चंदन, लाल चंदन, गोमती और गोकुल चंदन। जिस स्थान पर प्रतिदिन चंदन घीसा जाता है वहां का वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है।

जहां पर चंदन की खुशबू निरंतर रहती है वहां पर पितृदोष, कालसर्पदोष, वास्तुदोष और गृहकलह नहीं होता है। चंदन की सुगंध श्रीकृष्ण, शिव सहित सभी देवी और देवताओं को पसंद है।

निष्कर्ष : चंदन की अगरबत्ती या धूप बत्ती प्रतिदिन लगाई जा सकती है, लेकिन गुग्गल धूप या अगरबत्ती गुरुवार को लगाना ज्यादा फायदेमंद है। इसी के साथ षोडशांग धूप का महत्व है।

वीणा और ऐरावत शंख, दिमाग को करे तेज और चेहरे को बनाए कांतिमय

शंख को समुद्रज, कंबु, सुनाद, पावनध्वनि, कंबु, कंबोज, अब्ज, त्रिरेख, जलज, अर्णोभव, महानाद, मुखर, दीर्घनाद, बहुनाद, हरिप्रिय, सुरचर, जलोद्भव, विष्णुप्रिय, धवल, स्त्रीविभूषण, पाञ्चजन्य, अर्णवभव आदि नामों से भी जाना जाता है। स्वस्थ काया के साथ माया देते हैं शंख। शंख दैवीय के साथ-साथ मायावी भी होते हैं। शंखों का हिन्दू धर्म में पवित्र स्थान है। घर या मंदिर में शंख कितने और कौन से रखें जाएं इसके बारे में शास्त्रों में स्पष्ट उल्लेख मिलता है। शिवलिंग और शालिग्राम की तरह शंख भी कई प्रकार के होते हैं सभी तरह के शंखों का महत्व और कार्य अलग-अलग होता है। समुद्र मंथन के समय देव- दानव संघर्ष के दौरान समुद्र से 14 अनमोल रत्नों की प्राप्ति हुई। जिनमें आठवें रत्न के रूप में शंखों का जन्म हुआ। आओ जानते हैं वीणा और ऐरावत शंख के फायदे।

वीणा शंख :

1. विद्या की देवी सरस्वती भी शंख धारण करती है। यह शंख वीणा समान आकृति का होता है इसीलिए इसे वीणा शंख कहा जाता है।

2. माना जाता है कि इसके जल को पीने से मंदबुद्धि व्यक्ति भी ज्ञानी हो जाता है।

3. अगर वाणी में कोई दोष है या बोल नहीं पाते हैं तो इस शंख का जल पीने के साथ-साथ इसे बजाएं भी।

ऐरावत शंख :

1. इंद्र के हाथी का नाम ऐरावत है। यह शंख उसी के समान दिखाई देता है इसीलिए इसका नाम ऐरावत है।

2. यह शंख मूलतः सिद्ध और साधना प्राप्ति के लिए माना गया है।

3. माना जाता है कि रंग और रूप को निखारने के लिए भी इस शंख का उपयोग किया जाता है। इस शंख में 24 से 28 घंटे जल भर करके रखें और फिर उसको ग्रहण करेंगे तो चेहरा कांतिमय बन जाएगा। ऐसा प्रतिदिन कुछ दिनों तक करना चाहिए।

चातुर्मास की सावधानियां

उक्त चार माह बाल और दाढ़ी नहीं कटवाते हैं। इन 4 महीनों में क्रोध, ईर्ष्या, असत्य वचन, अभिमान आदि भावनात्मक विकारों से बचते हैं।

उक्त चार माह में यदि व्रत धारण करके नियमों का पालन कर रहे हैं तो यात्रा नहीं करते हैं।

इन चार माह में व्यर्थ वार्तालाप, झूठ बोलना, अनर्गल बातें, मनोरंजन के कार्य आदि त्याग देते हैं।

चार माह में विवाह संस्कार, जातकर्म संस्कार, गृहप्रवेश आदि सभी मंगल कार्य निषेध माने गए हैं।

चातुर्मास का व्रत रख रहे हैं तो यदि आप बीमार हो जाएं तभी व्रत का त्याग कर सकते हैं अन्यथा व्रत को खंडित नहीं करना चाहिए।

चातुर्मास में तेल से बनी चीजों का सेवन न करें, दूध, शकर, दही, तेल, बैंगन, पत्तेदार सब्जियां, नमकीन या मसालेदार भोजन, मिठाई, सुपारी, मांस और मदिरा का सेवन नहीं किया जाता। श्रावण में पत्तेदार सब्जियां यथा पालक, साग इत्यादि, भाद्रपद में दही, आश्विन में दूध, कार्तिक में प्याज, लहसुन और उड़द की दाल, आदि का त्याग कर दिया जाता है।

शादी के 11 साल, फिर भी नहीं बन पाईं मां, दुख-अफसोस में डूबीं पूजा भट्ट, बोलीं- 'बच्चा चाहती थी मगर...'

मशहूर डायरेक्टर महेश भट्ट की पहली पत्नी से बेटी पूजा भट्ट की जिंदगी काफी उतार-चढ़ाव से भरी रही है. उन्होंने फिल्मों से खूब नाम कमाया. एक्ट्रेस का करियर तो संतोषजनक रहा, पर निजी जिंदगी अधूरी सी रही. दरअसल, पूजा भट्ट की सौतेली बहन आलिया भट्ट 30 साल की उम्र में मां बनने का सुख प्राप्त कर चुकी हैं, जबकि पूजा भट्ट 51 साल की होने के बावजूद संतान सुख से महरूम हैं. एक्ट्रेस को दुख है कि वे मां नहीं बन पाईं. पूजा भट्ट इस समय ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर प्रसारित हो रहे 'बिग बॉस ओटीटी 2' में बतौर कंटेस्टेंट नजर आ रही हैं. उन्होंने अपनी 11 साल लंबी शादी के बारे में नए खुलासे किए और मां न बन पाने का कारण बताया. पूजा भट्ट ने वीजे मनीष मखीजा से साल 2003 में शादी की थी, मगर वे करीब 11 साल साथ बिताने के बाद अलग हो गए थे. पूजा भट्ट ने बेबिका धुर्वे से अपने दिल का हाल बयां किया. उन्होंने पूर्व पति मनीष मखीजा को अच्छा इंसान बताया. वे बोलीं, 'हमारे बीच सबकुछ ठीक होने के बावजूद कुछ कमी लगती थी. खुद से झूठ बोलकर कैसे जी सकते थे. यह ड्रेस रिहर्सल जैसा नहीं है.' एस्ट्रोलॉजर बेबिका धुर्वे ने पूजा भट्ट के पूर्व पति मनीष मखीजा के बारे में जानने के बाद कहा कि वे मकर राशि के हैं, जो बताता है कि वे अच्छे पिता बनते. पूजा भट्ट के चेहरे पर दर्द की रिखाएं खिंच आईं और खुलासा किया कि वे इसके लिए तैयार नहीं थीं. एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें बच्चे की चाह थी, पर वह उसे जन्म देने से कतरा रही थीं. वे इस मामले में झूठ बोलना नहीं चाहतीं. 51 साल की पूजा भट्ट साल 2014 में मनीष मखीजा से अलग हो गई थीं. उन्होंने एक्ट्रेस के तौर पर 17 साल की उम्र में 1989 की फिल्म 'डैडी' से डेब्यू किया था. उन्होंने फिर 'दिल है कि मानता नहीं', 'जुनून', 'सड़क' जैसी फिल्मों में काम किया. उन्होंने साल 2004 में डायरेक्टर के तौर पर फिल्म 'पाप' से शुरुआत की.

इस वजह से 'तारा' की 'सकीना' पर भड़के फैंस, सोशल मीडिया पर जमकर सुनाई खरी-खोटी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म 'गदर 2' को लेकर काफी बज बना हुआ है। 'तारा' के फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे है।अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था, जिसके बाद फैंस के बीच फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ गई है। टीजर में एक सीन दिखाया गया था, जिसमें तारा सिंह एक कब्र के सामने बैठकर रो रहे हैं। टीजर देखने के बाद फैंस को लग रहा था कि फिल्म में सकीना मर जाएंगी। अब इस पर सकीना का किरदार निभाने वाली अमीषा पटेल ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसे देखने के बाद फैंस अमीषा को खरी-खोटी सुना रहे हैं। अमीषा ने सोशल मीडिया पर उस सीन की एक तस्वीर शेयर की है, जिसके साथ उन्होंने एक स्पाइलर दे दिया है। अमीषा के पोस्ट पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। वह इस पोस्ट को बड़ा अपडेट मान रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए लिखा,'मेरे सारे प्यारे फैंस। आप में से बहुत से लोग गदर 2 के इस शॉट के बारे में यह सोचकर चिंतित हैं कि यह सकीना है जो मर गई है। तो बता दूं ऐसा नहीं है। ये कौन है मैं नहीं बता सकती हूं, लेकिन ये सकीना नहीं है। तो चिंता मत करिए। लव यू ऑल।'

अपने ओटीटी करियर पर बोले अनिल कपूर

अनिल कपूर इन दिनों अपने नई वेब सीरीज 'द नाईट मैनेजर 2' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस सीरीज में वह आदित्य रॉय कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। सीरीज के पहले भाग में दोनों अभिनेताओं की अदाकारी को खूब सराहा गया था। अब अनिल ने अपने ओटीटी स्पेस में जगह बनाने के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया है कि वह अपने करियर के इस चरण को कैसे पसंद कर रहे हैं।

हाल ही में दिए साक्षात्कार में अनिल ने ओटीटी क्रांति के बारे में बात की। उन्हें कई साल पहले ऐसा कुछ करने की याद आई। हालांकि, उनकी सीरीज '24' टेलीविजन पर प्रसारित की गई थी, इसलिए चाहे वह ओटीटी हो या बड़े पर्दे की फिल्में, अभिनेता को लगता है कि उन्होंने उन्हें केवल मंच के संदर्भ में नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखा है।

अनिल का कहना है कि उनके लिए एकमात्र महत्वपूर्ण बात वे निर्देशक और लेखक हैं, जिनके साथ वह काम कर रहे हैं और उनका ध्यान केवल अपने दर्शकों को अपने काम से खुश करने पर है। ओटीटी का आगमन पुनर्जागरण की तरह है। यह हर किसी के लिए सबसे अच्छा समय है। जिस तरह का काम उनके पास आ रहा है, वह बहुत अच्छा है। उन्होंने यह भी बताया कि ओटीटी के साथ एक चीज

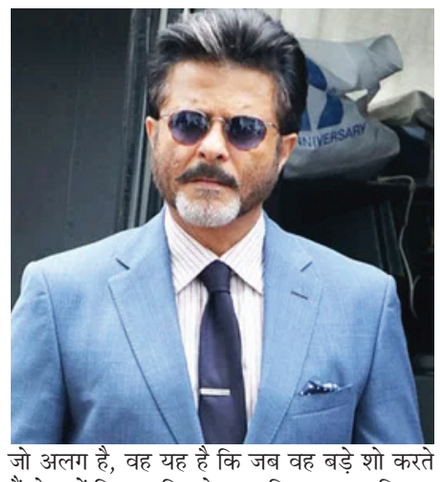

जो अलग है, वह यह है कि जब वह बड़े शो करते हैं तो उन्हें किरदार निभाने का अधिक अवसर मिलता है, क्योंकि जिस तरह से कहानी लिखी जाती है, वह अधिक विस्तार में होती है और उन्हें मिलता है। अधिक समय में यह बेहतर कहानी है और यह बहुत मजेदार है।

उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा हुआ है, जब उन्हें फिल्मों में काम करने के मुकाबले शो में काम करने में ज्यादा मजा आया। अनिल का कहना है कि '24' और 'द नाइट मैनेजर' ने उनकी फिल्मों से कहीं ज्यादा बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके अलावा अभिनेता के लिए यह सब समान है। उन्हें यह भी उम्मीद है कि उन्हें दस साल और काम करने का मौका मिलेगा।

स्पाई स्टार ने बताया, क्यों फ्लॉप हो रही 500 करोड़ी बॉलीवुड फिल्में? 15 करोड़ में बनी साउथ फिल्म हो जाती सुपरहिट

निखिल सिद्धार्थ तेलुगु सिनेमा के सबसे युवा और एक उभरते सितारे हैं. साउथ इंडस्ट्री में हैप्पी डेज से अपनी यात्रा शुरू करने वाले अभिनेता ने अपनी हालिया ब्लॉकबस्टर कार्तिकेय 2 के साथ पैन इंडियन स्टार के रूप में अपनी पहचान बनाई है. अब, उन्होंने एक और पैन-इंडियन फिल्म स्पाई के साथ बड़े पर्दे पर वापसी की है जिसे देशभर के लोग सराह रहे है. नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे ही रिलीज हुई, तुरंत ट्विटर पर इस फिल्म का रिव्यू बताया जाने लगा और ज्यादातर लोग इसका शानदार फीडबैक दे रहे हैं. इसी बीच अभिनेता ने एक इंटरव्यू में में स्पाई, कार्तिकेय 2 की सफलता और पैन इंडिया मार्केट के बारे में बातें की. एक इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने फिल्म से जुड़ी कई बातें साझा की है. यह पूछे जाने पर कि फिल्म के साथ स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस का क्या संबंध है? इस पर निखिल ने बताया, 'यह एक बायोपिक नहीं है, बल्कि नेताजी की फिल्म की कुछ घटनाएं, उनका गायब होना, कुछ अज्ञात तथ्य और बहुत कुछ के बारे में है.' निखिल सिद्धार्थ कहते हैं, 'हम उन घटनाओं के बारे में बात करते हैं जो घटित हुईं. इसमें देश की आजादी या नेताजी के इर्द-गिर्द चर्चा की गई है. फिल्म संपादक गैरी बीएच द्वारा निर्देशित, जो अपनी पहली फिल्म बना रहे हैं, राणा दग्गुबाती एक कैमियो में दिखाई देते हैं और फिल्म में अभिनव गोमातम, ईश्वर्या मेनन, आर्यन राजेश और सान्या ठाकुर भी अहम रोल में हैं.

आदिपुरुष विवादों में हैं और ऐसे में अभिनेता ने कहा कि हर फिल्म की तरह उन्हें स्पाई से भी डर लगता है लेकिन उन्होंने कहा कि इस पर कोई विवाद नहीं होगा क्योंकि यह एक साफ-सुथरी फिल्म है. उन्होंने यह भी बताया कि स्पाई एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजक फिल्म होगी. निखिल ने कहा, 'हर फिल्म की तरह, मेरे मन में भी कुछ डर थे. लेकिन फिल्म में केवल तथ्यों को बरकरार रखते हुए नेताजी की सच्चाई को दिखाया गया है और इतिहास के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है. यह फिल्म उनके जीवन में घटी कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं पर आधारित है.

कथा सत्यप्रेम की, भरोसा न्यू मिलेनियल्स का और संदेश ऐसा जो दिल को छू जाए

सत्यप्रेम की कथा रिव्यू

कलाकारः कार्तिक आर्यन , कियारा आडवाणी , गजराज राव , सुप्रिया पाठक , शिखा तलसानिया और राजपाल यादव
लेखक : करण श्रीकांत शर्मा
निर्देशक :समीर विद्वांस
निर्माता : साजिद नाडियाडवाला , शरीन मंत्री केडिया और किशोर अरोड़ा

समीर विद्वांस का नाम भले फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' के जरिये ही हिंदी सिनेमा के दर्शकों ने पहली बार सुना हो लेकिन मराठी सिनेमा पर नजर रखने वाले उनकी कलाकारी के बारे में खूब जानते हैं। उनकी बनाई फिल्म 'आनंदी गोपाल' जो देश की पहली महिला फिजीशियन की सच्ची कहानी कहती है, देश दुनिया में खूब सराही जा चुकी है। इसके पहले वह 'मला काहिच प्रॉब्लन नाही' और 'डबल सीट' से भी अपनी तरफ फिल्म जगत का ध्यान खींच चुके थे, लेकिन 'आनंदी गोपाल' ने उनका आत्मविश्वास न सिर्फ बढ़ाया बल्कि हिंदी फिल्म जगत के नामी फिल्म निर्माताओं में से एक साजिद नाडियाडवाला के दरवाजे भी उनके लिए खुल गए। 'सत्यनारायण की कथा' नाम से इस फिल्म का एलान साजिद ने तब किया था जब कार्तिक को फिल्म 'दोस्ताना 2' से निकाले जाने की खबर खूब सुर्खियां बना रही थी।

कथा सत्यप्रेम की

फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में सत्यप्रेम हीरो का नाम है और कथा नाम है इसकी नायिका का। यानी कि लैला मजनू, हीर रांझा, शीरी फरहाद, सपना वासू और राज सिमरन जैसा कुछ कुछ बनाने की कोशिश यहां की जा रही है। निर्देशक समीर विद्वांस के सुख दुख के साथी रहे हैं, उनके लेखक करण श्रीकांत शर्मा। दोनों ने मराठी सिनेमा से हिंदी सिनेमा तक आने की ये लंबी छलांग साथ साथ लगाई है। गैरहिंदी भाषी निर्देशकों का हिंदी फिल्में बनाना कोई नई बात नहीं हैं। हां, मनमोहन देसाई के जमाने में के के शुक्ला और कादर खान जैसे लोग कहानी का कनेक्शन गंगा जमुनी संस्कृति से जोड़े रखने में बड़ी भूमिका निभाते थे। समीर और करण के सामने फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में सबसे बड़ी चुनौती इसे उन इलाकों से जोड़ पाने की रही है जहां कहते हैं कि हिंदी फिल्मों का कारोबार मुंबई के बाद सबसे ज्यादा होता है। और, अपनी इस पहली हिंदी कोशिश में दोनों सफल भी होते दिख रहे हैं।

कार्तिक के सामने वरुण से आगे जाने की चुनौती

कहानी बहुत चौंकाने वाली नहीं है 'सत्यप्रेम की कथा' की, ये बात दर्शक फिल्म का ट्रेलर और इसके गाने देखकर समझ ही चुके हैं। करण जौहर ऐसी कहानियों के मास्टर रहे हैं। उनकी अगली फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का टीजर भी 'सत्यप्रेम की कथा' जैसा ही है। यहां सत्यप्रेम के सामने अपनी कथा को पाने, परिवार को मनाने और उसे खोने का डर मिटाने की चिंताएं हैं। वह अलमस्त युवा है। जमाने की परवाह उसे नहीं है।

कियारा के सहज अभिनय ने जीते दिल

कियारा आडवाणी निर्देशक की अदाकारा हैं। उनको निर्देशक अच्छा मिले तो वह दमक उठती हैं। यहां भी कियारा ने अपने अभिनय से अपने आलोचकों को चौंकाया है। वह सहज और सरल रहकर जब अपने संवाद बोलती हैं तो उनके चेहरे के भाव देखने लायक होते हैं। फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' का बजट संतुलित रखने के लिए की गई कसरत इसके सहायक कलाकारों में गजराज राव और सुप्रिया पाठक के अलावा शामिल कलाकारों में दिखती है। फिल्म के फ्लेवर के हिसाब से लिए गए ये कलाकार फिल्म का संबल बनने में मदद करते हैं।

ठोस सामाजिक संदेश देने में सफल रहे समीर

फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' विचार के स्तर पर ही एक दमदार फिल्म है। हालांकि, ध्यान से देखें तो ये फिल्म इसी तरह की कहानियों पर बनी शाहरुख खान, सलमान खान, अभिषेक बच्चन और ऋतिक रोशन की दर्जन भर फिल्मों के कॉकटेल जैसी ही है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफर अयांका बोस ने भी कुछ खास नई छवियां इस फिल्म में गढ़ी नहीं हैं। शाहरुख, सलमान, अभिषेक और ऋतिक की फिल्मों की सिनेमैटोग्राफर रही अयनांका ने कार्तिक की पिछली फिल्म 'फ्रेडी' में खूब प्रभावित किया था ।

16 साल में घर से भागे थे अमित साध

टीवी, फिल्में और ओटीटी एक्टर अमित साध का चेहरा आज हर प्लेटफॉर्म पर खासा पॉपुलर है। अमित ऑनस्क्रीन जितने कूल नजर आते हैं, वास्तव में उनका स्ट्रगल उतना ही परेशान करने वाला रहा है। कम उम्र में घर छोड़ कर भागे। 4 बार सुसाइड अटेम्प्ट किया क्योंकि जिंदगी में प्यार की कमी हमेशा खटकती रही। चौथी बार जब आत्महत्या करने पहुंचे तो मौत को सामने आता देख उन्हें एहसास हुआ कि जिंदगी में कुछ करना चाहिए।

घर से भागने के बाद कभी किसी के घर में नौकर की तरह काम किया, कभी सिक्योरिटी गॉर्ड बने। कभी कपड़े की दुकान पर काम किया तो कभी जूते के शो-रूम पर। दोस्तों को देख एक्टिंग का चस्का लगा। टीवी पर पहला ब्रेक भी जल्दी मिल गया, लेकिन फिल्मों में जगह बनाने के लिए बहुत संघर्ष किया। गुस्सा बहुत आता था, सो टीवी इंडस्ट्री के लोगों ने काम देना बंद कर दिया, रिलेशनशिप में भी ब्रेकअप हुआ। फिल्मों में काम मिला, फिर यहां भी साइड रोल मिलने लगे तो ओटीटी की तरफ रुख किया। ओटीटी ने अमित के करियर को नई दिशा दी।

घरवालों का प्यार नहीं मिला तो घर से भाग गए

अमित कहते हैं, सांवले रंग की वजह से मैं बचपन में किसी से भी बात नहीं करता था। छोटा ही था, तभी पिता जी की मौत हो गई। हमेशा से गुस्सैल स्वभाव का था क्योंकि कभी पेरेंट्स ने मुझ पर ध्यान ही नहीं दिया। यही वजह थी कि 16 साल की उम्र में घर से भाग गया।

यहां से निकलने के बाद मैंने सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी की। यहां 3 महीने तक काम करने के बाद एक दिन छत से कूदकर जान देने की कोशिश की थी। इस बार भी सफल नहीं हो पाया। चौथी बार कोशिश तब की, जब मैं किदवई नगर, दिल्ली में रहता था। एक दिन रेलवे ट्रैक पर गया और लेट गया। सामने से ट्रेन आ रही थी, तभी दिमाग में ख्याल आया कि मरना नहीं है बल्कि कुछ करना है। वहां से चला आया। इसके बाद मुझे कभी भी सुसाइड के ख्याल नहीं आए, लेकिन जब उन दिनों को याद करता हूं तो लगता है कि मैं कितना गलत था।

मैं जवाहरलाल स्टेडियम के सामने लोधी कॉलोनी में एक बरसाती में 3 लोगों के साथ रहने लगा। कॉलोनी के पीछे एक कपड़े की दुकान थी वहां पर मैं 900 रुपए महीने की सैलरी पर नौकरी करने लगा। दुकान के मालिक का नाम विक्की था।

गोविंदा ने माधुरी दीक्षित के लिए जताया प्यार बोले- 'सुनीता न होतीं, तो मैं उन पर ही डालता डोरे'

90 के दशक के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक रहे गोविंदा अपनी फिल्मों के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहे हैं। सुनीता आहूजा से सगाई के बाद भी एक्ट्रेस नीलम कोठारी संग रिश्ते से लेकर, रवीना टंडन, रानी मुखर्जी और करिश्मा कपूर जैसी कई हसीनाओं के साथ उनके लिंकअप रूमर्स की खूब चर्चा रही थी। हालांकि, अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में गोविंदा ने बताया है कि अगर सुनीता नहीं होतीं, तो वह माधुरी दीक्षित संग भाग्य आजमाते।

सुनीता न होतीं, तो माधुरी दीक्षित संग शादी करते गोविंदा!

'बॉलीवुड बबल' के साथ हुए अपने हालिया इंटरव्यू में गोविंदा ने अपनी सभी को-एक्ट्रेसेस के बारे में खुलकर बात की। इसके बाद एक रैपिड-फायर सेशन में जब अभिनेता से उनकी पसंदीदा सह-अभिनेत्री के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने तुरंत रेखा और माधुरी दीक्षित का नाम लिया। इसके साथ ही गोविंदा ने कहा कि अगर वह अपनी होने वाली पत्नी सुनीता के साथ कमिटेड न होते, तो वह निश्चित रूप से माधुरी दीक्षित पर फिदा होते।

उनके शब्दों में, "इतने साल का करियर है इन लोगों (रेखा-माधुरी) का और वे बहुत सुंदर हैं। ऐसे लोग अंदर से भी सुंदर होते हैं और उनकी सुंदरता कभी खत्म नहीं होती। देखा जाए तो ये लोग वैसे ही हैं, जैसे पहले थे। सुनीता नहीं होतीं, तो पक्का मैंने माधुरी जी पर डोरे डाले होते।"

जब गोविंदा ने सुनीता को धोखा देने पर अपनी मां की चेतावनी को किया था याद

'बॉलीवुड बबल' के साथ ही अपने एक पुराने इंटरव्यू में गोविंदा ने अपनी पत्नी सुनीता आहूजा के साथ अपनी डेटिंग लाइफ के शुरुआती दिनों को याद किया था। इसके बारे में बात करते हुए उन्होंने सुनीता को धोखा देने की बात पर अपनी मां की चेतावनी का खुलासा किया था। उन्होंने बताया था, "अरे उन्होंने मुझसे कहा था कि 'तू भीख मांगेगा अगर तू इसे धोखा देगा'। मैंने कहा, 'आप इतना प्यार करती हैं?।' तो उन्होंने कहा था, 'सच में वो लक्ष्मी है'।"

जब टूट गई थी गोविंदा और सुनीता की सगाई

बताया जाता है कि एक बार सुनीता से लड़ाई करने के बाद गोविंदा ने गुस्से में उनसे सगाई तक तोड़ ली थी। गोविंदा ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था, 'और सुनीता ने अगर 5 दिनों बाद मुझे फोन नहीं किया होता और मनाया नहीं होता, तो शायद मैं नीलम (नीलम कोठारी) से शादी कर चुका होता।'

24 साल की उम्र में हुई थी गोविंदा और सुनीता की शादी

बता दें कि गोविंदा ने साल 1987 में सुनीता से शादी रचाई थी। तब गोविंदा की उम्र महज 24 साल थी। वहीं, सुनीता उस वक्त सिर्फ 18 साल की थीं। हालांकि, तब से उनका रिश्ता हर गुजरते दिन के साथ और मजबूत हुआ है। फिलहाल, गोविंदा और सुनीता अपने दो बच्चों यशवर्धन और टीना आहूजा के साथ अपनी फैमिली लाइफ एंजॉय कर रहे हैं।

जब नेहा धूपिया ने स्क्वैश प्लेयर ऋत्विक भट्टाचार्य संग ब्रेकअप पर की थी बात, 10 साल तक किया था डेट

नेहा धूपिया बी-टाउन की ऐसी अदाकारा हैं, जिन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में बतौर लीड एक्ट्रेस खुद को स्थापित करने के साथ-साथ टीवी की दुनिया में भी खूब नाम कमाया है। उन्होंने 'कयामतः सिटी अंडर थ्रेट', 'क्या कूल हैं हम', 'चुप चुप के', 'दस कहानियां' जैसी फिल्मों में कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया है। पर्सनल लाइफ की बात करें, तो उन्होंने एक्टर अंगद बेदी से शादी की है और दोनों की एक बेटी मेहर और बेटा गुरिक हैं।

नेहा धूपिया का भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी ऋत्विक भट्टाचार्य के साथ रिश्ता

साल 2018 में अंगद बेदी से शादी करने से पहले, नेहा कई रिश्तों में रही थीं, जिनमें से एक लोकप्रिय भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी ऋत्विक भट्टाचार्य भी हैं। दोनों की मुलाकात साल 2000 के आसपास हुई थी और उन्होंने 10 साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। ऋत्विक और नेहा दोनों सार्वजनिक रूप से भी साथ आने से नहीं हिचकते थे। कई बार उन्हें एक साथ देखा गया था। हालांकि, 2010 में उनका ब्रेकअप हो गया था।

जब नेहा धूपिया ने ऋत्विक भट्टाचार्य से अपने ब्रेकअप पर की थी बात

नेहा और ऋत्विक दोनों ने ही अपने रिश्ते पर चुप्पी साध रखी थी। हालांकि, ब्रेकअप के काफी समय बाद नेहा ने 'डीएनए' के साथ एक साक्षात्कार में अपने ब्रेकअप की पुष्टि की थी। उन्होंने बताया था कि वे दोनों लंबे समय तक रिश्ते में रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने अलग होने का फैसला कर लिया था। उनके शब्दों में, "हम लंबे समय से रिश्ते के अंदर और बाहर रहे हैं। हम अब साथ नहीं हैं और मैं सिंगल हूं। अगर उन्होंने अपने लिए अच्छा किया है, तो मैं उनके लिए खुश हूं, लेकिन उस पर चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है। मैं जीवन में खुशी-खुशी आगे बढ़ गई हूं।"

जब अंगद बेदी ने नेहा धूपिया को इम्प्रेस करने के लिए खरीदी थी कार

इस समय नेहा अपने प्रिय पति अंगद बेदी और दो प्यारे बच्चों मेहर व गुरिक के साथ अपने जीवन के हर पल का आनंद ले रही हैं। कपल अपनी लाइफ के बारे में अक्सर खुलकर बात करता नजर आता है। उदाहरण के लिए 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ एक साक्षात्कार में अंगद बेदी ने एक बार खुलासा किया था कि कैसे उन्होंने अपनी तब की गर्लफ्रेंड नेहा धूपिया को इम्प्रेस करने के लिए लोन पर एक कार खरीदी थी।

उनके शब्दों में, मुझे याद है, एक बार हमारे एक प्रोजेक्ट के बाद...हम बाहर घूम रहे थे, जब उन्होंने (नेहा) मुझे बताया कि उन्हें एक कार कितनी पसंद है और उसके बाद मेरे जीवन का लक्ष्य इसे खरीदना था। भले ही इसे मुझे उधार पर लेना पड़े। इसलिए जब मैंने इसे खरीदा, तो हम सबसे पहले गुरुद्वारे गए। वह मेरी कार में बैठने वाली पहली व्यक्ति थीं और आज, हमारे बच्चे भी इसमें यात्रा करते हैं।"

बता दें कि नेहा धूपिया और अंगद बेदी ने कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद 2018 में एक प्राइवेट सेरेमनी में गुरुद्वारे में शादी कर ली थी। फिलहाल, दोनों अपनी फैमिली लाइफ एंजॉय कर रहे हैं।

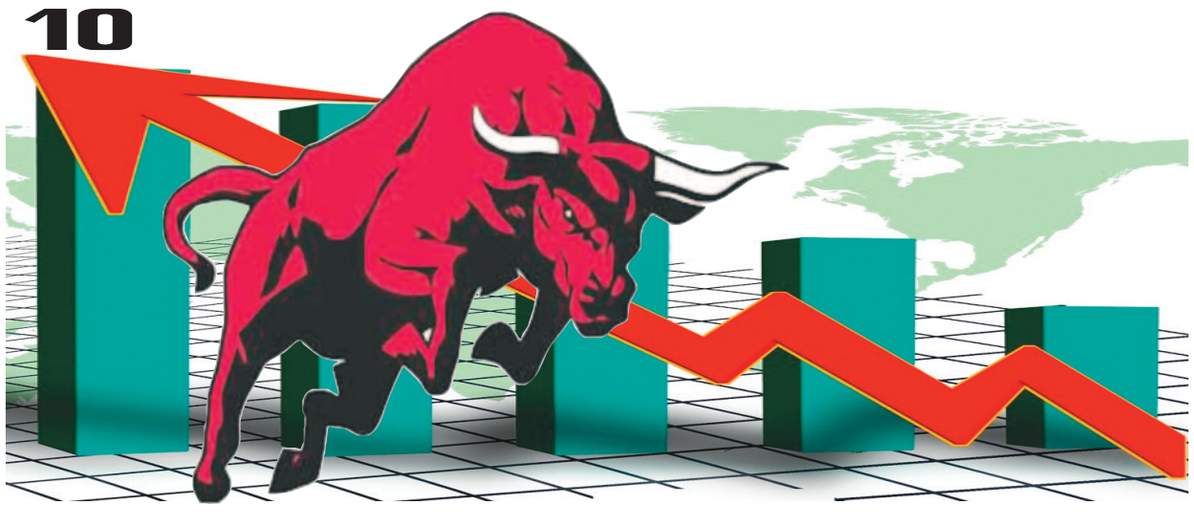

एलपीजी के रेट में बदलाव नहीं

1103 रुपए में बिक रहा रसोई और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 1773 में

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। एक जुलाई यानी आज एलपीजी सिलेंडर के नए रेट जारी कर दिए गए हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, 14.2 किलो वाले रसोई गैस सिलेंडर और 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश की राजधानी नई दिल्ली में रसोई यूज वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम 1103 रुपये और कॉमर्शियल यूज वाले सिलेंडर के दाम 1773 रुपये पर बने हुए हैं। इसके अलावा, देश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले शहर मुंबई में रसोई गैस सिलेंडर के दाम 1102.50 रुपये और कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 1725 रुपये पर बरकरार है। कोलकाता में एक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1129 रुपये

पर स्थिर है। जबकि कॉमर्शियल यूज वाले सिलेंडर की कीमत 1875.50 रुपये है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, चेन्नई में एक एलपीजी रसोई गैस सिलेंडर 1118.50 रुपये में बिक रहा है। जबकि कॉमर्शियल 1937 रुपये में बिक रहा है।

कब बढ़े थे कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम

कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में सरकार ने कई महीने के दौरान बदलाव किया है। पिछले महीने जून के दौरान कॉमर्शियल यूज वाले सिलेंडर के दाम 83 रुपये कम हुए थे।

वहीं मई के दौरान भी कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में गिरावट देखने को मिली थी और एक सिलेंडर की कीमत 1856.50 रुपये पर पहुंच गई थी। वहीं अप्रैल के दौरान एक कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2028 रुपये थी। मार्च में इसकी कीमत सबसे ज्यादा 2119.50 रुपये पर थी। जनवरी और फरवरी के दौरान एक कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1769 रुपये पर थे।

रसोई गैस के दाम कब बदले थे?

पिछले कुछ महीने से रसोई गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मार्च में एक एलपीजी सिलेंडर में 50 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। वहीं उससे पहले पिछले साल 6 जुलाई को रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव किया गया था। 1053 रुपये देश की राजधानी नई दिल्ली में मार्च तक रसोई गैस सिलेंडर के प्राइस थे, जिसमें 50 रुपये की बढ़ोतरी हुई और अब ये 1103 रुपये प्रति सिलेंडर बिक रहे हैं।

ट्विन बैलेंस शीट की समस्या से उबरी अर्थव्यवस्था

वित्त मंत्री बोलीं- बैंक अब मुनाफे में हैं

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब ट्विन बैलेंस शीट की समस्या से उबर गई है और अब बैंक और कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं। वित्त मंत्री ने इसका श्रेय केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों को दिया। वित्त मंत्री ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का वित्तीय वर्ष 2022-23 में मुनाफा 1.04 लाख करोड़ रुपए रहा, जो कि 2014 के मुकाबले तीन गुना ज्यादा है।

अर्थव्यवस्था को मिल रहा फायदा

पंजाब एंड सिंध बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के नतीजे में, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ट्विन बैलेंस शीट की समस्या दूर हो गई है। रिजर्व बैंक ने भी कहा है कि अब ट्विन बैलेंस शीट फायदे में दिख रही है और भारतीय अर्थव्यवस्था को भी इसका फायदा मिल रहा है।

क्या होती है ट्विन बैलेंस शीट समस्या ट्विन बैलेंस शीट की समस्या से अर्थ उन कंपनियों से है जो कर्ज में डूबी हैं और बैंकों का कर्ज चुकाने में भी असमर्थ होती हैं। कंपनियों द्वारा कर्ज नहीं चुकाने से बैंकों की बैलेंस शीट भी गड़बड़ा जाती है और एनपीए बढ़ता है।

मुकेश अंबानी की कंपनी विदेशी बैंकों से 1.5 अरब डॉलर तक का लेगी कर्ज

5जी नेटवर्क के लिए है खास प्लान

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जियो को लेकर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की योजना ज्यादा फंड जुटाने की नजर आ रही है। इसी कारण विदेशी बैंकों से कंपनी ने संपर्क किया है। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, 5जी नेटवर्क को लेकर रिलायंस जियो इस फंड का इस्तेमाल करेगी। रिलायंस जियो का प्लान इसी साल की शुरुआत तक 5जी नेटवर्क पर ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू करने की योजना है। भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी की टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो इंफोकॉम ने कर्ज लेने के लिए ग्लोबल बैंकों से संपर्क किया है। कंपनी करीब 1-1.5 अरब डॉलर का कर्ज जुटाएगी। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस लोन का इस्तेमाल 5 जी नेटवर्क गियर खरीदने के अलावा अन्य कई कामों के लिए किया जाएगा। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, जेपी मॉर्गन चेज, सिटी, एचएसबीसी और जैसे ग्लोबल लेंडर्स जियो के लिए लगभग 3-5 साल के कर्ज की व्यवस्था करने के लिए तैयार हैं, जिसकी कीमत सुरक्षित ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट (एसओएफआर) से अधिक होने की संभावना है। लोन का प्राइस एसओएफआर से करीब 100 से 150 अंक ऊपर हो सकता है। इसके अलावा यूरोपीय एक्सपोर्ट क्रेडिट एजेंसी फिनवेरा जियो को ऑफशोर लोन देने के लिए कर्जदाताओं को गारंटी जारी कर सकती है।अंबानी की Jio पिछले अक्टूबर से तेजी से अपने 5जी कवरेज का विस्तार कर रही है। टेलीकॉम ऑपरेटर पहले ही देश के लगभग 5,700 शहरों और कस्बों में 5जी सेवाएं शुरू कर चुका है। जियो का कहना है कि 25 अरब डॉलर का संचयी 5जी निवेश करेगा, जिसमें 11 अरब डॉलर 5जी स्पेक्ट्रम लेने का खर्च शामिल है। जियो एकमात्र भारतीय दूरसंचार ऑपरेटर है, जिसने भारत की 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी में 700 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के लिए आवेदन किया है। जियो अपने 5जी के लिए यूरोपीय नेटवर्क सेलर एरिक्सन और नोकिया के साथ काम कर रहा है। टेलीकॉम ऑपरेटर नोकिया से उपकरणों की खरीद के लिए 1.6 बिलियन डॉलर जुटाना की भी इच्छा जाहिर कर चुका है।

सरकार पर बढ़ा बाहरी कर्ज

विदेशी मुद्रा और सोने के भंडार में गिरावट

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार पर बाहरी कर्ज 2022-23 के दौरान 5.6 अरब डॉलर से बढ़कर 624.7 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, जीडीपी और कर्ज के अनुपात में गिरावट आई है। आरबीआई के शुक्रवार के आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 में सरकार पर कुल 619.1 अरब डॉलर का बाहरी कर्ज था। पिछले वित्त वर्ष में जीडीपी और कर्ज का अनुपात 18.9 फीसदी रह गया, जो 2021-22 में 20 फीसदी रहा था। उधर, केंद्र का राजकोषीय घाटा मई अंत में 2023-24 के पूरे साल के बजट अनुमान का 11.8 फीसदी रहा। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2022-23 के बजट अनुमान का 12.3 फीसदी रहा था। राजकोषीय घाटे से संकेत मिलता है कि सरकार को कुल कितने कर्ज की जरूरत है। लेखा महानियंत्रक के आंकड़ों के मुताबिक, वास्तविक घाटा मई अंत में 2,10,287 करोड़ रुपये रहा। बजट में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 5.9 फीसदी पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। 2022-23 में यह 6.4 फीसदी रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों के लिए केंद्र का शुद्ध कर राजस्व 2.78 लाख करोड़ या बजट अनुमान का 11.9 फीसदी रहा। कुल खर्च 6.25 लाख करोड़ रुपये या बजट अनुमान का 13.9 फीसदी रहा।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.9 अरब डॉलर घटा

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 जून को समाप्त सप्ताह में 2.901 अरब डॉलर घटकर 593.198 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले सप्ताह मुद्रा भंडार 2.35 अरब डॉलर बढ़ा था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 23 जून वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 2.212 अरब डॉलर घटकर 525.44 अरब डॉलर रह गई। इस दौरान सोने का भंडार 74.5 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 44.304 अरब डॉलर रह गया।

15 दिन में घटेगी टमाटर की कीमतें

अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क हटाने से बागवान नाराज

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। उत्पादन केंद्रों से आपूर्ति बढ़ने से टमाटर की आसमान छूती कीमतें 15 दिन में घट जाएंगी। खुदरा कीमतें दिल्ली में तुरंत कम होंगी, क्योंकि हिमाचल प्रदेश के सोलन व सिरमौर से टमाटर की आपूर्ति तेज हो गई है। देश के कई हिस्सों में टमाटर की कीमतें 120 रुपये किलो तक पहुंच गई हैं। हालांकि, उपभोक्ता मंत्रालय के अनुसार औसत दाम 56 रुपये किलो है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा, हर साल इस समय टमाटर की कीमतें बढ़ जाती हैं। हर देश में प्रत्येक कृषि उत्पादों का मूल्य मौसम के आधार पर ऊपर नीचे होता है।

कीमतों पर काबू के लिए 35% अधिक दाल खरीदेगा भारत

कम उत्पादन के बीच तुअर दाल की कीमतों पर काबू पाने के लिए भारत चालू वित्त वर्ष में 35 फीसदी या 12 लाख टन अधिक दाल का आयात करेगा उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार ने कहा, तुअर दाल हमें परेशानी दे रही है। पिछले साल के स्तर की तुलना में इसकी अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 25 फीसदी बढ़कर 128.66 रुपये प्रति किलोग्राम है। आयात शुरू होने के बाद यह कम होने लगेगी।

अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क हटाने से बागवान नाराज

केंद्र ने अमेरिका से आयात होने वाले सेब पर आयात शुल्क में 20 फीसदी की कटौती की है। इससे सेब उत्पादन में अग्रणी हिमाचल व जम्मू-कश्मीर के बागवानों में नाराजगी है। इनका कहना है कि शुल्क में कटौती से देसी सेबों के दामों में भारी गिरावट आएगी। हिमाचल व जम्मू-कश्मीर के बागवान सरकार से विदेशी सेब के आयात शुल्क को दोगुना करने की मांग कर रहे थे। हिमाचल के बागवानों ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से यह मुद्दा केंद्र के समक्ष उठाने को की मांग की है। मुख्यमंत्री ने मुद्दे को केंद्र के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया है। बागवानों का कहना है कि चार साल पहले केंद्र सरकार ने जब आयात शुल्क में बढ़ोतरी की थी, तब विदेशी सेब की आवक कम हो गई थी। संयुक्त किसान मंच हिमाचल के पदाधिकारियों का कहना है कि शुल्क में कटौती का केंद्र सरकार का यह कदम अन्यायपूर्ण है।

हिमाचल के कारोबार पर पड़ेगा विपरीत असर

अमेरिकी बाजार से सस्ता सेब मिलने से हिमाचल के सेब की खरीद पर विपरीत असर पड़ेगा। हिमाचल में 5 लाख से अधिक लोग सेब बागवानी से जुड़े हैं। सालाना 4 करोड़ पेटियों के उत्पादन से 5,000 करोड़ और कश्मीर में 7,000-8,000 करोड़ का कारोबार होता है।

बागवानों की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा असर

बागवानों ने कहा, अमेरिका में बागवानी आधुनिक तरीके से होती है। अमेरिकी सेब देखने में आकर्षक होते हैं, जबकि भारत में सेब की बागवानी चुनौतिपूर्ण है। इसलिए, इसकी उत्पादन लागत अमेरिकी सेब से अधिक होती है। आयात शुल्क में कटौती के फैसले से घरेलू बागवानों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी सेब का आयात बढ़ने से क्षेत्र के कई बागवान सेब बागवानी छोड़ कुछ और काम करने लगे हैं।

शेयर बाजार ने 6 महीने में कराई 14 लाख करोड़ की कमाई, इन 10 बड़े शेयरों ने कर दिया कमाल

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। साल का छठा महीना यानी जून समाप्त हो चुका है। इस तरह साल 2023 आधा बीत चुका है। घरेलू शेयर बाजार के लिएये 6 महीने बहुत ज्यादा ठीक तो नहीं रहे हैं, लेकिन बीते कुछ दिनों में बाजार रैली की राह पकड़ता दिख रहा है। हालांकि मामूली तेजी के बाद भी घरेलू शेयर बाजार के इन्वेस्टर्स को कमाई जबरदस्त हुई है।इस साल दोनों प्रमुख घरेलू शेयर सूचकांकों में अब तक करीब 6-6 फीसदी की तेजी आई है, जबकि जून महीने के दौरान ये करीब 4-4 फीसदी ऊपर उठे हैं। 30 जून को बीएसई सेंसेक्स 800 अंकों से ज्यादा की छलांग लगाकर 64,715 अंक के पार निकल गया। कारोबार के दौरान यह 64,768.58 अंक के उच्च स्तर तक पहुंचा, जो पिछले 52 सप्ताह का इसका नया उच्च स्तर है। वहीं निफ्टी 30 जून को करीब 217 अंक यानी 1.14 फीसदी की छलांग लगाकर 19,190 अंक के पास बंद हुआ। यह निफ्टी का नया उच्च स्तर है।साल 2023 के पहले छह महीने के दौरान आई तेजी से इन्वेस्टर्स को खासा फायदा हुआ है। इन 6 महीनों में शेयर बाजार के निवेशकों की दौलत में 14.07 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। इस दौरान बाजार के कुछ बड़े शेयरों ने जबरदस्त परफॉर्म किया। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से लार्ज कैप कैटेगरी में आने वाले इन 10 शेयरों के भाव बीते छह महीने के दौरान 60 फीसदी तक ऊपर गए हैं।जनवरी से जून 2023 के दौरान लार्ज कैप कैटेगरी में सबसे ज्यादा तेजी एबीबी इंडिया के शेयरों में आई है। इसका भाव 60 फीसदी से ज्यादा चढ़ा है। वहीं चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी और टाटा मोटर्स के शेयरों में इस दौरान 50-50 फीसदी की तेजी आई है।

जून 2023 में हुआ रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन

12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मिले 1.61 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जून 2023 में रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन हुआ है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि जून 2023 में कुल 1,61,497 करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन हुआ है। इसमें बीते साल जून के मुकाबले 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि देश में जीएसटी लागू होने के बाद चौथी बार है जब जीएसटी कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ रुपए के पार गया है। जीएसटी एक जुलाई 2017 को लागू किया गया था। वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 की पहली तिमाही में औसत मासिक जीएसटी कलेक्शन क्रमशः 1.10 लाख करोड़, 1.51 लाख करोड़ और 1.69 लाख करोड़ रुपए रहा।

विलय के बाद एचडीएफसी की परिसंपत्ति 18 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हुई, कंपनी जगत का सबसे बड़ा सौदा

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। हाउसिंग फाइनेंस की दिग्गज कंपनी एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक का आज विलय हो जाएगा। दोनों कंपनियों को बोर्ड सदस्यों ने शुक्रवार को इस विलय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। एचडीएफसी बैंक ने एक बयान में कहा है कि एचडीएफसी बैंक के बोर्ड निदेशक और एचडीएफसी लिमिटेड के बोर्ड निदेशक के बीच बातचीत के बाद 13 जुलाई 2023 को एचडीएफसी लिमिटेड के शेयरधारकों को एचडीएफसी बैंक के शेयर आवंटित कर दिए जाएंगे।

कुल परिसंपत्ति बढ़कर 18 लाख करोड़ रुपए हुई

बोर्ड ने नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर्स को ट्रांसफर करने की तारीख 12 जुलाई तय की है। वहीं सात जुलाई को एचडीएफसी लिमिटेड के कमर्शियल पेपर्स को एचडीएफसी बैंक के नाम पर ट्रांसफर कर दिया जाएगा। एचडीएफसी लिमिटेड के एचडीएफसी बैंक में विलय को भारतीय कंपनी जगत की सबसे बड़ी डील बताया जा रहा है। बता दें कि 4 अप्रैल 2022 को एचडीएफसी बैंक ने अपनी पेरेंट कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड का अधिग्रहण करने का एलान किया था। 40 बिलियन डॉलर में यह डील हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक की कुल परिसंपत्ति बढ़कर 18 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की हो जाएगी।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मार्च 2023 में दोनों कंपनियों का कुल लाभ करीब 60 हजार करोड़ रुपए रहा था। एचडीएफसी के संयुक्त शेयरों का वेटेज करीब 14 प्रतिश होगा, जो कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों के वेटेज 10.4 प्रतिशत से भी ज्यादा है।

एचडीएफसी बना दुनिया का चौथा सबसे बड़ा वित्तीय संस्थान

मार्च 2023 में एचडीएफसी लिमिटेड का कुल कारोबार 41 लाख करोड़ रुपए रहा और कंपनी की कुल परिसंपत्ति 4.14 लाख करोड़ रुपए है। विलय के बाद एचडीएफसी बैंक बाजार पूंजीकरण के मामले में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा वित्तीय संस्थान बन जाएगा। जेपी मोर्गन चेज एंड कंपनी, इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना लिमिटेड, बैंक ऑफ अमेरिका कोर्प अभी दुनिया की तीन सबसे बड़े वित्तीय संस्थान हैं।

3 ट्रिलियन मार्केट-कैप वाली दुनिया की पहली कंपनी बनी एपल

कंपनी का स्टॉक करीब 194 डॉलर का हुआ, इस साल अब तक 55% चढ़ा शेयर

कैलिफोर्नियी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की मल्टीनेशनल टेक्नोलॉजी कंपनी एपल का शेयर शुक्रवार को नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। 30 जून को एपल का शेयर 4.38 डॉलर यानी 2.31% बढ़कर 193.97 डॉलर पर बंद हुआ। यह एपल के शेयर का ऑल टाइम क्लोजिंग हाई है।एपल का मार्केट कैप भी पहली बार 3 ट्रिलियन डॉलर (3.05 ट्रिलियन डॉलर) के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही एपल यह आंकड़ा पार करने वाली दुनिया की पहली कंपनी भी बन गई है। इतना ही नहीं ट्रेडिंग सेशन के दौरान एपल के शेयर ने 194.48 डॉलर का नया ऑल टाइम हाई और 52 वीक हाई भी बनाया। एपल के बाद माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप 2.5 ट्रिलियन डॉलर और सऊदी अरामको का 2.08 ट्रिलियन डॉलर है। वहीं अल्फाबेट, अमेजन और एनवीआईडीआईए का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ डॉलर से ऊपर है। एपल ने इससे पहले 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के मार्केट कैप के साथ ट्रेडिंग सेशन क्लोज कभी नहीं किया था। वहीं 3 जनवरी 2022 को इंट्रा-डे ट्रेडिंग में एपल का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा पहुंच था, लेकिन ट्रेडिंग सेशन क्लोज होने पर उस लेवल के नीचे आ गया था।दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी एपल के शेयरों में लेटेस्ट बढ़त इस साल वॉल स्ट्रीट की कई टेक्नोलॉजी से जुड़ी दिग्गज कंपनियों के मजबूत रिबाउंड के बाद आई है। फेडरल रिजर्व जल्द ही अमेरिकी ब्याज दरों को कम कर सकता है और आने वाले दिनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भविष्य अच्छा हो सकता है। यही वजह है कि एपल के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मेष--	00-55 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	वृष--	02-40 बजे
मंगल	सिंह में	मिथुन..	04-41 बजे
बुध-	मिथुन में	कर्क...	06-53 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	09-05 बजे
शुक्र-	कर्क में	कन्या..	11-12 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	13-17 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	15-27 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	17-40 बजे
		मकर..	19-47 बजे
		कुंभ...	21-38 बजे
		मीन ..	23-16 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- **वर्षा**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि- **432000** सूर्योदय- **05-49** सूर्य अस्त- **18-50**
भोग्य कलि वर्ष- **426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- **1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - **20 :21** तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - आषाढ शुक्ल पक्ष , रविवार **July 02**
नक्षत्र - ज्येष्ठा - **13: 18** - तक उपरान्त मूल
योग - शुक्ल - **19 : 25** - तक उप ब्रह्म
करण- गर - **09 :48** - तक उप- वणिज
विशेष:- पूर्णिमा व्रत,कोकिला व्रत
व्रत -त्योहार - शिव शयनोत्सवः

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:15 से 18:53 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	05:49 - 07:25 अशुभ	शुभ	18:50 - 20:15 शुभ
चंचल	07:25 - 09:03 शुभ	अमृत	20:15 - 21:37 शुभ
लाभ	09:03 - 10:42 शुभ	चंचल	21:37 - 22:59 शुभ
अमृत	10:42 - 12:20 शुभ	रोग	22:59 - 00:20 अशुभ
काल.	12:20 - 13:58 अशुभ	काल	00:20 - 01:42 अशुभ
शुभ.	13:58 - 15:37 शुभ	लाभ	01:42 - 03:04 शुभ
रोग	15:37 - 17:15 अशुभ	उत्पात	05:04 - 04:25 अशुभ
उत्पात	17:15 - 18:50 अशुभ	शुभ.	04:25 - 05:49 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

अपने झगड़ालू व्यवहार पर क़ाबू रखें, क्योंकि इससे आपका रिश्ता हमेशा के लिए बिगड़ सकता है। आप खुले दिमाग को बढ़ावा देकर और किसी के प्रति पूर्वाग्रहों को दूर करके इस पर काबू पा सकते हैं। आपको आकर्षित करने वाली निवेश योजना के बारे में गहराई से जानने के लिए गहराई से देखें- कोई भी वादा करने से पहले अपने विशेषज्ञों से सलाह लें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

तनाव से बचने के लिए अपना कीमती समय बच्चों के साथ बिताएं। आप बच्चे की उपचार शक्ति का अनुभव करेंगे। चूंकि वे पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली आध्यात्मिक और भावनात्मक व्यक्तित्व हैं। आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। सोच समझ कर निवेश करें। बच्चे और बुजुर्ग अधिक ध्यान देने की मांग करते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आपकी शाम मिली जुली भावनाओं से भरी होगी जो आपको तनाव में रख सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है- क्योंकि आपकी ख़ुशी आपको निराशा से ज़्यादा ख़ुशी देगी। ऐसी वस्तुएँ ख़रीदने के लिए उत्तम दिन है, जिनकी क़ीमत में वृद्धि होगी।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

गर्भवती महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का अतिरिक्त ध्यान रखने की आवश्यकता है। आप ख़ुद को किसी रोमांचक नई स्थिति में पा सकते हैं- जिससे आपको आर्थिक फ़ायदा भी होगा। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है लेकिन कोई ऐसा व्यक्ति जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं वह आपको निराश करेगा।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपका व्यक्तित्व आज किसी इत्र की तरह काम करेगा। अटकलें खतरनाक होंगी- इसलिए सभी निवेश अत्यधिक सावधानी से किए जाने चाहिए। अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को अपने वित्त का प्रबंधन न करने दें या आप जल्द ही अपना बजट पार कर सकते हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे ,पो,)

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन खाने-पीने की अधिकता का ध्यान रखें। अगर आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो सोच समझकर पैसा खर्च करें, क्योंकि आपको धन हानि होने की संभावना है। आप लोगों के साथ अपना रास्ता बना सकते हैं यदि आप अपने आकर्षण को चालू करते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

पत्नी के मामलों में अपनी टांग न अड़ाएं, क्योंकि यह उसके क्रोध को आमंत्रित करेगा। बेहतर होगा आप अपने काम से काम रखें। हस्तक्षेप जितना संभव हो उतना कम करें अन्यथा यह निर्भरता पैदा कर सकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखें और कोशिश करें कि आज ख़र्चों में ज़्यादा फिजूलखर्ची न करें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आउटिंग-पार्टियां और मौज-मस्ती आज आपका मूड अच्छा रखेगी। पिछले निवेश से आय में वृद्धि की संभावना है। आपको नीचे खींचने की कोशिश करने वाले लोगों को संभालना बेहद मुश्किल होगा। आपका प्रिय कुछ चिढ़ा हुआ प्रतीत होगा- जो आपके दिमाग पर दबाव डालेगा।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

बच्चे आपकी शाम को रोशन करेंगे। सुस्त और व्यस्त दिन को अलविदा कहने के लिए एक अच्छे डिनर की योजना बनाएं। उनकी कंपनी आपके शरीर को रिचार्ज करेगी। पिता की कोई सलाह कार्यक्षेत्र में फायदेमंद साबित हो सकती है। शाम को अपने जीवनसाथी के साथ मूवी-थिएटर या डिनर पर जाना आपको सुकून और शानदार मूड में रखता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

लोगों को अपने लिए चीजें करने के लिए मजबूर और विवश न करें। दूसरों की इच्छा और रुचि के बारे में सोचें जो आपको असीमित खुशी देगा। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं से बचें। घर के लंबित काम आपका कुछ समय ले लेंगे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप अपने दिन की शुरुआत योग और ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और आप दिन भर अपनी ऊर्जा के स्तर को बनाए रखेंगे। ख़र्चा बढ़ेगा लेकिन आय में वृद्धि आपके ख़र्चों का ध्यान रखेगी। कोई आपको नुकसान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है- मज़बूत ताकतें आपके ख़िलाफ़ काम कर रही हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

जीवन का आनंद लेने के लिए अपनी आकांक्षाओं की जांच करें। अपने स्वभाव को सुधारने के लिए योग-जो आपको शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहने की कला सिखाता है, का सहारा लें। किसी भी लंबी अवधि के निवेश से बचें और बाहर जाकर अपने अच्छे दोस्त के साथ कुछ सुखद पल बिताने की कोशिश करें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

क्या नेपाल में 'आदिपुरुष' के बहाने भारत विरोधी साजिश

बैन लगाने वाले काठमांडू के मेयर बोले– दुनियाभर में रोक लगे

काठमांडू, 1 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। रामायण के सभी पात्र, जिनकी लोग बड़े पैमाने पर पूजा करते हैं, उन्हें दयनीय तरीके से दिखाया गया है। सेंसर बोर्ड ने ऐसी फिल्म को क्यों पास किया। ये बड़ी गलती है।'

क्या कोई कल्पना करता है कि धार्मिक पात्र वैसे होंगे जैसा उन्हें फिल्म में दिखाया गया है? फिल्म में किरदारों ने जो पोशाक पहनी है, क्या हम कल्पना करते हैं कि हमारे भगवान ऐसे ही होंगे?'

कुछ लोग पूरी फिल्म नहीं देख पाए। जो लोग भगवान राम, भगवान लक्ष्मण और मां सीता का सम्मान करते हैं, वे ऐसी फिल्म नहीं देख सकते।

ये तीनों टिप्पणियां इलाहाबाद हाईकोर्ट की हैं। मामला 600 करोड़ में बनी फिल्म आदिपुरुष का है। सुनवाई की तारीख थी 28 जून। 16 जून को रिलीज हुई आदिपुरुष दो हफ्ते में करीब 300 करोड़ रुपए कमा चुकी है। भारत ही नहीं, पड़ोसी नेपाल में भी इस पर विवाद है। वहां फिल्म का सिर्फ पहला शो चल पाया। इसके बाद फिल्म हटा दी गई। नेपाल में भी मामला कोर्ट में है।

नेपाल की राजधानी काठमांडू के मेयर बालेन शाह ने आदिपुरुष से नाराज होकर सभी हिंदी फिल्में रिलीज करने पर रोक लगा दी। वे आदिपुरुष में सीता को भारत की बेटी बताए जाने से नाराज थे। उन्होंने यहां तक कह दिया कि उनके बस में होता तो वे आदिपुरुष पर दुनियाभर में रोक लगवा देते।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में 27 जून को आदिपुरुष के खिलाफ याचिका पर सुनवाई शुरू हुई। उसी दिन नेपाल के पाटन हाईकोर्ट ने हिंदी फिल्मों से बैन हटाने का आदेश जारी किया। गुरुवार से वहां थिएटर में दोबारा हिंदी फिल्में दिखाना शुरू कर दिया गया।

इस विवाद पर नेपाल के लोग क्या सोचते हैं और एक फिल्म से दोनों देशों के रिश्तों पर पड़ने वाले असर को कैसे देखते हैं, ये जानने हम काठमांडू पहुंचे। मेयर बालेन शाह के अलावा, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर, एक्सपर्ट्स और आम लोगों से बात की।

केवल 2 सवाल थे

पहला: क्या आदिपुरुष फिल्म के जरिए नेपाल के लोगों में भारत विरोधी भावना भड़काई जा रही है?

दूसरा: भारतीय फिल्मों पर बैन लगाकर बालेन शाह क्या करना चाह रहे हैं?

जवाब के लिए हम सबसे पहले काठमांडू में फिल्म क्रिटिक डॉ. सचिन घिमिरे से मिले। वे जावलाखेल एरिया में रहते हैं। डॉ. सचिन घिमिरे कहते हैं, 'आदिपुरुष फिल्म में जिस तरह तथ्यों से छेड़छाड़ हुई, राइटर मनोज मुंतशिर ने बचाव में नेपाल के लिए जो बयानबाजी की, उससे नेपाल के लोगों की भावनाओं को चोट पहुंची है। इससे यहां के लोगों में भारत विरोधी भावना मजबूत हुई है। नेपाल के ज्यादातर लोग मेयर बालेन शाह का समर्थन कर रहे हैं।'

सचिन कहते हैं कि 'आदिपुरुष के बहाने सभी भारतीय फिल्मों को बैन करने के पीछे बालेन शाह का अपना हित है। अगर वे सभी भाषाओं की फिल्मों को लेकर ये मुद्दा उठाते, तो नेपाली फिल्म इंडस्ट्री को भी फायदा होता। सभी उनके साथ होते, लेकिन हिंदी फिल्में बैन करके वे सिर्फ लोगों को बरगला रहे हैं।'

राष्ट्रवाद का मुद्दा पुराना, मेयर को फायदा नहीं मिलेगा: प्रोफेसर

डॉ. सचिन घिमिरे के बाद हम नेपाल की सबसे बड़ी त्रिभुवन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. विष्णु बस्याल के पास कीर्तिपुर पहुंचे। डॉ. विष्णु बस्याल कहते हैं कि 'आदिपुरुष फिल्म पर विवाद की वजह समझने के लिए हमें थोड़ा पीछे जाना होगा। अगस्त, 2020 में सीआईआई के एक कार्यक्रम में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भगवान बुद्ध को भारतीय बता दिया था।'

'इसी तरह आदिपुरुष फिल्म में भी सीताजी का जन्म भारत में बताया गया है। सीताजी हमारे देश की विभूतियों में गिनी जाती हैं। उनका जन्म भारत में बताया गया, तो नेपाल के लोगों ने इसे भारत के सांस्कृतिक अतिक्रमण के तौर पर देखा।'

क्या मेयर बालेन शाह इस फिल्म के जरिए राष्ट्रवाद का मुद्दा भुनाना चाहते हैं? डॉ. विष्णु बस्याल कहते हैं, 'नेपाल में राष्ट्रवाद का मुद्दा पुराना हो चुका है। पहले भी कई पार्टियां उग्र राष्ट्रवाद के नारे के साथ इसका फायदा ले चुकी हैं। अब नेपाल के लोग इस मुद्दे के साथ नहीं जाते।

मेयर ने कोर्ट और सरकार को भी इस मुद्दे पर चैलेंज कर दिया है। इस पर प्रोफेसर विष्णु बस्याल कहते हैं, 'अगर आप शुरुआत से मेयर बालेन शाह की राजनीति देखेंगे, तो पता चलेगा कि वे समय-समय पर सरकार समेत दूसरी पार्टियों को निशाने पर लेते रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने आदिपुरुष के मुद्दे पर सरकार और कोर्ट को चैलेंज कर दिया।'

कोर्ट के फैसले के खिलाफ गए मेयर, अवमानना का केस

काठमांडू में बैन लगने के बाद पूरे देश में सिनेमा हॉल मालिकों ने आदिपुरुष फिल्म दिखानी बंद कर दी। उन्हें डर था कि सिनेमा हॉल पर हमला न हो जाए। नेपाल चलचित्र संघ ने इस मामले में पाटन हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

संघ के वकील जयलाल भंडारी बताते हैं, 'नेपाल के सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट लेकर आदिपुरुष फिल्म रिलीज की गई

थी। काठमांडू के मेयर ने उसे बैन कर दिया। हमारी याचिका पर हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश दिया कि सेंसर बोर्ड ने मंजूरी दी है, तो सभी विदेशी फिल्में दिखाई जा सकती हैं। उन्हें बैन नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद मेयर बयान देते रहे। इससे हॉल में दर्शक नहीं आ रहे हैं। कोर्ट के खिलाफ मेयर के कमेंट पर हमने अवमानना का केस भी किया है।'

जयलाल भंडारी बताते हैं, 'नियमों के हिसाब से बालेन शाह को सिर्फ काठमांडू का डेवलपमेंट देखना है। फिल्मों पर बैन लगाना केंद्र सरकार का काम है। केंद्र के नीचे सेंसर बोर्ड है। सेंसर बोर्ड ने भी फिल्म देखी, जिस डायलॉग पर विवाद है, वो फिल्म में है ही नहीं।'

'फिर भी सेंसर बोर्ड ने कहा कि फिल्म में विवादित डायलॉग हो, तो उसे म्यूट कर फिल्म दिखा सकते हैं। अब डिस्ट्रीब्यूटर ने आदिपुरुष को सिनेमा हॉल से हटा लिया है। नेपाल में फिल्म नहीं चल रही है।'

कोर्ट के आदेश के बावजूद सिनेमा हॉल मालिकों ने आदिपुरुष नहीं दिखाई। ऐसा क्यों? जयलाल भंडारी कहते हैं, 'भारत से फिल्म लाकर दिखाने में पैसा खर्च होता है। विवादों के बीच फिल्म चलेगी या नहीं, हॉल में कोई तोड़फोड़ न हो जाए। इस वजह से उन्होंने फिल्म हटा दी।'

मनोज राठी नेपाल में आदिपुरुष फिल्म के डिस्ट्रीब्यूटर हैं। हम बागबाजार एरिया में उनकी कंपनी व्यंकटेश इंटरटेनमेंट के ऑफिस पहुंचे। मनोज राठी कहते हैं, '16 जून को फिल्म रिलीज होनी थी। हमने 14 जून को फिल्म सेंसर बोर्ड को दिखाई। सेंसर बोर्ड ने विवादित डायलाग म्यूट कर फिल्म दिखाने की इजाजत दे दी।' मनोज राठी कहते हैं, 'कुछ लोग फिल्म देखने आ रहे थे, उन्हें रोकने के बालेन ने महानगरपालिका के तहत आने वाली पुलिस भेज दी। इसके बाद पूरे नेपाल में सिनेमा हॉल मालिकों ने खतरे को भांपते हुए फिल्म उतार दी।'

नेपाल में प्रभास की फिल्म बाहुबली-2 ने इंडियन करेंसी में 25 करोड़ रुपए की कमाई की थी। ये नेपाल में सबसे ज्यादा कमाने वाली विदेशी फिल्म है। मनोज राठी को उम्मीद थी कि प्रभास की वजह से आदिपुरुष भी अच्छा परफॉर्म करेगी। उन्होंने 1.25 करोड़ रुपए में फिल्म के राइटस खरीदे थे। काठमांडू में फिल्म का एक शो भी ठीक से नहीं चला। उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ गया। पूरे नेपाल में फिल्म सिर्फ 70 लाख का कारोबार कर पाई।

इस मामले में हमने चलचित्र विकास बोर्ड के अध्यक्ष केसी भुवन और प्रवक्ता खेदुलाल बूढ़ाथोकी से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने बात नहीं की। सेंसर बोर्ड के अफसरों का फोन भी रिसीव नहीं हुआ।

काठमांडू के मेयर बालेन शाह बोले- जहां भी फिल्म चल रही है, रोक लगे

आखिर में हम आदिपुरुष विवाद से चर्चा में आए मेयर बालेन शाह से मिले। उन्होंने कैमरे पर इंटरव्यू नहीं दिया, पर बातचीत के लिए तैयार हो गए। हमने पहला सवाल पूछा- कोई फिल्म दिखाई जाए या नहीं, इसके लिए सेंसर बोर्ड है, चलचित्र विकास बोर्ड है, संचार मंत्रालय है, तो आपने कैसे बैन लगा दिया?

बालेन शाह कहते हैं, ''ये कोई पैरोडी या कॉमेडी होती, तो अलग बात थी। ये तो सीरियस फिल्म है। दुनियाभर मे चलेगी। इतनी बड़ी आबादी को प्रभावित करने वाली फिल्म किसी दूसरे देश की विभूति सीता को भारत की बेटी बता रही है।' 'ये सिर्फ नेपाल में आपत्ति का विषय नहीं है। भारत या दुनिया में, जहां भी ये फिल्म चल रही है, वहां इस पर रोक लगना चाहिए। नेपाल मे तो मैं मेयर के हिसाब से बोल रहा हूं। इस मुद्दे पर हमारी सरकार को ध्यान देना चाहिए। सिर्फ नेपाल मे सेंसर करके चलाने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।'

कोर्ट को चैलेंज करने के सवाल पर बालेन शाह कहते हैं, 'मैंने कोर्ट को चैलेंज नहीं किया है। देश और इतिहास की बात आती है, तो मैं नहीं मानूंगा। सजा भुगतने के लिए तैयार हूं।'

हमने उनसे पूछा कि फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को भारतीय फिल्मों से बैन हटाने का आश्वासन देना चाहते हैं, तो उन्होंने जवाब नहीं दिया।

आदिपुरुष के विवाद पर सरकार क्या सोचती है, ये जानने के लिए हम सरकार चला रही नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद माधव सापकोटा से मिले। वे पोलित ब्यूरो के सदस्य भी हैं। उनसे पूछा कि बालेन शाह ने सरकार और कोर्ट को भारत सरकार का गुलाम बताया है। इसे सरकार कैसे देख रही है?

माधव सापकोटा कहते हैं, 'बालेन शाह अदालत की अवमानना तक पहुंच गए हैं, ये ठीक नहीं है। वे संविधान के तहत मेयर बने हैं। संविधान से ही न्यायपालिका बनी है। अगर अदालत ने आदिपुरुष पर कोई फैसला सुनाया है और आप उसे नहीं मानते, तो कानूनी प्रक्रिया से आगे बढ़ना चाहिए। इस बात को भूलकर उन्होंने स्टंटबाजी की, वह परिपक्व नेता की निशानी नहीं है।'

क्या इस विवाद से भारत-नेपाल संबंधों पर असर पड़ेगा?

माधव सापकोटा कहते हैं, 'बालेन शाह के बयान को हमने सही बताया होता, तो ये दूरी बढ़ाने का काम करता। सरकार ने उनके बयान का खंडन किया है। इसलिए दोनों देशों के बीच दरार आने की आशंका नहीं है।'

'मैं एक और बात साफ करना चाहता हूं, खासकर भारतीय संसद में लगे नए नक्शे के बारे में। उस पर हमारी संसद और देश में बहुत बड़ी चर्चा चल रही है। आदिपुरुष फिल्म में यदि विवादित डायलॉग रखा गया है, तो वह भी अच्छा नहीं हुआ है।'

'भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी के संबंध हैं। सांस्कृतिक, सामाजिक और खुली सीमा सहित भारत और नेपाल में अच्छे संबंध हैं। हम भारत से काफी कुछ सीखना चाहते हैं, सहयोग करना चाहते हैं और भारत के सहयोगी बनना चाहते हैं। इस लिहाज से भारत नेपाल को भरोसे में लेकर काम करे, तो उसके लिए ही बेहतर है।'

क्या नेपाल में भारत विरोधी भावना बढ़ रही है? माधव सापकोटा कहते हैं, 'अगर इसी तरह के विवाद बार-बार होते रहे, तो ये आने वाली पीढ़ी को प्रभावित कर सकते हैं। पुरानी जनरेशन इस संबंध पर संवेदनशील और परिपक्व है। आने वाली पीढ़ी को लगे कि भारत हमेशा हम लोगों को अपमानित करता है, तो ये आगे के लिए बहुत खराब बात है।'

बालेन शाह के फेसबुक पर 15 लाख, ट्विटर पर 2.5 लाख और इंस्टाग्राम पर 31 लाख फॉलोअर्स हैं। उनकी बात का आम लोगों पर क्या असर है, ये जानने हम काठमांडू के न्यू मार्केट पहुंचे। यहां शाम होते ही नौजवानों की भीड़ लग जाती है।

मार्केट में हमें समीर और राजीव मिले। दोनों बालेन शाह को सही ठहराते हैं। समीर कहते हैं, 'दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध हैं। फिल्म में सीता माता को भारत की बेटी बताकर गलत किया गया। इसीलिए बालेन ने इसे बैन किया।' राजीव भी समीर की बातों पर हामी भरते हैं।

त्रिभुवन यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले दिनेश रावल मानते हैं कि मेयर का फैसला सही है। वे कहते हैं, 'किसी देश को हक नहीं है कि दूसरे देश का अपमान करे। भारत की फिल्में और एक्टर पहले भी नेपाल का मजाक उड़ाते रहे हैं। मेयर ने देश के लिए आवाज उठाई है, तो सरकार को भी सपोर्ट करना चाहिए।'

हालांकि, रिसर्चर पुष्कर काफले मेयर का सपोर्ट नहीं करते। काठमांडू के टोखा इलाके में रहने वाले पुष्कर कहते हैं, 'उन्होंने अफवाहों पर फैसला लिया है। बैन होने की वजह से हमने फिल्म नहीं देखी, पर कई रिपोर्ट्स पढ़कर समझ आया कि उनका फैसला गलत है। इससे देश की साख को नुकसान पहुंचा है। फिल्म बिजनेस से जुड़े लोगों का भी नुकसान हुआ।'

राजनाथ सिंह बोले- छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण रोकना होगा

बस्तर की माटी वीरों की माटी है, आदिवासी भाइयों के लिए अटल जी ने अलग राज्य बनाया

कांकेर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह छत्तीसगढ़ के कांकेर में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में लगातार धर्मांतरण हो रहा है। बस्तर की माटी वीरों की माटी है। रमन सिंह के 15 साल के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदली है। छत्तीसगढ़ बनाने की सबसे बड़ी वजह थी कि, आदिवासी भाइयों को विकास की यात्रा में आगे बढ़ाना।

राजनाथ सिंह ने छत्तीसगढ़ सरकार पर कई तरह के घोटालों का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में अब कमजोर भारत नहीं, ताकतवार भारत है। एक देश के प्रधानमंत्री हमारे प्रधानमंत्री के पैर छूते हैं। ये पूरे भारत का सम्मान है।

राजनाथ सिंह की बड़ी बातें

रमन सिंह ने नया बस्तर बनाया, नवा रायपुर बनाया। पूरा छत्तीसगढ़ नया बनाया। छत्तीसगढ़ को सजाने का काम किया। लेकिन आपने नई सरकार का स्वाद चखने के लिए सरकार बदली थी। मगर कांग्रेस सरकार का स्वाद कैसा है, ये आप लोगों को खुद ही पता चल गया है।

कांग्रेस के कुछ वादों में चक्कर

में नई सरकार बनाई यहां की जनता ने, लेकिन वर्तमान सरकार का अनुभव आपको स्वयं है, मुझे कहने की जरूरत नहीं, छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा था लेकिन भूपेश बघेल ने यहां की स्थिति बदतर कर दी। आज क्या हालात है आप सब जानते हैं।

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण का काम तेजी से हो रहा है। इसे रोकने के लिए यहां की सरकार कुछ नहीं कर रही है। यह रुकना चाहिए, केंद सरकार से मदद लगेगी तो हम मदद करेंगे। यहां की सरकार ने कई घोटाले किएं हैं। कोयला, गौठान घोटाला हुआ है। शराबबंदी का वादा करके होम डिलीवरी शुरू कर दी गई थी।

पाकिस्तान ने भारत की सीमा में घुसकर हमारे सोते हुए जवानों पर हमला किया। हमारे जवान शहीद हुए। मुझे आज भी वो दिन याद है, बैठक में मोदी जी ने 10 मिनट में फैसला ले लिया, पाकिस्तान की धरती में जाकर हमारे जवानों ने आतंकवादियों को मार गिराया।

पड़ोसी देशों को बता देना चाहता हूं, भारत बदल गया है। इस पार ही नहीं उस पार भी जाकर मारेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन ने हमारे प्रधानमंत्री की तारीफ की है, ऑस्ट्रेलिया को प्रधानमंत्री कहते हैं, मोदी जी बॉस हैं। एक देश के प्रधानमंत्री हमारे प्रधानमंत्री का पैर छूते हैं। इसे सम्मान कहा जाता है, ये पूरे भारत का सम्मान है।

रूस ने जब यूक्रेन में मिसाइल दागे तो जो भारतीय फंसे थे, उन्हें मोदी जी ने पहले वापस लाया। दुनिया का कोई प्रधानमंत्री ये नहीं कर पाया। पुतिन को कहकर हमले रोकवा दिया। और 27 हजार बच्चों को वापस लाया। 4 घंटे हमले रुके रहे। भारत, अब कमजोर भारत नहीं है। भारत, अब ताकतवार भारत है।

प्रधानमंत्री मोदी के 9 साल कार्यकाल मे आज तक किसी ने एक घोटाले की बात नहीं कही। जिस पर भ्रष्टाचार का आरोप लग जाएगा। फिर उसका घर जेल होगा। घोटाले का एक आरोप भी सरकार पर नहीं है। जम्मू कश्मीर से 370 हटाने की कसम हमने ली थी। दोनों सदनों में बहुमत मिला तो हमने ये कर दिखाया। भव्य राम मंदिर बनकर हो रहा है।

भारत के इतिहास में अगर आदिवासियों के लिए अलग से कुछ काम हुआ तो है तो वह काम अटल जी ने किया है। आदिवसियों के लिए अलग से मंत्रालय बनाने का काम अटल जी ने किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां कांग्रेस की सरकार को हर संभव मदद की है।

धर्म परिवर्तन नहीं करने पर गर्लफ्रेंड को पीटा

बिलासपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में लव जिहाद का मामला सामने आया है। युवक ने पहले युवती से दोस्ती की। इस दौरान उसके साथ प्यार और शादी करने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। फिर बाद में युवक ने धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। धर्म नहीं बदलने से मना करने पर उसने युवती की जमकर पिटाई कर दी। पहले तो पुलिस ने मारपीट का केस दर्ज कर युवती को चलता कर दिया। जब वह शिकायत लेकर आईजी के पास पहुंची, तब आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पूरा मामला सकरी थाना क्षेत्र का है।

22 वर्षीय युवती सकरी क्षेत्र में रहकर प्राइवेट जॉब करती है। युवती ने थाने में शिकायत करते हुए बताया कि, कुछ साल पहले उसकी पहचान कुम्हारपारा जरहाभाठा निवासी आकिब जावेद (22) से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। इस दौरान दोस्ती के बाद प्यार का इजहार किया और फिर युवक उसे सकरी क्षेत्र ले जाकर जबरदस्ती उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। इसकी शिकायत पुलिस से करने की उसने बात कही, तो युवक ने शादी करने का वादा किया।

धनबाद हिंसक झड़प मामले में 34 लोग गए जेल

इलाके में धारा 144 बरकरार, बाघमारा अनुमंडल पुलिस कर रही कैंप, तनाव की स्थिति बरकरार

धनबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद जिले के कतरास थाना क्षेत्र में शुक्रवार को हुई हिंसक झड़प मामले आज 34 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दो पक्षों से गिरफ्तार किए गए लोगों को पुलिस ने जेल भेज दिया है। धनबाद एसडीएम के आदेश पर छातावाद, केलूडीह और आकाशकिनारी में धारा 144 अब भी लागू है। लोगों की संख्या इस इलाके में काफी कम दिख रही है। तनाव की स्थिति बरकरार है। किसी भी तरह की आशंका के मद्देनजर इस इलाके में पुलिस बल की तैनाती की गयी है। यहां बाघमारा अनुमंडल की पुलिस कैंप कर रही है। घटना क्षेत्र में अग्निशमन वाहन की अब भी तैनाती है। इस इलाके में बाघमारा एसडीपीओ निशा मुर्मू नजर रखी हुई हैं। वहीं कतरास सर्किल इंस्पेक्टर पीके झा, कतरास थानेदार रणधीर सिंह कैंप किये हुए हैं। शुक्रवार को कतरास थाना क्षेत्र के छातावाद कैलूडीह खटाल में टोटो के बैटरी चार्जर की चोरी को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई। जिस टोटो से बैटरी की चोरी हुई वह छातावाद कैलूडीह खटाल के रहने वाले जनार्दन यादव की है। जानकारी के मुताबिक जनार्दन यादव ने गुरुवार

की रात टोटो लगाया। गुरुवार की रात 11.20 बजे चार युवक टोटो का बैट्री चार्जर चुरा कर ले गये। चोरी की यह घटना निकट के किराना दुकानदार परमानंद यादव के यहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। सुबह चोरी की सूचना पर जनार्दन यादव ने सीसीटीवी कैमरे में चारों युवकों कीं चोरी करते हुए तस्वीर देखी, तो उसने निकट के छाताबाद काजू बागान के रहने वाले बबलू अंसारी के जेनरल स्टोर में इसकी शिकायत की और कहा कि वह आरोपित युवकों की पहचान करायें। यहीं से बात बिगड़ी जो हिंसक झड़प में तब्दील हो गयी।

इस हिंसक झड़प में दोनों पक्ष से आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गये, जबकि कई पुलिस जवान व पदाधिकारियों को भी चोटें आयी हैं। पत्थरबाजी में कतरास पुलिस की गाड़ी सहित तीन टोटो, दो टेंपो, एक मालवाहक वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। मारपीट के बाद झड़प में तब्दील इस घटना में लोगों को चोटें लगने के साथ-साथ दुकानों और घरों की भी हानि हुई है। पुलिस पूरे मामले पर नजर रखे हुए है। पुलिसिया कार्रवाई के बाद दोनों पक्षों के लोग डरे हुए हैं। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उन्हें लोग बचाने की कोशिश में लगे हुए हैं। स्थिति नियंत्रण में करने के लिए कतरास-फुलारीटांड़ मार्ग के भटमुड़ना व छाताबाद पुल के पास पुलिस ने बेरियर लगा दी गयी है।

श्रावणी मेले के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

देवघर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। देवघर में श्रावणी मेले को लेकर तैयारी जोरों पर है। इस दौरान स्पेशल ट्रेन चलेगी ताकि बाबा नगरी पहुंचने वाले भक्तों को किसी तरह की असुविधा ना हो। इस बार भी स्पेशल ट्रेन चलेगी और भक्तों की संख्या को देखते हुए मेला स्पेशल ट्रेन की संख्या इस बार और बढ़ाई जा सकती है। आसनसोल डिवीजन के डीआरएम परमानंद शर्मा ने कहा, इस बार बोगियों की संख्या भी अधिक होगी ताकि एक ट्रेन में ज्यादा से ज्यादा भक्त सवार होकर बाबानगरी पहुंच सकें। ट्रेनों के ठहराव के समय को भी बढ़ाया गया है ताकि देवघर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की समस्या ना हो। स्टेशन में यात्रियों के रहने की भी व्यस्था की जा रही है। यहां हर तरह की सुविधा होगी इसके अलावा टिकट काउंटर की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। शुक्रवार को आसनसोल डिवीजन के डीआरएम परमानंद शर्मा ने सीडीह स्टेशन का निरीक्षण किया है और कई जरूरी आदेश दिए हैं। आने वाले समय में श्रावणी मेले को लेकर बढ़ने वाली भीड़ को परेशानी ना हो इसका विशेष ध्यान रखा गया है। डीआरएम ने स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म, न्यू सर्कुलेटिंग एरिया, टिकट काउंटर, पोर्टिको सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनेगा कीनन स्टेडियम

जमशेदपुर में फिर लौटेगा क्रिकेट का रोमांच, आईपीएल के लिए नये सिरे से तैयार होगा कीनन

रांची, 1 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड का पहला क्रिकेट स्टेडियम कीनन दोबारा अपने रंग में लौटेगा। 1939 में बने कीनन स्टेडियम को बेहतर करने की तैयारी शुरू कर दी है। जमशेदपुर के लोग भी स्टार्स क्रिकेटर्स को इस मैदान में खेलते देख सकेंगे। कीनन में आखिरी मैच 12 अप्रैल 2006 को भारत और इंग्लैंड के बीच हुआ था। इसके बाद से यहां कोई क्रिकेट मैच नहीं हुआ और मैदान की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं रही। लगभग 17 साल के बाद एक बार फिर मैदान को बेहतर करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम में ढालने

की तैयारी शुरू हो गयी है।

आईपीएल के लिए तैयार होगा कीनन स्टेडियम

आईपीएल में इस मैदान की अहम भूमिका हो सकती है। आईपीएल का मुख्य स्पॉन्सर टाटा है। टाटा इस मैदान पर काम कर रहा है ताकि खिलाड़ियों को यहां उतारा जा सके। चर्चा है कि टाटा कंपनी अपनी टीम के अभ्यास के लिए कीनन स्टेडियम को बेस कैंप बना रही है। इसे लेकर तैयारी शुरू कर दी गयी है। इस स्टेडियम में अब बैठने की व्यस्था कम होगी। मैच देखने आये दर्शक घास पर बैठकर खेल का आनंद ले सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड सहित कई देशों में ऐसे स्टेडियम हैं जो बाउल ओवल शेप स्टैंड में बने होते हैं । वैसे ही इसे तैयार किया जा रहा है। कुर्सी या कॉन्क्रीट की सीढ़ी को हटाकर दर्शक स्टैंड में बने ऊंचे स्थान पर घास पर बैठकर या लेटकर आराम से खेल का आनंद ले सकेंगे।

'साहेब कलेक्शन' पर एफआईआर

कोरबा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बीती 19 तारीख को हुए साहेब कलेक्शन अग्निकांड मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने साहेब कलेक्शन के संचालक पर केस दर्ज किया है। एसईबी चौकी क्षेत्र अंतर्गत टीपीनगर कर्मिशियल कॉम्प्लेक्स में आग लग गई थी। इस अग्निकांड में 3 लोगों की मौत हो गई थी। साहेब कलेक्शन का संचालक भूपेन्द्र सिंह गांधी है। पुलिस ने संचालक और एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

प्रशासन की जांच रिपोर्ट में छह बिंदुओं पर संचालक को दोषी माना गया है। प्रशासन की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने संचालक पर 304, 34 के तहत केस दर्ज किया है। दो दिन पहले कोरबा एसडीएम, अपर आयुक्त निगम समेत अन्य अधिकारियों की टीम मौके पर जांच करने गई थी। इस जांच के बाद टीम ने अपनी रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट का निष्कर्ष सामने आया है कि आग लगने से लेकर उसके फैलने और दुकानों के भीतर दम घुटने का इकलौता जिम्मेदार साहेब कलेक्शन का संचालक भूपेन्द्र सिंह गांधी ही है। प्रशासन की रिपोर्ट के आधार पर सीएसईबी पुलिस ने संचालक पर केस दर्ज कर लिया है।

फ्रांस में हिंसा, कॉन्सर्ट इंजॉय करते रहे राष्ट्रपति मैक्रों

गन की दुकानें लूट रहे प्रदर्शनकारी, 4 हजार जगहों पर आगजनी, इमरजेंसी लगने की आशंका

पेरिस, 1 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस में 17 साल के लड़के नाहेल की हत्या के बाद चौथे दिन भी हिंसा जारी रही। स्काई न्यूज के मुताबिक, प्रदर्शनकारी अब गन की दुकानों में लूटपाट कर रहे हैं। शुक्रवार को 1 हजार लोगों को दंगा फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इंटीरियर मिनिस्टर जेरार्ड डारमानिन ने बताया कि सरकार ने शुक्रवार रात को हालात काबू में करने के लिए 45 हजार पुलिसकर्मियों को सड़कों पर तैनात कर दिया था। इस बीच राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की जमकर आलोचना हो रही है।

दरअसल, देश में जारी दंगों के बीच मैक्रों ब्रिटिश सिंगर एल्टन जॉन के कॉन्सर्ट में इन्जॉय करते नजर आए। सीएनएन के मुताबिक, बुधवार को पेरिस में एल्टन का एक कॉन्सर्ट था जिसमें मैक्रों अपनी पत्नी के साथ नजर आ रहे हैं। कॉन्सर्ट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एल्टन के पति ने मैक्रों के साथ बैकस्टेज ली गई एक फोटो भी पोस्ट की है।

17 साल के नाहेल का आज अंतिम संस्कार

फ्रांस की राजधानी पेरिस के सब-अर्बन एरिया नेन्तेरे में 27 जून को 17 साल के लड़के नाहेल को ट्रैफिक सिग्नल पर न रुकने के बाद पुलिस ने गोली मार दी थी। इसके बाद से फ्रांस में हिंसा जारी है। नाहेल की मां ने बताया कि शनिवार को वो अपने बेटे का अंतिम संस्कार करेंगी। उन्होंने कहा- मैं अपने बेटे की हत्या के लिए पूरी पुलिसफोर्स ने बल्कि सिर्फ उस एक अधिकारी को दोषी मानती हूं जिसने गोली चलाई थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, फ्रांस में दंगाइयों ने 500 से ज्यादा बिल्डिंग्स को नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा, करीब 4 हजार जगहों पर आगजनी की घटनाओं में 2 हजार से ज्यादा कारें जलकर खाक हो गईं। फ्रांस की हिंसा की आग पर बेल्जियम तक भी पहुंच गई है। फ्रेंच मीडिया के मुताबिक, राजधानी ब्रसेल्स में हिंसा फैलाने के आरोप में 100 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को क्राइसिस मीटिंग के बाद फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न ने देश में इमरजेंसी घोषित होने की भी आशंका जताई। फ्रांस 24 के मुताबिक, एलिजाबेथ ने कहा- हमारी प्राथमिकता देश में शांति स्थापित करना है। इसके लिए हम हर जरूरी कदम उठाने को तैयार हैं। बता दें कि फ्रांस में 14 जुलाई को नेशनल डे मनाया जाएगा। इस दिन बैस्टिल डे परेड का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पीएम मोदी को चीफ गेस्ट के तौर पर न्योता दिया गया है। हिंसा के बीच सरकार ने पूरे फ्रांस में ओवरनाइट बस और ट्राम सर्विस बंद कर दी गई है। कई दुकानों में लूटपाट की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं। घटना मंगलवार यानी 27 जून की है। नेन्तेरे की एक सड़क पर दो पुलिस अफसरों ने यलो रंग की कार को रोका। बहस के दौरान पुलिस अफसर ने पिस्टल निकाली और ड्राइवर नाहेल के सिर में गोली मार दी। ड्राइवर ने कार तेजी से दौड़ाई जो कुछ दूर जाकर क्रैश हो गई।

मंगल मिशन पर भेजे हेलीकॉप्टर से 63 दिन बाद हुआ नासा का संपर्क

मिल सकते हैं अहम सबूत

कैलिफोर्निया, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का अपने इनजेन्युटी मार्स हेलीकॉप्टर से पूरे दो महीने बाद फिर से संपर्क हुआ है। नासा ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। बता दें कि नासा ने फरवरी 2021 में मंगल ग्रह पर एक मिशन भेजा था। इस मिशन के तहत एक मिनी हेलीकॉप्टर इनजेन्युटी और प्रीजर्वेंस रोवर मंगल ग्रह पर भेज गए थे।

26 अप्रैल को टूटा था नासा का संपर्क

इस मिशन की कंट्रोलर कैलिफोर्निया स्थित नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेट्री (जेपीएल) का 26 अप्रैल को अपने करीब 1.8 किलो वजनी इनजेन्युटी हेलीकॉप्टर से संपर्क टूट गया। इस मिशन को भेजने वाली टीम

के प्रमुख जोश एंडरसन ने बताया कि मंगल ग्रह के जेजेरो क्रेटर इलाके में यह मिशन भेजा गया था। मंगल का यह क्षेत्र काफी पथरीला है, जिसकी वजह से यहां कोई भी मिशन करना काफी मुश्किलों भरा होता है। यही वजह है कि यहां कम्युनिकेशन टूटने का भी खतरा रहता है।

मंगल की तस्वीरें भेजेगा इनजेन्युटी हेलीकॉप्टर

इस मिशन के तहत इनजेन्युटी हेलीकॉप्टर को उड़ान भरते हुए मंगल ग्रह की तस्वीरें नासा के पास भेजनी हैं और रोवर को मंगल की जमीन से सैंपल इकट्ठा करने हैं। इनजेन्युटी हेलीकॉप्टर से इतने लंबे समय तक संपर्क ना होने को लेकर नासा ने कहा कि हो सकता है कि हेलीकॉप्टर किसी बड़ी पहाड़ी के पीछे आ गया होगा, जिसकी वजह से वह रोवर से संपर्क नहीं कर पाया। अब फिर से संपर्क होने पर नासा ने राहत की सांस ली है और नासा को उम्मीद है कि इस मिशन से मंगल को लेकर कई अहम सुराग मिल सकते हैं।

मस्क बनाम जुकरबर्ग की फाइट कॉलेसियम में हो सकती है

इटली की यह इमारत 2000 साल पुरानी, दुनिया के सात अजूबों में शामिल है

इटली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के बीच होने जा रही केज फाइट इटली के कॉलेसियम में हो सकती है। इटली के संस्कृति मंत्री जेनारो सांगिउलिआनो ने जुकरबर्ग से संपर्क किया और इटली के कॉलेसियम में फाइट होस्ट करने का प्रस्ताव दिया।

बाद में इस बात की पुष्टि मस्क ने भी की। उन्होंने ट्वीट किया- कॉलेसियम में फाइट होने के काफी चांस हैं। ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल कॉलेसियम दुनिया के सात अजूबों में शामिल है। यह 2000 साल पुराना है। इससे पहले यह फाइट अमेरिका के वेगास ऑक्टागन में होने वाली थी।

मस्क ने शुरू कर दी है ट्रेनिंग

मस्क ने इस फाइट के लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है। ट्रेनिंग की फोटोज दो दिन पहले सामने आईं थीं। इनमें वो पॉपुलर पॉडकास्टर

और एआई रिसर्चर लेक्स फ्रिडमैन के साथ लड़ रहे हैं। फ्रिडमैन ने ही तस्वीरें ट्विटर पर शेयर कीं थीं और लिखा- मस्क की पावर से प्रभावित हूं। मस्क ने पिछले दिनों ट्विटर पर जुकरबर्ग को फाइट का चैलेंज दिया था। जुकरबर्ग ने इसे स्वीकार कर लिया था। फ्रिडमैन दोनों के साथ ट्रेनिंग कर चुके हैं और उन्होंने इसके फोटो और वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर ये शेयर किए हैं।

जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने ट्विटर जैसा प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की बात कही थी। इसके बाद डेली मेल ने एक रिपोर्ट पब्लिश की, जिसकी हेडलाइन थी- ट्विटर को खत्म करने का जुकरबर्ग का मास्टर प्लान सामने आया। इस रिपोर्ट को ट्विटर पर शेयर किया जाने लगा। ऐसी ही एक पोस्ट पर एलन मस्क ने जुकरबर्ग को चिढ़ाने वाली इमोजी पोस्ट की।

मारियो नाफवाल नाम के ट्विटर हैंडल से जुकरबर्ग के नए प्लेटफॉर्म से जुड़ी और डीटेल्स शेयर की गई। नाफवाल को एलन मस्क फॉलो भी करते हैं। इसमें कहा गया कि मेटा के नए ऐप का नाम 'थ्रेड' हो सकता है। इस पर एक ट्विटर यूजर ने लिखा- बेहतर होगा मस्क सावधान रहें। मैंने सुना है कि जुकरबर्ग अब जु-जित्सु कर रहे हैं। यहीं से केज फाइट चैलेंज की शुरुआत हुई। मस्क ने पोस्ट पर जवाब दिया- मैं केज फाइट के लिए तैयार हूं। इसके बाद जुकरबर्ग ने मस्क से फाइट की लोकेशन पूछी और मस्क ने जवाब दिया था- वेगास ऑक्टागन। खैर अब वेन्यू कॉलेसियम हो सकता है। 52 वर्षीय मस्क साउथ अफ्रीका में बड़े हुए हैं। मस्क ने बताया था कि साउथ अफ्रीका में उन्होंने रियल हार्ड-कोर स्ट्रीट फाइट्स में हिस्सा लिया। 39 साल के जुकरबर्ग एक एस्पिरेशनल एमएमए फाइटर हैं, जिन्होंने पहले ही जु-जित्सु टूर्नामेंट जीते हैं।

सिंध में दो बसों की टक्कर में सात की मौत, 20 घायल

ओवरस्पीडिंग के कारण हुई दुर्घटना

कराची, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में दो बसों के आपस में टक्कर से सात लोगों की मौत और 20 घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार यानी की ईद के ठीक एक दिन बाद घटी। अधिकारी ने कहा, एक यात्री बस लाहौर से कराची आ रही थी, जबकि दूसरी कराची से जा रही थी। तेज रफ्तार के कारण दोनों बसों के बीच टक्कर हो गई। थाना प्रभारी नाजिम भुट्टो ने बताया कि ईद की छुट्टियों के दौरान नौशेरो फिरोज में मोरो के पास दो बसो की आपस में टक्कर से सात लोगों की जान चली गई, जबकि 20 घायल हो गए।

घायलों को तुरंत नवाबशाह और नौशेरा फिरोज अस्पताल में भर्ती किया गया। इसी महीने की शुरुआत में मेहरान राजमार्ग में नवाबशाह के पास दो यात्री वाहनों के आपस में टक्कर से सात लोगों की मौत और 42 घायल हो गए थे। अप्रैल में सिंध के थट्टा जिले में किनझर झील के पास एक ट्रक ने मिनी वैन को टक्कर मार दी थी, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी।

कुरान जलाने की घटना पर बोले नाटो प्रमुख

'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा'

स्टॉकहोम, 1 जुलाई (एजेंसियां)। स्वीडन में मस्जिद के बाहर एक शख्स ने बुधवार को कुरान जलाकर प्रदर्शन किया। इस घटना का कोई विरोध कर रहा है, तो कोई शख्स का साथ दे रहा है। इस बारे में नाटो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेन्स की। इस दौरान नाटो प्रमुख ने कुरान को जलाना अपमानजनक बताया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि घटना गैरकानूनी नहीं थी।

गौरतलब है, स्वीडन में ईद-अल-अजहा के मौके पर बुधवार को स्टॉकहोम की एक मस्जिद के बाहर एक शख्स ने कुरान जलाकर प्रदर्शन किया। चौंकाने वाली बात यह थी की वहां की सरकार ने उसे इसके लिए अनुमति दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अभिव्यक्ति की आजादी के तहत एक दिन के प्रदर्शन के लिए ये इजाजत दी गई थी।

वहीं, अन्य मीडिया रिपोर्ट की माने तो अब बहस छिड़ गई है कि स्वीडन में मस्जिद के बाहर हुए इस प्रदर्शन का उसकी नाटो सदस्यता पर असर पड़ सकता है। दरअसल, स्वीडन में लगातार एंटी-इस्लामिक प्रदर्शन होते रहते हैं। इस वजह से तुर्किये और स्वीडन के बीच हमेशा तनाव रहता है। तुर्किये ने स्वीडन पर एक धर्म को लक्षित करने का आरोप लगाते हुए उसकी मेंबरशिप अटका रखी है। वहीं, स्वीडन हमेशा ऐसी बातों से इनकार कर देता है।

इस बीच, नाटो प्रमुख जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने स्वीडन में हुई घटना पर कहा कि कुरान को जलाना अपमानजनक और आपत्तिजनक था, लेकिन इसे गैरकानूनी नहीं कह सकते। शख्स ने सरकार से अनुमति ली थी।

स्वीडन की सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बताकर प्रदर्शन के लिए इजाजत दी थी। इस दौरान, नाटो प्रमुख ने स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर समझौता करने का भी आग्रह किया। वहीं, अमेरिका ने स्वीडन की मस्जिद के बाहर कुरान जलाने की निंदा की।

स्वीडन में कुरान जलाने पर तुर्किये ने भी अपना विरोध जताया है। विदेश मंत्री हकन फिदान ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई भी इस्लाम विरोधी प्रदर्शन नहीं कर सकता है। हमें इसे स्वीकार नहीं करेंगे। अगर कोई देश नाटो में शामिल होकर हमारा साथी बनना चाहता है तो उसे इस्लामोफोबिया फैला रहे आतंकियों को काबू में करना होगा।

ब्रिटेन में डॉक्टरों-नर्सों की सबसे बड़ी भर्ती होगी

लंदन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स के साथ ही अन्य स्टाफ की कमी है। इसे दूर करने के लिए सरकार ने अगले पांच सालों में बड़े पैमाने पर डॉक्टर, नर्स और अन्य स्टाफ की ट्रेनिंग व भर्ती की योजना तैयार की है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को कहा, 'हमारी सरकार राष्ट्रीय हेल्थ सर्विस (एनएचएस) ट्रेनिंग में सबसे बड़ा विस्तार करने जा रही है। यह निवेश और सुधार की योजना है।'

योजना में 2037 तक एनएचएस में 60,000 डॉक्टर, 1.70 लाख नर्स और 71,000 से अधिक स्वास्थ्य पेशेवर की ट्रेनिंग और भर्ती की तैयारी है। इसका सबसे ज्यादा फायदा भारतीयों को होगा। एनएचएस विभाग में 1.12 लाख पद खाली हैं। इनमें अधिकांश डॉक्टर और नर्स के हैं।

केन्या हादसे में 48 की मौत, 30 घायल

ट्रक ने यात्रियों से भरी मिनी बस, गाड़ियों को टक्कर मारी, फिर पैदल चल रहे लोगों को रौंदा

नैरोबी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। केन्या के लोंडियानी में शुक्रवार शाम एक सड़क दुर्घटना में कम से कम 48 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ, जब शिपिंग कंटेनर ले जा रहा एक ट्रक सड़क से उतर गया। ट्रक ने पहले बस स्टॉप पर मिनी बस को रौंदा फिर पैदल यात्रियों को कुचल दिया। हादसा केन्या की राजधानी नैरोबी से 200 किमी दूर हुआ।

स्थानीय पुलिस कमांडर जेफ्री मायेक ने बताया, एक्सीडेंट केरीचो और नाकुरु शहर के बीच हाईवे पर हुआ।

30 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्हें विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया, घायलों की संख्या अधिक हो सकती है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा- ट्रक हाईवे से उतरा, लोगों पर चढ़ गया

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमने देखा कि एक तेज रफ्तार ट्रक हाईवे से नीचे उतर गया। ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मारी फिर पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ गया।

गवर्नर ने कहा- मेरा दिल टूट गया है

हादसे पर केरिचो के गवर्नर एरिक मुताई ने दुख जताया। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, मेरा दिल टूट गया है। यह केरीचो के लोगों के लिए अंधकारमय पल है। मैं उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अभी-अभी अपने प्रियजनों को खोया है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो नहीं लड़ पाएंगे चुनाव

कोर्ट ने 2030 तक लगाई रोक, वोटिंग सिस्टम पर शक पैदा करने का आरोप

ब्राजीलिया, 1 जुलाई (एजेंसियां)। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के चुनाव लड़ने पर 7 साल यानी 2030 तक के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। अल जजीरा के मुताबिक, 68 साल के बोल्सोनारो पर अपने पद और मीडिया का दुरुपयोग करने का आरोप लगा था। इसी मामले में सुनवाई करते हुए ब्राजील की सबसे बड़ी इलेक्टोरल कोर्ट में 7 जजों की बेंच ने 5-2 के बहुमत से ये फैसला सुनाया।

बोल्सोनारो पर पिछले चुनाव में हार के बाद पावर का गलत इस्तेमाल करते हुए देश की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम पर शक पैदा करने का आरोप लगा था। फैसले के बाद एक रेडियो स्टेशन को दिए इंटरव्यू में बोल्सोनारो ने कहा- 'ये पीठ पर छुरा घोंपने जैसा है। मैं इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करूंगा। मैं अभी जिंदा हूं और ये लड़ाई लड़ता रहूंगा।'

बोल्सोनारो ने जुलाई 2022 में की थी फॉरेन ऐंबैस्डर्स के साथ मीटिंग

सीएनएन के मुताबिक, इस मामले की शुरुआत पिछले साल 18 जुलाई में हुई थी, जब

बोल्सोनारो ने 8 फॉरेन ऐंबैस्डर्स के साथ एक मीटिंग की थी। इसमें उन्होंने ब्राजील की चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाते हुए धांधली के आरोप लगाए थे। इस बैठक को टेलीविजन चैनलों और यूट्यूब पर लाइवस्ट्रीम किया गया था। हालांकि, बाद में यूट्यूब ने फेक न्यूज पॉलिसी के तहत लाइव लिंक को हटा दिया था।

सुनवाई से पहले लीड जस्टिस बेनेडिटो गोन्काल्व्स ने कहा था- बोल्सोनारो ने विदेशी ऐंबैस्डर के साथ हुई मीटिंग का इस्तेमाल साजिश के तहत संदेह पैदा करने के लिए किया। उन्होंने लोगों के मन में ये शक पैदा करने की कोशिश की कि 2022 के चुनावी नतीजों में धांधली होगी। लोकतंत्र के लिए इस तरह की साजिश खतरनाक है।

चुनाव में मामूली अंतर से हार गए थे बोल्सोनारो

बोल्सोनारो पिछले साल हुए चुनाव में वर्तमान राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा से मामूली अंतर से हार गए थे। डा सिल्वा ने 1 जनवरी 2023 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। इसके एक हफ्ते बाद बोल्सोनारो के हजारों समर्थक पुलिस बैरिकेड्स तोड़कर संसद, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति भवन में घुस गए थे और तोड़फोड़ की थी। इसके बाद पुलिस ने हंगामा करने वाले 400 लोगों को गिरफ्तार किया था।

अमेरिकी संसद में भी इसी तरह हुई थी हिंसा

इस घटना के बाद बोल्सोनारो पर हिंसा भड़काने के आरोप लगे थे। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जांच में पूर्व राष्ट्रपति का नाम भी शामिल करने का आदेश दिया था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बोल्सोनारो ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रेरित होकर ऐसा किया था।

दरअसल, 2 साल पहले 6 जनवरी 2021 को अमेरिका में भी ऐसी ही हिंसा हुई थी। चुनाव हार चुके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थक कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद में दाखिल हुए थे और तोड़फोड़ की थी। इसमें एक पुलिस अफसर समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना की जांच कर रही कमेटी ने 18 महीने बाद हिंसा के लिए ट्रम्प को जिम्मेदार ठहराया था।

बोल्सोनारो को कई दूसरे केस में हो सकती है जेल

कोर्ट के फैसले पर साओ पाउलो की इंस्पर यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर कार्लोस मेलो ने न्यूज एंजेंसी एपी को बताया- इस फैसले ने बोल्सोनारो के दोबारा राष्ट्रपति बनने की उम्मीद को लगभग खत्म कर दिया है। वो अपने कुछ सहयोगियों को अपने पद पर आगे करेंगे जिससे राजनीति में उनका स्थान बरकरार रह सके, लेकिन उनका प्रेसिडेंट की कुर्सी तक लौटना अब मुमकिन नहीं लगता। एपी के मुताबिक, इस केस में बोल्सोनारो को जेल की सजा होने का खतरा नहीं है। हालांकि, इसके अलावा भी उन पर कई ऐसे क्रिमिनल केस दर्ज हैं जिनमें जेल की सजा सुनाई जा सकती है।

अपहरण हुए सभी 16 पुलिस कर्मचारी रिहा

परिजनों ने लगाया गले

मेक्सिको सिटी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिणी मेक्सिको में अपहरण हुए 16 पुलिस कर्मचारियों को तीन दिनों की कैद के बाद रिहा कर दिया गया है। इसकी जानकारी चियापास राज्य के गवर्नर रुटिलियो एस्कैंडन ने ट्विटर पर दी है।

गवर्नर एस्कैंडन ने बताया कि अपहृत 16 सहकर्मियों को शुक्रवार दोपहर रिहा कर दिया गया। हालांकि, अब तक इन पुलिस कर्मचारियों की रिहाई के बारे में ज्यादा कुछ जानकारी सामने नहीं आई है।

बदमाशों की ये थी मांगें

अपहरणकर्ताओं ने चियापास में तीन स्थानीय पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करने और स्थानीय गायिका नेयेली सिन्को की रिहाई की मांग की थी। दरअसल, गायिका नेयेली सिन्को का पिछले हफ्ते एक अन्य गिरोह ने अपहरण कर लिया था।

रिहा कर्मचारी ने बताया कैसे वापस लौटे

रिहा हुए एक कर्मचारी ने बताया कि उन्हें एक पहाड़ी क्षेत्र में छोड़ा गया था। उन्हें नहीं पता था कि वह कहां है। बदमाशों ने एक वैन भी दी थी। साथ ही वैन की चाबी सार्वजनिक सुरक्षा और नागरिक संरक्षण सचिव (एसएसपीवाईपीसी) को देने को कहा गया था।

27 जून यानी मंगलवार को कुछ बंदूकधारी बदमाशों ने ओको कोआउटला-टक्स्टला गुतिरेज राजमार्ग पर एक पुलिस परिवहन ट्रक को रोक कर उसमें सवार 16 पुलिस कर्मचारियों का अपहरण कर लिया था। हालांकि, ट्रक में पुरुषों के साथ महिलाकर्मी भी मौजूद थीं, लेकिन बंदूकधारियों ने सिर्फ पुरुषों का अपहरण किया था।

राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर ने बताया कि जिन लोगों का अपहरण किया गया था वे एक स्थानीय जेल में काम करते हैं। यह लोग गार्ड या प्रशासनिक कर्मचारी के रूप में वहां पर कार्यरत है। हालांकि वे औपचारिक रूप से राज्य पुलिस द्वारा नियोजित हैं।

1000 अधिकारी लगाए थे

अधिकारियों ने पुलिस कर्मचारियों की तलाश के लिए पूरी एड़ी चोटी का दम लगा दिया था। उन्होंने एक हजार से अधिक अधिकारियों को तैनात किया। हालांकि, राज्य अभियोजक के कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि अपहृत लोग एक पिकअप में सवार होकर टक्स्टला गुतिरेज में राज्य पुलिस मुख्यालय पहुंचकर अपने आप वापस लौट आए।

परिवारों के खिले चेहरे

सबसे अच्छा दृश्य था कि एजेंसी के बाहर जो लोग अपनों के लिए डेरा जमाए हुए थे। उन्होंने जब अपने प्रियजनों को गाड़ी से उतरते देखा तो दौड़कर उन्हें गले से लगा लिया।

इंडोनेशिया में भूकंप से हिली धरती, लोगों में फैली दहशत

सड़कों पर रहने को मजबूर हुए लोग

जकर्ता, 1 जुलाई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किये गए और इसके चलते एक महिला की मौत हो गई, दो व्यक्ति घायल लोग हो गए जबकि बड़ी संख्या में मकान क्षतिग्रस्त हो गए। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने शुक्रवार को बताया कि भूकंप की तीव्रता 5.8 थी और इसका केन्द्र बामबनगलीपुरो से 84 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में था। यह स्थान योग्याकार्ता प्रांत के बंतुल में स्थित है। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने बताया कि बंतुल में भूकंप आने के बाद घबरा कर भाग रही 67 वर्षीय बुजुर्ग महिला की गिरने से मौत हो गई।

कम से कम दो अन्य लोग घायल हो गए। मुहरी ने बताया कि भूकंप से कम से कम 93 मकान और इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, इनमें योग्याकार्ता तथा ईस्ट जावा के स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, उपासना स्थल तथा सरकारी प्रतिष्ठान शामिल हैं। टेलीविजन पर प्रसारित एक वीडियो में यहां के और सेंन्ट्रल जावा के लोग भय के चलते भागते दिखे क्योंकि भूकंप के कारण इमारतें कई सेकंड तक हिलती रहीं।

इंडोनेशिया के मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकीय एजेंसी ने कहा कि भूकंप से सुनामी की कोई आशंका नहीं है, लेकिन उसने भूकंप के बाद और झटके आने की आशंका व्यक्त की। एजेंसी ने भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.4 मापी है। भूकंपों के शुरुआती मापों में बदलाव आम बात है। योग्याकार्ता जावा संस्कृति का एक प्राचीन केंद्र है और सदियों से शाही राजवंशों ने यहां राज किया। यहां सैकड़ों बुद्ध प्रतिमा और हिंदू मंदिर हैं। देश की सबसे सक्रिय ज्वालामुखी माउंट मेरापी भी यहां है। योग्याकार्ता में इससे पहले 2006 में एक भयानक भूकंप आया था, तब लगभग 6,200 लोगों की जान गई थी। वहीं, 1.30 लाख लोग घायल हुए थे। हालांकि इस दौरान भी यहां के मंदिरों और ऐतिहासिक साइट्स को कोई खास नुकसान नहीं हुआ था।

राजस्थान में धीमा पड़ा बारिश का दौर

बीकानेर-टोंक समेत कई जिलों में 4 इंच तक बरसात; जून में 10 साल का रिकॉर्ड टूटा

जयपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पिछले कुछ दिनों से चल रहा अच्छी बारिश का दौर आज से धीमा पड गया है। मध्य प्रदेश के ऊपर बने लो-प्रेशर एरिया के कमजोर पड़ने के कारण राजस्थान में भी अगले कुछ दिन बारिश कम ही होगी। कल देर शाम बीकानेर, टोंक, जयपुर समेत कई जिलों में 2 से लेकर 4 इंच तक बरसात हुई।

कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश के कारण बीसलपुर, जवाई, गुढा समेत कई बांधों का गेज लगातार बढ़ रहा है। मौसम केन्द्र नई दिल्ली ने जुलाई में मानसून का फोरकास्ट जारी करते हुए राज्य में सामान्य बारिश होने का अनुमान जताया है।

वहीं जून की बारिश ने पिछले 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। मई के बाद जून ने भी प्रदेश को खूब भिगोया। मई में बारिश ने 100 साल का रिकॉर्ड तोड़ा था। पहले 'बिपरजॉय' चक्रवात, फिर मानसून के कारण जून में जमकर बारिश हुई। यह बीते 10 साल में सर्वाधिक बारिश है। इस साल अब तक सामान्य के मुकाबले 132.60% अधिक बारिश हो चुकी है।

एक से 30 जून तक राजस्थान में सामान्यतः 65.80 मिमी बारिश होती है। अब तक 153.02 मिमी हो चुकी है। जयपुर संभाग में 47.1 मिमी अधिक बारिश हो चुकी है। जून में 16 जिलों में असामान्य बारिश दर्ज हुई है। पिछले साल इस अवधि में 3 जिलों में ही असामान्य बारिश थी। बीकानेर में शुक्रवार को सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इस दौरान पानी भरने से वाहन चालकों को परेशानी का भी सामना करना पड़ा।

बीकानेर में शुक्रवार को सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इस दौरान पानी भरने से वाहन चालकों को परेशानी का भी सामना करना पड़ा।

फोटो जैसलमेर का है। यहां बारिश की वजह से सड़कों पर पानी भर गया और पेड़ भी गिर गए।

अब कैसा रहेगा मौसम

प्रदेश के अधिकांश शहरों में आज सुबह से मौसम शुष्क है। जयपुर, अजमेर, बीकानेर, अलवर, पाली, गंगानगर समेत कई जिलों में धूप निकली है। शुक्रवार देर शाम बीकानेर में तूफानी बारिश हुई।

बीकानेर शहर में 42MM बारिश हुई और तेज हवा भी चली। सड़कों पर आधा फीट तक पानी बहता दिखा। इसी तरह जैसलमेर और चूरू में भी हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवा चली।

पिछले 24 घंटे के दौरान प्रतापगढ़, जयपुर के जमवारामगढ़, टोंक के निवाई, सवाई माधोपुर के खंडार, करौली के मासलपुर, चित्तौड़गढ़ के भैंसरोड़गढ़, धौलपुर के सैंपऊ में 2 से लेकर 4 इंच तक बरसात हुई। सबसे ज्यादा बारिश टोंक के निवाई में 109एमएम दर्ज हुई।

प्रदेश के बांधों में पानी की आवक जारी

कैचमेंट एरिया में भी अच्छी बारिश होने से कुछ बांधों का गेज लगातार बढ़ रहा है। टोंक के बीसलपुर बांध पर 34एमएम बारिश के बाद गेज 313.19 से बढ़कर 313.25 आरएल मीटर पर आ गया।

जवाई बांध में भी लगातार पानी आने से बांध का गेज 13.21 मीटर से ऊपर आ गया है। इधर, बूंदी के गुढा डैम का गेज भी 7.71 से बढ़कर 8.23 मीटर पर पहुंच गया है।

फोटो जैसलमेर का है। यहां बारिश की वजह से सड़कों पर पानी भर गया और पेड़ भी गिर गए।

अगले 2-4 दिन बारिश होगी कम

मौसम केन्द्र जयपुर से जारी फोरकास्ट के मुताबिक राज्य में आज पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में कहीं-कहीं मध्यम या तेज बारिश हो सकती है। इसके बाद शनिवार शाम से बारिश का दौर अगले 2-4 दिन के लिए धीमा पड़ जाएगा।

मध्य प्रदेश पर एक्टिव लो-प्रेशर सिस्टम के कमजोर होने के कारण ऐसा होगा। इस सिस्टम के असर के कारण ही राज्य में पिछले कुछ दिनों से लगातार अच्छी बारिश हो रही थी।

जुलाई में कैसा रहेगा मानसून

मौसम केन्द्र नई दिल्ली ने जुलाई के लिए मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। विशेषज्ञों के मुताबिक राजस्थान में जुलाई में सामान्य बारिश होने का अनुमान है। प्रशांत महासागर में तापमान सामान्य से ज्यादा होने के कारण अल नीनो कंडीशन बन गई है, जो अगले साल की पहली तिमाही तक बने रहने का अनुमान है।

केमिकल दुकान में ब्लास्ट के बाद लगी आग

दो लोग 90 प्रतिशत झुलसे, तीन बाइक और एक टैंपो भी जला

किशनगढ़ (अजमेर),1 जुलाई (एजेंसियां)। केमिकल की एक दुकान में अचानक हुए ब्लास्ट दो लोग बुरी तरह से झुलस गए। हादसे के बाद ये आग की लपटों से घिरे हुए बाहर आए। इस हादसे में ये 90 प्रतिशत तक झुलस गए। ब्लास्ट इतना खतरनाक था कि दुकान के बाहर खड़ी तीन बाइक और टैंपो को भी अपनी चपेट में ले लिया। मामला अजमेर के किशनगढ़ के गांधीनगर थाना क्षेत्र के हरमाड़ा चौराहे पर स्थित दुकान में सुबह करीब 10 बजे का है। ये दुकान मार्बल पॉलिश में काम आने वाली केमिकल की थी। इसके पास ही सरदार पेट्रोल पंप है। दोनों घायलों को किशनगढ़ के सरकारी हॉस्पिटल में लाया गया। यहां से इन्हें अजमेर के जेएलएन अस्पताल में रेफर किया गया।

आग की चपेट में आने दो मजदूर 90 प्रतिशत तक झुलस गए, जिन्हें किशनगढ़ से अजमेर रेफर किया गया है।

आग की चपेट में आने दो मजदूर 90 प्रतिशत तक झुलस गए, जिन्हें किशनगढ़ से अजमेर रेफर किया गया है।

गांधीनगर थाना पुलिस एसआई रामसिंह ने बताया भिनाय निवासी मोनू मोची (34), सरगांव निवासी कानाराम नट (35) दोनों घटना के समय दुकान के अंदर बैठे थे। इस दौरान तेज ब्लास्ट के साथ दुकान में अचानक आग लग गई। आग की लपटे इतनी तेज थी कि दुकान में बैठे दोनों लोग बुरी तरह झुलस गए। दोनों ने दुकान के बाहर भागकर जान बचाई। मौके पर मौजूद लोगों ने कपड़ों में लगी आग को बुझाया और नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां से अजमेर के जीएलएन अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। दोनों युवक मौत और जिदंगी की जंग लड़ रहे हैं। भीषण आग की चपेट में आने से मोनू मोची (34) और कानाराम नट (35) झुलस गए।

तेज ब्लास्ट के बाद मजदूर से दुकान से बाहर भागे, लेकिन केमिकल होने चंद सेकेंड में आग विकराल हो गई और चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गए।

तेज ब्लास्ट के बाद मजदूर से दुकान से बाहर भागे, लेकिन केमिकल होने चंद सेकेंड में आग विकराल हो गई और चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गए।

वहीं, आग लपटों से घिरी केमिकल की दुकान के बाहर खड़ी तीन बाइक और एक टैंपो की आग की चपेट में आए गए। देखते ही देखते भीषण की चपेट में आने से चारों वाहन जलकर कबाड़ हो गए। दुकान के पास में ही पेट्रोल पंप है, ऐसे में आग वहां तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

हादसे की सूचना के बाद गांधीनगर और मदनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दो दमकल गाड़ियों ने आधे घंटे की मशक्कत से आग पर काबू पा लिया। लेकिन तब तक दुकान और चपेट में आए चारों वाहन पूरी तरह जल गए। फिलहाल अभी आग के कारणों का पता नहीं चल पाया है। गांधीनगर थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बेटी से छेड़छाड़ पर परेशान पिता ने किया सुसाइड

दो युवकों ने धमकाया था - बेटी को साथ भेजो वरना उठाकर ले जाएंगे

पाली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। चाय की होटल पर पिता के साथ काम करने वाली एक लड़की को गांव के ही दो लड़के आए दिन छड़ते थे। परेशान होकर उसने पिता को यह बात बताई। पिता ने दोनों युवकों के घर पर शिकायत की लेकिन कुछ दिन शांत रहने के बाद युवक फिर से छेड़छाड़ करने लगे और युवती के पिता को उसकी बेटी को उठाकर ले जाने की धमकियां देने लगे। डिप्रेशन में आकर युवती के पिता ने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने अब मृतक की बेटी की रिपोर्ट पर मामला दर्जकर जांच शुरू की है।

घटना पाली के रोहट थाना क्षेत्र के चेंडा गांव की है। 48 साल के हरचंद पुत्र नेमाराम पटेल ने 29 जून को घर में फंदा लगाकर जान दे दी थी। मामले में उनकी बेटी ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। बेटी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता की गांव के हॉस्पिटल के पास चाय की केबिन है। पिता का हाथ बंटाने के लिए वह भी उनके साथ काम करती थी। दुकान पर चाय पीने चेंडा गांव के ही विक्रम सिंह पुत्र शंभू सिंह राजपूत और नेमाराम पुत्र समाराम सरगरा आते थे। दोनों युवक उस पर दोस्ती करने का दबाव बनाते थे। करीब तीन महीने पहले उन्होंने छेड़छाड़ भी की थी। दोस्ती नहीं करने पर उठाकर ले जाने की धमकी दी थी। परेशान होकर परिवार को दोनों युवकों के बारे में बताया।

युवकों ने घर जाकर धमकाया था

इस पर उन दोनों के परिजनों से मेरे पिता ने शिकायत की। कुछ दिन तो दोनों शांत रहे लेकिन तीन सप्ताह पहले फिर से छेड़छाड़ करने लगे। दोनों ने पिता को भी धमकी दी कि तेरी बेटी को उठाकर ले जाएंगे, जो करना है कर लेना। लड़की का आरोप है कि 28 जून को विक्रम सिंह और नेमाराम ने उसके घर पर भी जाकर पिता को धमकाया और कहा कि तुम्हारी बेटी को हमारे साथ भेजो नहीं तो उठाकर ले जाएंगे। इससे मेरे पिता इतना मानसिक दबाव में आ गए और 29 जून की सुबह उन्होंने घर में फंदा लगाकर जान दे दी।

आईएएस की पत्नी के नाम करोड़ों की जमीन

युवा नेता को नई जिम्मेदारी का इंतजार , नेताजी के बर्थ-डे में कार्यकर्ता की पिटाई

जयपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार के नजदीक रहे आईएएस अफसर इन दिनों एसीबी के राडार पर हैं। पहले एक मामले में बच गए, लेकिन अब आय से ज्यादा प्रोपर्टी का मामला बनता दिख रहा है। आईएएस की पत्नी के नाम से करोड़ों की जमीन खरीदने के दस्तावेजी सबूत सही जगह पहुंच गए हैं।सुनने में आ रहा है कि ऊपर से हरी झंडी मिल गई है, जांच एजेंसी ने पड़ताल शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में अफसर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सरकार की गुड बुक में रहे अफसर के इतने कागज सामने आ जाएं और एसीबी जांच शुरू कर दे, यह बिना किसी गड़बड़ के संभव नहीं है। कुछ न कुछ गड़बड़ जरूर हुई है अन्यथा उनसे बड़े वालों को आंच तक नहीं आई। सरकार के एक नजदीकी ने पुरानी कहावत का हवाला देते हुए पूरे मामले में गड़बड़ी की तरफ इशारा किया है। कहावत का सार है- राजा (आज के जमाने में सीएम-पीएम), योगी, अग्नि और जल इनसे सावधानी से ही व्यवहार करना चाहिए, जरा सी चूक भारी पड़ जाती है। आईएएस ने इसी कहावत का ध्यान नहीं रखा और अब मुश्किल में हैं।

सियासत में संसाधन और जनाधार जितना जरूरी है उतना ही जरूरी है विरोधियों की ताकत के सोर्स के बारे में पूरी जानकारी रखना। सत्ताधारी पार्टी के एक नेताजी ने इसी फार्मूले को अपनाते हुए विरोधियों से लेकर अपनी पार्टी के नेताओं के बारे में ब्यौरा जुटाया है। प्रदेश के जितने भी नेता खान का कारोबार से जुड़े हैं या खुद की खानें हैं उन सबका दस्तावेजों के साथ ब्यौरा तैयार है। इस तरह के दस्तावेज वक्त-जरूरत काम आते हैं।

चुनावी साल है इसलिए ये दस्तावेज जल्द ही काम आएंगे। दस्तावेजों से यह तो तय हो गया कि बड़ी संख्या में सत्ता से लेकर विपक्ष के नेता खान-धारी हैं, कई मुद्दों पर सब तरफ चुप्पी यूं ही नहीं होती।

अपनी ही सरकार को अल्टीमेटम देकर सुलह के बाद युवा नेता लंबे समय से शांत हैं। अब नेता शांत तो समर्थक भी शांत ही रहेंगे। राजनीति में शांति के भी मायने होते हैं।

अब अंदरखाने चर्चा है कि जुलाई में युवा नेता को मुख्यधारा में लाने की तैयारी है। पद क्या मिलता है यह पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता, लेकिन सबसे पावरफुल नेता और उनके पैरोकार एक्टिव हैं।

युवा नेता के समर्थकों की निगाह अब दिल्ली में होने वाली बैठक पर है। वैसे सत्ताधारी पार्टी में फैसला हो जाए तभी मानना चाहिए, चर्चाएं पहले भी कई बार चली हैं।

जानकार दावा कर रहे हैं कि चुनाव नजदीक हैं इसलिए इस बार मामला पक्का है। युवा नेता की चुप्पी को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। चुप्पी अकारण तो नहीं ही होगी। हैदराबाद वाले नेता की रैली को मंजूरी नहीं देने के पीछे कौन?

विधानसभा चुनावों के नजदीक आते देख **हैदराबाद** वाले नेताजी के दौरे लगातार बढ़ रहे हैं। हैदराबाद वाले नेताजी आज 2 जुलाई को राजधानी में रैली करने वाले हैं। जिस जगह रैली करनी है वहां पुलिस ने मंजूरी नहीं दी है, लेकिन नेताजी उसी जगह के लिए अड़े हुए हैं। इस जगह पर पहले भी रैली और सभा सम्मेलन होते रहे हैं। ऐसे में हैदराबाद वाले नेता की रैली को मंजूरी नहीं देने की चर्चा शुरू हो गई है। पड़ताल में सामने आया है कि सत्ताधारी पार्टी के एक माइनोरिटी से जुड़े विधायक नहीं चाहते कि रैली को मंजूरी मिले।

अब राजधानी का सत्ता वाली पार्टी का विधायक इतना तो करवा ही सकता है। विधायक ने भले पावर दिखा दिया लेकिन मामला उल्टा भी पड़ सकता है। माइनोरिटी के लोग अब सवाल उठाने लगे हैं।

सत्ताधारी पार्टी के कई नेता ऐसे हैं जो अब भी राज का प्रसाद पाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। दिल्ली में बैठकों का दौर शुरू होते ही एक बार फिर सत्ताधारी पार्टी का एक धड़ा कैबिनेट फेरबदल की चर्चाओं को बल देने लगा है। यह धड़ा लगभग हर महीने इस तरह की चर्चाएं छेड़ ही देता है। कई विधायकों के अरमान फिर जगने लगे हैं। आचार संहिता लगने में तीन महीने का वक्त बचा है लेकिन मंत्री बनने के इच्छुक एक नेता ने साफ कह दिया- राज तो एक घंटे का भी बहुत होता है, तीन महीने तो बहुत होते हैं। अब इस लेवल की सत्ता की चाहत वाले उम्मीद क्यों नहीं रखें। फिलहाल यह मामला चर्चाओं तक ही सीमित है।

फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट ने सुसाइड किया

लिखा- मैं आपके और मेरे सपनों पर खरा नहीं उतर पाया

चौमूं (जयपुर), 1 जुलाई (एजेंसियां)। फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। युवक का शुक्रवार को ही रिजल्ट आया था। वह लगातार दूसरे साल एग्जाम में फेल हो गया था। युवक के पास सुसाइड नोट भी मिला। लिखा- मैं आपके और मेरे सपनों पर खरा नहीं उतर पाया। मामला जयपुर के चौमूं उपखण्ड का शुक्रवार देर रात का है। शनिवार सुबह घरवालों को घटना का पता चला। युवक रात को खाना खाकर सोया था और देर रात को घर के पास बने बाड़े में जाकर रस्सी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। युवक रात को खाना खाकर सोया था और देर रात को घर के पास बने बाड़े में जाकर रस्सी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।

सामोद थाना प्रभारी पूजा पूनिया ने बताया कि इटावा भोपजी गांव निवासी राजवीर यादव (21) पुत्र सांवरमल यादव बीएससी फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट था। राजवीर ने शुक्रवार देर रात को मकान के पास बने टीन शेड के बाड़े में रस्सी से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।

सुबह घरवाले बाड़े में गए तो राजवीर फंदे से लटका मिला। घरवालों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद शव को नीचे उतारकर जांच की। इस दौरान उसकी जेब में एक सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद शव को मॉर्च्युरी में रखवाया और पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि राजवीर पिछले साल बीएससी फर्स्ट ईयर में फेल हो गया था। इस बार उसने फिर एग्जाम दिया था।

शुक्रवार को आए रिजल्ट में एक बार फिर फेल होने से वह तनाव में आ गया था।रात को उसने घर पर खाना खाया था और फिर कमरे में जाकर सो गया था। देर रात उठकर मकान के पास बने बाडे.में गया और रस्सी का फंदा बनाकर लटक गया।

राजवीर के पिता सांवरमल यादव खेती-बाड़ी करते हैं, जबकि माता कोयली देवी गृहिणी है। राजवीर के एक छोटा भाई जितेंद्र यादव है, जो 11वीं क्लास में पढ़ाई करता है।

कन्हैयालाल हत्याकांड के गवाह से मिलने पहुंचीं राजे

परिवार ने पूर्व सीएम को बताई आपबीती

उदयपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। 28 जून 2022 को उदयपुर में हुए कन्हैयालाल हत्याकांड का मुद्दा एक बार फिर उठ गया है। एक दिन पहले शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह ने उदयपुर के गांधी मैदान में हुई सभा में इसका मुद्दा उठाया।

शनिवार को दोपहर 12 बजे पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे इस हत्याकांड के अहम गवाह रावजी का हाटा स्थित बाबेल स्ट्रीट में रहने वाले राजकुमार शर्मा के घर पहुंचीं।

उन्होंने राजकुमार की पत्नी और बेटे से बातचीत की। यहां पूर्व सीएम ने परिवार को 1 लाख रुपए की सहायता दी और साथ ही उनकी बेटी की शादी का जिम्मा उठाने की बात कही। राजे ने बताया कि मैं यहां वास्तविक स्थिति देखने आई थीं और उनकी तबीयत जानने। जो भी मदद होगी हम करेंगे।

गौरतलब है कि इस मामले को दैनिक भास्कर ने प्रमुखता से उठाया था। बताया था कि कैसे इस हत्याकांड ने राजकुमार शर्मा से भी उनकी जिंदगी छीन ली। हत्याकांड से राजकुमार इतने खौफ और मानसिक तनाव में आ गए कि शरीर बेजान हो गया।

उदयपुर में कन्हैया हत्याकांड के गवाह राजकुमार के घर संकरा रास्ता होने से पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ऑटो में सवार होकर गईं। उनके साथ मावली विधायक धर्मनारायण जोशी भी थे।

उदयपुर में कन्हैया हत्याकांड के गवाह राजकुमार के घर संकरा रास्ता होने से पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ऑटो में सवार होकर गईं। उनके साथ मावली विधायक धर्मनारायण जोशी भी थे।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे तीन दिन से उदयपुर दौरे पर हैं। शनिवार को राजे मावली विधायक धर्मनारायण जोशी और भाजपा के अन्य पदाधिकारियों के साथ राजकुमार के घर पहुंची। गली के बाहर रास्ता संकरा होने से कार नहीं जा पा रही थी। ऐसे में राजे ऑटो से राजकुमार शर्मा के घर पहुंचीं। यहां राजकुमार की पत्नी पुष्पा और बच्चों से मुलाकात की। पुष्पा ने बताया कि- बेटी 25 साल की हो गई है। सालभर पहले बेटी की शादी होनी थी, वो टल गई। हम इतने डरे हुए हैं कि बच्चों ने अपने घर के बाहर से नेम प्लेट जहां पिता का नाम लिखा होता था, उसे मिटा दिया है। अब वहां सिर्फ मेरा ही नाम है। साथ ही बताया कि बेटे को अच्छे से पढ़ाना चाहती थी, लेकिन अब ऐसी स्थिति हो गई कि बेटा घर चलाने के लिए 10 से 12 हजार रुपए की नौकरी कर रहा है। राजे ने इस दौरान राजकुमार से भी बात की। राजकुमार ने बताया- इस हत्याकांड में उनका परिवार टूट चुका है। मैं अब न खड़ा हो सकता हूं, न बैठ सकता हूं। हालत खराब हो गई है। घर के बाहर जाने से भी डर लगता है।

परिवार ने बताया कि इतना डरे हुए है कि नेम प्लेट से राजकुमार शर्मा का नाम भी हटा दिया है।

परिवार ने बताया कि इतना डरे हुए है कि नेम प्लेट से राजकुमार शर्मा का नाम भी हटा दिया है।

जयपुर में कॉमर्शियल सिलेंडर 7 रुपए महंगा

जयपुर,1 जुलाई (एजेंसियां)। आज सरकारी तेल-गैस कंपनियों ने एलपीजी गैस की कीमतों का रिव्यू किया है। कंपनियों ने शनिवार को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 7 रुपए तक का इजाफा किया है। ये दरें आज से लागू हो गई। इससे पहले पिछले महीने कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 84 रुपए की कमी की थी।

कंपनियों से जारी रिपोर्ट्स के मुताबिक आज से 19 किलोग्राम का गैस सिलेंडर जो कल तक 1796 रुपए में बाजार में मिलता था, जो आज से बढ़कर 1803 रुपए में मिलेगा। वहीं जोधपुर, कोटा, उदयपुर, गंगानगर समेत राजस्थान के अन्य शहरों में अलग-अलग दाम है। इससे पहले तेल कंपनियों ने लगातार तीन महीने अप्रैल, मई और जून में कॉमर्शियल उपयोग के सिलेंडर की कीमतें कमी की थी, लेकिन तब घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया था। बाजार में आज भी घरेलू उपयोग का 14.2 किलोग्राम का गैस सिलेंडर पहले की दर 1106.50 रुपए में ही मिल रहा है। आपको बता दें कि राजस्थान में तीनों तेल गैस कंपनियों के एक करोड़ 75 लाख 48 हजार से ज्यादा उपभोक्ता है। गैस की कीमतों में कम और बढ़ने का सीधा असर अब इन उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। केंद्र सरकार ने अप्रैल 2020 में लॉकडाउन लगने के बाद से रसोई गैस पर दी जाने वाली सब्सिडी को अघोषित तौर पर बंद कर रखा है। अप्रैल 2020 तक लोगों को रसोई गैस पर 147 रुपए की सब्सिडी मिलती थी।

2700 किलो का रोट, 20 घंटे में तैयार हुआ

क्रेन से भट्टी में सिकाई के लिए रखा, 2 महीने तैयारी और 12 लाख खर्च हुए

सीकर,1 जुलाई (एजेंसियां)। सीकर के प्रसिद्ध देवीपुरा बालाजी धाम में 2700 किलो के विशेष रोट का भोग लगाया गया। यह रोट 20 घंटे में तैयार हुआ। शुक्रवार सुबह पांच बजे बनना शुरू हुआ और शनिवार रात तीन बजे बन पाया।

हनुमानजी को भोग लगने वाले इस स्पेशल रोट को बनाने में सवा 11 क्विंटल आटा, ड्राइ फ्रूट, सूजी और गाय के देसी घी का इस्तेमाल किया गया है।

रोट को बनाने में 12 लाख रुपए खर्च हुए हैं। सूरत और फलोदी के पूरनासर के 20 भक्तों ने इसे बनाया। पूरनासर धाम के संत रामदास महाराज (बापजी) के सानिध्य में यह रोट बनाया गया है। देवीपुरा बालाजी धाम के महंत ओमप्रकाश शर्मा का दावा है कि यह विश्व का सबसे बड़ा रोट है। विश्व में शांति के उद्देश्य को लेकर बनाए गए इस रोट के लिए 2 महीने से धाम में तैयारियां चल रही थीं।

2700 किलो के विशेष रोट का चूरमा बनाकर भक्तों को प्रसाद बांटा गया। शनिवार को मंदिर में बालाजी के दर्शन करने आए भक्त। 2700 किलो के विशेष रोट का चूरमा बनाकर भक्तों को प्रसाद बांटा गया। शनिवार को मंदिर में बालाजी के दर्शन करने आए भक्त।

देवीपुरा बालाजी धाम में शनिवार सुबह 5 बजे रोट को क्रेन की मदद से भट्ठी से बाहर निकला गया। इसके बाद ट्रॉली से रोट को मंदिर परिसर में ले जाया गया। रोट की साफ-सफाई करने के बाद सवा 8 बजे पूजा-अर्चना कर पूरनासर धाम के संत रामदास महाराज (बापजी) ने बाल भोग लगाया। मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ और आरती की गई।

मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। देवीपुरा धाम बालाजी के जयकारों से गूंज उठा। रोट देखने के लिए आस-पास के कस्बों से काफी लोग पहुंचे। श्रद्धालुओं का कहना है कि इस सिद्धपीठ देवीपुरा बालाजी धाम में आकर उनकी मन्नतें पूरी होती हैं। सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर पुलिस भी तैनात की गई।

रोट बनकर तैयार होने के बाद चूरमा बनाते हुए भक्त।

रोट की गोलाई 11 फीट है और मोटाई 2 फीट है। रोट का कुल वजन 2700 किलोग्राम है।

केटी रामा राव एफटीसीसीआई उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान करेंगे

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने शनिवार को एफटीसीसीआई उत्कृष्टता पुरस्कारों के 22 विजेताओं की घोषणा की। विजेताओं को ये पुरस्कार 3 जुलाई को एचआईसीसी में आयोजित एक शानदार समारोह में उद्योग और आईटी मंत्री के. टी. रामा राव, प्रमुख सचिव जयेश रंजन, ग्रीनको ग्रुप के मुख्य कार्यकारी और एमडी अनिल कुमार चालमलासेट्टी द्वारा प्रदान किए जाएंगे। अनिल अग्रवाल, अध्यक्ष-एफटीसीसीआई, अरुण लुहारुका, अध्यक्ष, एफटीसीसीआई उत्कृष्टता पुरस्कार समिति, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीला जयदेव और उपाध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल ने शनिवार को फेडरेशन हाउस में आयोजित एक मीडिया मीट में पुरस्कार विजेताओं की सूची का खुलासा किया। नामांकन 23 श्रेणियों में मांगे गए थे, नामांकन केवल 22 श्रेणियों में प्राप्त हुए थे। अनुसंधान एवं विकास में उत्कृष्टता श्रेणी में कोई नामांकन प्राप्त नहीं हुआ। एफटीसीसीआई अब तक 22 श्रेणियों में पुरस्कार देता है। लेकिन इस साल इसने साल का सर्वश्रेष्ठ स्टार्ट-अप नाम से एक नई श्रेणी पेश की। प्राप्त 150 प्रविष्टियों में से 22 विजेताओं को चुना गया। इस अवसर पर बोलते हुए एफटीसीसीआई के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि ये पुरस्कार बाकियों से अलग हैं क्योंकि ये व्यक्तियों या संगठनों के विपरीत व्यापार के शीर्ष निकाय द्वारा दिए जाते हैं। इसलिए, उनकी अत्यधिक मांग की जाती है और उनका सम्मान किया जाता है। एफटीसीसीआई उत्कृष्टता पुरस्कार समिति के अध्यक्ष अरुण लुहारुका ने कहा कि विजेताओं को चुनने के लिए उन कंपनियों पर विचार किया गया जो गुणवत्ता और उच्च उत्पादन के लिए जानी जाती हैं और जिनका योगदान जीडीपी आदि में महत्वपूर्ण है।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिक बी वी पापा राव एएसएल, डीआरडीओ के नियुक्त

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिष्ठित वैज्ञानिक बी वी पापा राव को एडवांस्ड सिस्टम्स लेबोरेटरी (एएसएल), डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स, डीआरडीओ, हैदराबाद तेलंगाना का निदेशख नियुक्त किया गया है।

श्री राव के पास अत्याधुनिक उन्नत प्रणोदन प्रणाली, गैस जनरेटर, सहायक मोटर और ठोस मोटर के लिए थ्रस्ट वेक्टर नियंत्रण प्रणाली के डिजाइन व विकास में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्नत प्रणोदन प्रणालियों और अन्य मिशन-महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों में उनका निरंतर अनुसंधान एवं विकास योगदान पनडुब्बी से प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइलों और लंबी दूरी की अग्नि मिसाइलों के विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

मिसाइलों और सामरिक प्रणालियों में उनके विविध योगदान के लिए, उन्हें रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा प्रशस्ति, प्रदर्शन उत्कृष्टता पुरस्कार, रणनीतिक योगदान के लिए विशेष पुरस्कार, प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वह एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, एचईएमएसआई, आईएनएसएआरएम और इंटरनेशनल बैलिस्टिक सोसाइटी के सदस्य हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और जेएनटीयू, हैदराबाद से प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में एम.टेक प्राप्त किया।

दो बार की विजेता वेस्टइंडीज विश्व कप के लिए नहीं कर पाई क्वालिफाई

स्कॉटलैंड से हारकर बाहर

हरारे, 1 जुलाई (एजेंसियां)। 1975 और 1979 में शुरूआती दो विश्व कप जीतने वाली टीम वेस्टइंडीज की टीम का शर्मनाक प्रदर्शन जारी है। वह आगामी विश्व कप में नजर नहीं आएगी। विश्व कप के क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड के खिलाफ मिली हार के बाद वह दौड़ से बाहर हो गई है। वेस्टइंडीज को सुपर सिक्स के मुकाबले में शनिवार (एक जुलाई) को स्कॉटलैंड ने सात विकेट से हरा दिया। यह पहला अवसर होगा जब वह किसी भी फॉर्मेट के विश्व कप में नहीं खेलेगी।

क्लाइव लॉयड, विवियन रिचर्ड्स, माइकल होल्डिंग, मैल्कम मार्शल, कर्टने वॉल्श, ब्रायन लारा, शिवनारायण चंद्रपॉल और क्रिस गेल जैसे दिग्गज जिस वेस्टइंडीज टीम से खेले, उसका यह हश्र देखकर फैंस भी हैरान हैं। वेस्टइंडीज वनडे फॉर्मेट में पहली बार स्कॉटलैंड से हारा है।

वेस्टइंडीज को सुपर सिक्स में नहीं मिली है जीत :

हरारे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में स्कॉटलैंड की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 43.1 ओवर में 181 रन पर समेट दिया। जवाब में स्कॉटलैंड ने 43.3 में तीन विकेट के नुकसान पर 185 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद सुपर सिक्स में स्कॉटलैंड के तीन मैचों में चार अंक हो गए हैं। वह तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, वेस्टइंडीज तीन मैचों में तीन हार के बाद पांचवें पायदान पर है।

वेस्टइंडीज की बल्लेबाज हुए फेल

स्कॉटलैंड जैसी अपेक्षाकृत कमजोर माने जाने वाली टीम के खिलाफ वेस्टइंडीज के बल्लेबाज पूरी तरह फेल हो गए। एक समय उसके 30 रन पर चार विकेट गिर गए थे। जॉनसन चार्ल्स और शामराह ब्रूक्स खाता भी नहीं खोल पाए। ब्रेंडन किंग 22 और कायेल मेयर्स पांच रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान शाई होप ने निकोलस पूरन के साथ मिलकर उम्मीद जगाई, लेकिन दोनों बड़ी पारी नहीं खेल पाए। होप 13 और पूरन 21 रन बनाकर आउट हो गए।

सन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड ने वेस्टइंडीज के 150 के पार पहुंचाया। होल्डर ने 45 और शेफर्ड ने 36 रन बनाए। केविन सिंक्लेयर 10 और अल्जारी जोसेफ छह रन बनाकर आउट हुए। अकील हुसैन ने नाबाद छह रन बनाए। स्कॉटलैंड के लिए ब्रैंडन मैकमुलेन ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। क्रिस सो, क्रिस ग्रीव्स और मार्क वाट को दो-दो सफलता मिली।

श्री गोरक्षण संस्था गोशाला महिषा समिति गठित

भैंसा, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिला भैंसा (महिषा से परिवर्तित नाम) हिंदू वाहिनी के तत्वावधान में एक नई गौशाला समिति को महिषा में हिंदू जाति संघों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से चुना गया। नरसिम्हा स्वामी मंदिर में हुई बैठक में नई कमेटी का गठन किया गया। कई वर्षो के बाद भैंसा हिंदू समाज के लोगो के परिजनों की पीढ़ियों की तपस्या उपरांत 2023 जुलाई में पहली तारीख नही भूलेंगे। शहर में गौ रक्षा के लिए वर्ष 2021-22 के बीच शहर के युवाओं ने गौ रक्षा का जिम्मा अपने ऊपर लिया। लक्षण पटेल, दत्तू उनके साथी की माने तो उस वक्त गोशाला में 70 से 80 गौ रही। आज 200 से 300 तक गाय मौजूद है। यह पूरा श्रेय इन गौ भक्तो जाता है। सभी ने कमिटी गटन के पूर्व दोराबजी सेट (पारसी ब्रदर्स) को याद किया।

उनकी गौ भक्ति के प्रति उनकी उधारता को गौ प्रेम कृष्ण भक्ति कहा। जिनोहने शहर गौ शाला को सन 1940 से 1950 के बीच 395 एकड़ जमीन गौ पालन के लिए दान में दी। उस 395 एकड़ जमीन से अभी 366 एकड़ जमीन रही है। 33 एक्कर गड्डेन्न परियोजना बांध में सरकार को दी गई और 10 एकड़ जमीन मिशन भगीरता को दी गई। जिसके बाद फिर से 100 से 150 एकड़ सरकार को सौंपने की बात पर युवा भड़के और पूरी जमीन का सर्वे कर कमिटी का गठन किया गया है। गौ रक्षा समिति में मानद अध्यक्ष सुदर्शन पाटिल, अध्यक्ष, निम्मलवार प्रवीण (वकील), महासचिव कुंटा काशीनाथ, सचिव नुकला सुरेश, संयुक्त सचिव शिंदे लक्ष्मण पटेल, नागी दत्तू, उपाध्यक्ष डॉ. कुमार यादव, तुमोल्ला दत्तात्रि, सूर्यवंशी संतोष, प्रकाश व्यास, मारुति पलावर, बोलशेट्टी साईनाथ, कोषाध्यक्ष पर्वतोला श्रीनिवास, संयुक्त कोषाध्यक्ष शिंदे कपिल, सदस्यों के रूप में गोविंद मंदानी, सादुला कृष्णदास, बोएकर मारुति, दगड़े गंगाधर, बोइना श्रीनिवास (एनटीआर), नदीमिशेट्टी गंगाधर, विजय लस्करी विशाल, संतोष राठौड़, राजा नंद्यादोल्ल, कानूनी सलाहकार ताडेवार साईनाथ शामिल है।

तेलंगाना राज्य आधिकारिक भाषाई संघ ने फैसले की सराहना की

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य आधिकारिक भाषाई संघ की चेयरमैन श्रीदेवी ने कहा कि तेलंगाना राज्य उच्च न्यायालय ने पहली बार मातृभाषा तेलुगु में किसी मुकदमे से संबंधित निर्णय जारी किया है और एक नए अध्याय का उद्घाटन किया है। वह तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा पहली बार तेलुगु में फैसला सुनाये जाने पर प्रतिक्रिया दे रही थीं। उन्होंने कहा कि इससे भाषा प्रेमियों में असीम खुशी है। यह निर्णय एक नई प्रवृत्ति की शुरुआत है और भाषा सीखने के लिए यह एक सपने के सच होने जैसा है। श्रीदेवी अदालत कार्यालय के दैनिक मामलों और निर्णयों में परंपरा को जारी रखना चाहती है और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यालयों व धर्मार्थ संगठनों के लिए यह एक मार्गदर्शक कदम है।। एक बयान में उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य आधिकारिक भाषाई संघ उच्च न्यायालय की सराहना करता है।

अग्रणी महिला मंच की सावन की सैर कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने जानकारी देते हुए कहा कि शनिवार को अग्रणी महिला मंच की सावन की सैर संपन्न हुई। सावन की सैर पर महिलाओं को पटनचेरू ओम् साई बाबा मंदिर में लेकर जाया गया। सुबह बशीरबाग में स्थित कनक दुर्गा माता मंदिर से बस रवाना हुई। बस में तंबोला खिलाया गया और बसों को इंतजाम किया गया था। मंदिर पहुंचने के बाद सभी ने दर्शन किए और भजन कीर्तन भी किए। सभी ने मिलके भगवान को याद किया और उनके आशीर्वाद की प्रार्थना की। कुछ समय बाद महिलाओं में कई सारे खेल खेलने शुरू किए। महिलाओं ने श्रृंगार रूप, अंताक्षरी आदि कई प्रकार के खेलों में आयोजन किया। इन खेलों आदि से जमकर मनोरंजन किया गया। इस अवसर पर बबिता गर्ग,सुनयना नरसरिया,स्मिता शाह, प्रीति गोयल, रूपा गुप्ता, संगीता जाजोदिया, सोनिया गोयल आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज उत्तरांचल नारी शक्ति शाखा की बैठक में सावन की सैर की चर्चा में शामिल अध्यक्ष बीना बहलोटिया, मानद मंत्री प्रीति अग्रवाल, शिल्पा केसान, रेनू तायल, रेनू अग्रवाल, संगीता गोयल, लता अग्रवाल, अनीत गरिवाल, लता व अन्य।

होटल ताजकृष्णा में आयोजित कामिनी सराफ की फैशन यात्रा 'फैशन और स्टाइल' का एकदिवसीय उत्सव शहर के फैशनपरस्तों और ट्रेंड सेटरों को मंत्रमुग्ध करने में सफल रही। प्रदर्शनी में डिजाइनर परिधान, आभूषण और जीवनशैली उत्पाद शामिल थे। इस प्रदर्शनी में प्रमुख रूप से कामिनी सराफ और पिंकी रेड्डी शामिल रही और भारी संख्या में लोग प्रदर्शनी में पहुंचे थे।

हिन्दी महाविद्यालय के पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय में पूर्व छात्रों के लिए बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कई पूर्व छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष तरुण कुमार झँवर, प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी धारी, डॉ. चंद्रप्रकाश चौहान परामर्शदाता (पूर्व विद्यार्थी संघ) तथा हिन्दी महाविद्यालय समिति के कार्यकारी सदस्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। डॉ. बी. श्री देवी (उप-प्रचार्य) ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। महाविद्यालय प्रबंधन समिति उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, मानद मंत्री शील कुमार जैन, कोषाध्यक्ष एस. बी. काबरा उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा ने सभी पूर्व छात्रों को नैक संबंधी जानकारी देते हुए उन्हें आगामी नैक कार्यक्रम 21 तथा 22 जुलाई को बैठक में सम्मिलित होने का प्रस्ताव देते हुए उनकी नैक में भूमिका को सुनिश्चित किया। परामर्शदाता चंद्रप्रकाश चौहान ने अपने महाविद्यालय के दिनों को याद करके अपनी स्वरचित कविता सभी के समक्ष प्रस्तुत की, तथा बड़े ही सधे ढंग से कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रजनी धारी महासचिव (हिन्दी महाविद्यालय पूर्व विद्यार्थी संघ) तथा हिन्दी विभागाध्यक्ष ने अपनी स्वरचित कविता प्रस्तुत की तथा आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

चारधाम यात्रा कर नगर पधारने पर जीड़िमेटला सीरवी समाज अध्यक्ष मांगीलाल काग-सुन्दरबाई, गौभक्त पुसाराम-मैनादेवी, कालुराम-सेमादेवी, भुराराम-रमादेवी का सम्मानकर उपस्थित उपाध्यक्ष अर्जुनलाल बर्फा, सचिव नारायणलाल वरपा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, सलाहकार सोहनलाल परिहार, सहसचिव प्रेम पंवार, श्री आईजी बाल संस्कार केन्द्र अध्यक्ष मोहनलाल सोलंकी, मांगीलाल सोलंकी, कानाराम काग, संतोष चोयल व समाज बन्धु।

सीपी ने ग्रुप-4 परीक्षा केंद्र का दौरा किया

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के सीपी डीएस चौहान ने कहा कि राचकोंडा के परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। आज महात्मा गांधी लॉ कालेज, एलबी नगर स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि कोई अप्रिय घटना न हो।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर आरोग्य अस्पताल के डॉ. मोहन गुप्ता का सम्मान करते हुए गोविन्द राठी, मनोज गोयल, आनंद शर्मा, मनोज जायसवाल, वाई बाबू गुरु, भगत सिंह सोलंकी व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आज भारत विकसित...

मैंने आवाह्न किया है कि आजादी के 75 वर्ष के अवसर पर हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाएं। एक वर्ष से भी कम समय में करीब 60 हजार अमृत सरोवर देश भर में बनाएं जा चुके हैं।

बीते 9 वर्षों में सिंचाई हो या पीने का पानी हो, उसे घर घर, खेत खेत पहुंचाने के लिए जो काम सरकार ने किए हैं, ये उसका विस्तार है। ताकि किसानों और हमारे पशुओं को पानी की कमी न पड़े। इसलिए सहकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी इस पावन अभियान से जरूर जुड़ना चाहिए। ज्यादा पानी, ज्यादा फसल की गारंटी नहीं है। माइक्रो सिंचाई का कैसे गांव-गांव तक विस्तार हो, इसके लिए सहकारी समितियों को अपनी भूमिका का भी विस्तार करना होगा।

एक प्रमुख विषय भण्डारण का भी है। अनाज के भण्डारण की सुविधा की कमी से लंबे समय तक हमारी खाद्य सुरक्षा और हमारे किसानों का बहुत नुकसान हुआ है। आज भारत में हम जितना अनाज पैदा करते उसका 50 प्रतिशत से भी कम हम स्टोर कर सकते हैं। अब केंद्र सरकार दुनिया की सबसे बड़ी भण्डारण योजना लेकर आई है।

बीते अनेक दशकों में देश में करीब 1,400 लाख टन से अधिक की भण्डारण क्षमता हमारे पास है। आने वाले 5 वर्षों में लगभग 700 लाख टन की नई भण्डारण क्षमता बनाने का हमारा संकल्प है। ये निश्चित रूप से बहुत बड़ा काम है, जो देश के किसानों का सामर्थ्य बढ़ाएगा, गांवों में नए रोजगार बनाएगा।

महेश बैंक पर ...

तीन जुलाई को बैठक :

यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सांसदों की राय जानने के लिए संसदीय स्थायी समिति की तीन जुलाई को बैठक बुलाई गई है। इस मुद्दे पर विधि आयोग, कानूनी मामलों के विभाग और विधायी विभाग के प्रतिनिधियों को बुलाया है। विधि आयोग द्वारा यूसीसी पर आम लोगों से सुझाव मांगने के मुद्दे पर इन तीनों विभागों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है।

यूसीसी पर क्या बोले थे पीएम मोदी

पीएम मोदी ने मंगलवार को भोपाल में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के मुसलमानों को यह समझना होगा कि कौन से राजनीतिक दल उनको भड़का रहे हैं। आजकल यूसीसी के नाम पर भड़का रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि एक घर में एक सदस्य के लिए एक कानून हो और दूसरे के लिए दूसरा तो घर चल पायेगा क्या? तो ऐसी दोहरी व्यवस्था से देश कैसे चल पाएगा? ये लोग हम पर आरोप लगाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ये अगर मुसलमानों के सही हितैषी होते तो मुसलमान पीछे नहीं रहते। सुप्रीम कोर्ट बार-बार कह रहा है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड लाओ लेकिन ये वोट बैंक के भूखे लोग ऐसा नहीं करना चाहते।

रोबोट के जरिए...

इन सभी पर यूए(पी) एक्ट 1967, आईपीसी और केएस प्रिवेंशन ऑफ डिस्ट्रक्शन एंड लॉस ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 1981 के तहत आरोप लगाए गए थे। माज मुनीर अहमद और सैयद यासीन पर पहले भी इस साल मार्च में आरोपपत्र दाखिल किया गया था। अब उन पर अन्य अपराधों का आरोप लगाया गया है। नौ आरोपियों में से माज मुनीर अहमद, सैयद यासीन, रीशान थाजुद्दीन शेख, माजिन अब्दुल रहमान और नदीम अहमद केए ने मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उन्हें भारत के लिए आईएस के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए भविष्य में आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए विशेष कौशल हासिल करने का टास्क दिया गया। विदेश स्थित आईएसआईएस हैंडलर ने इन्हें रोबोटिक्स पाठ्यक्रम करने के लिए कहा था।

भारत और पाक का मुकाबला एशेज से है बड़ा, दिग्गज ने बताई वजह

अहमदाबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड के शेड्यूल के एलान के साथ सभी फैंस को अब भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है. 5 अक्टूबर को इस मेगा इवेंट की शुरुआत इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले के साथ होगी. इसके बाद 15 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच म हा मु का ब ला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा. इस मैच को लेकर अब वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस गेल ने बड़ा बयान दिया है. भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड के किसी भी कोने में मैच होता तो भी उसका रोमांच हमेशा शानदार देखने को मिलता है. इसी को ध्यान में रखते हुए क्रिस गेल ने कहा कि भारत-पाक के बीच प्रतिद्वंद्विता एशेज सीरीज से भी बड़ी है. दोनों टीमों के बीच मुकाबले के दौरान पूरे वर्ल्ड क्रिकेट के फैंस अपने नजरें लगाकर इसे देखते हैं. क्रिस गेल ने कहा कि भारत-पाकिस्तान राइवलरी एशेज सीरीज से काफी बड़ी है. इसका आप आकलन नहीं कर सकते. वर्ल्ड में बिलियन लोग इस मैच को लेकर अभी से काफी उत्सुक हैं और इसे देखेंगे. 15 अक्टूबर के दिन क्या होने वाला है मुझे भी इसका काफी बेसब्री से इंतजार है.

अहमदाबाद में अभी से आसमान पर पहुंचे होटलों के दाम

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के सबसे बड़े मुकाबले का आयोजन करने जा रहे अहमदाबाद में अभी से होटलों में कमरों की बुकिंग शुरू होने के साथ दामों में काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. भारतीय टीम आगामी वनडे वर्ल्ड कप में अपनी अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगी. इसके बाद टीम दूसरा मैच 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान और उसके बाद तीसरा मुकाबला पाकिस्तान के साथ खेलेगी. इस बार वनडे वर्ल्ड कप में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं और मुकाबले राउंड रॉबिन फॉर्मेट के अनुसार खेले जायेंगे.

डब्ल्यूडब्ल्यूई में ऐज की वापसी की तारीख का हुआ ऐलान ऐतिहासिक ग्राउंड में मचाएंगे धमाल?

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई : इस हफ्ते डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन के एपिसोड में ऐज की वापसी की तारीख और जगह का ऐलान किया गया। ऐज आखिरी बार डब्ल्यूडब्ल्यूई टीवी पर 12 मई को स्मैकडाउन के एपिसोड के दौरान दिखाई दिए थे। ब्लू ब्रांड के इस शो में ऐज ने वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप टूर्नामेंट के पहले राउंड में एजे स्टाइल्स और रे मिस्टीरियो का ट्रिपल थ्रेट मैच में सामना किया था। इस मुकाबले में एजे स्टाइल्स ने ऐज को पिन करते हुए टूर्नामेंट के अगले राउंड में जगह बनाई थी। एजे स्टाइल्स ने इस टूर्नामेंट में फाइनल तक का सफर तय किया था और सैथ रॉलिंस फाइनल में उन्हें हराकर नए वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन बने थे। बता दें, इस हफ्ते स्मैकडाउन में बड़ा ऐलान किया गया कि ऐज अगले हफ्ते ब्लू ब्रांड के एपिसोड के जरिए वापसी करने वाले हैं। इस वजह से अगले हफ्ते होने जा रहे शो को लेकर लेकर काफी हाइप क्रिएट हो चुका है। ऐज वापसी के बाद ग्रेसन वॉलर के शो पर गेस्ट के रूप में नज़र आने वाले हैं। स्मैकडाउन के इस एपिसोड का आयोजन 7 जुलाई (भारत में 8 जुलाई) को ऐतिहासिक मैडिसन स्क्वायर गार्डन में किया जाएगा। इस वजह से ऐसा लग रहा है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई ने ऐज की वापसी को लेकर बड़ा प्लान बना रखा है।

विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु के लिए खेल सकते हैं दिनेश कार्तिक

सलेक्शन के लिए रहेंगे उपलब्ध

चेन्नई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के खिलाड़ी दिनेश कार्तिक एक बार फिर से मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं. वे विजय हजारे ट्रॉफी 2023 में तमिलनाडु के लिए खेल सकते हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक कार्तिक सलेक्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे. कार्तिक ने आखिरी मैच मई 2023 में आईपीएल के दौरान खेला था. अब वे एक बार फिर से मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं. कार्तिक विजय हजारे ट्रॉफी के पिछले सीजन में भी खेले थे. कार्तिक ने बताया है कि वे विजय हजारे ट्रॉफी में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे. स्पोर्ट् स्टार पर छपी एक खबर के मुताबिक कार्तिक ने कहा, "मैंने तमिलनाडु के सलेक्टर्स को बताया कि है सलेक्शन के लिए उपलब्ध रहूंगा. मैं विजय हजारे ट्रॉफी में खलने के लिए उत्सुक हूं." कार्तिक इससे पहले भी विजय हजारे ट्रॉफी में खेल चुके हैं. वे 2022 में भी तमिलनाडु टीम का हिस्सा थे. अब एक बार फिर तमिलनाडु की टीम उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकती है. गौरतलब है कि कार्तिक टीम इंडिया के बेहतरीन खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हैं. उन्होंने 94 वनडे मैचों में 1752 रन बनाए हैं. इस दौरान 9 अर्धशतक लगाए हैं. कार्तिक का सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर 79 रन रहा है. वे 26 टेस्ट मैचों में 1025 रन बना चुके हैं. उन्होंने टेस्ट में एक शतक और 7 अर्धशतक लगाए हैं. कार्तिक ने 60 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 686 रन बनाए हैं. इस दौरान एक अर्धशतक लगा है. वे घरेलू मैचों में भी अच्छा परफॉर्म कर चुके हैं. कार्तिक ने टीम इंडिया के लिए आखिरी टी20 मैच नवंबर 2022 में खेला था.

कुलदीप-चहल में किस खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलनी चाहिए? संजय मांजरेकर ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप 2023 के शेड्यूल का एलान कर दिया गया है. इस टूर्नामेंट का पहला मैच 5 अक्टूबर को खेला जाएगा, जबकि फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा. इस टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन क्या होगी? खासकर, किस गेंदबाजों के साथ भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी? दरअसल, ऐसा माना जा रहा है कि टीम इंडिया स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव और युजवेन्द्र चहल के साथ उतर सकती है, लेकिन अगर किसी एक के साथ खेलना पड़े तो बेहतर विकल्प कौन हैं? अब इस सवाल का जवाब दिया है पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने.

कुलदीप यादव और युजवेन्द्र चहल पर संजय मांजरेकर ने क्या कहा?

संजय मांजरेकर का मानना है कि अगर कुलदीप यादव और युजवेन्द्र चहल में किसी एक के साथ उतरना पड़े तो मैं कुलदीप यादव के साथ जाउंगा. खासकर, वनडे फॉर्मेट में. उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि टीम इंडिया वर्ल्ड कप में कुलदीप यादव और युजवेन्द्र चहल दोनों खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरेगी. हालांकि, यह विपक्षी टीम पर भी निर्भर करेगा, कि किस टीम के खिलाफ भारत खेल रहा है. उन्होंने कहा कि अगर किसी ऐसी टीम के साथ मैच है जिसके बल्लेबाज स्पिन खेलने में बेहतर नहीं हैं तो फिर कुलदीप यादव और युजवेन्द्र चहल दोनों के साथ टीम इंडिया मैदान पर उतर सकती है. लेकिन अगर किसी एक को चुनना हो तो फिर मैं कुलदीप यादव के साथ जाउंगा.

सेमीफाइनल मुकाबले से पहले बढ़ी भारतीय फुटबॉल टीम की मुश्किलें कोच पर लगा दो मैचों का बैन

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। सैफ चैंपियनशिप 2023 में भारतीय फुटबॉल टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। सुनील छेत्री की अगुवाई में टीम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय कर लिया है। हालांकि, लेबनान के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले से पहले टीम के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। दरअसल, भारतीय टीम के कोच इगोर स्टिमक पर दो मैचों का बैन लगाया है। यानी भारतीय टीम सेमीफाइनल में कोच के बिना ही मैदान पर उतरेगी। भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक कुवैत के खिलाफ खेले गए मुकाबले में मैच अधिकारियों संग बहस करते हुए नजर आए थे, जिसके चलते उनको रेड कार्ड दिखाया गया था। रेड कार्ड मिलने की वजह से स्टिमक पर दो मैचों का बैन लग गया है। कुवैत के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में भारतीय टीम ने 1-1 से ड्रॉ खेला था। इगोर स्टिमक को भारत और पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भी रेड कार्ड दिया गया था। भारतीय कोच उस मैच में भी मैच अधिकारियों से बहस करते हुए दिखाई दिए थे।

शिखर धवन 12 लड़कों को साथ लेकर किसे मारने पहुंचे

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रहे शिखर धवन अपने मजाकिया अंदाज और हल्के-फुल्के मिजाज के लिए मशहूर हैं. क्रिकेट मैच चल रहा हो या ट्रेनिंग या फिर आराम फरमाया जा रहा हो, धवन कुछ न कुछ ऐसा करते रहते हैं, जिससे लोगों का मनोरंजन होता है. क्रिकेट मैदान पर तो धवन एकदम शांत और मिलनसार नजर आते हैं लेकिन वह हमेशा से ऐसे नहीं थे. तभी तो वह एक बार किसी शख्स से लड़ाई के लिए अपने साथ 12 लड़कों को लेकर पहुंच गए थे. जी हां, ये पढ़ने में भले ही हैरान करने वाला लग रहा हो, लेकिन ये सच है कि एक जमाने में धवन भी लड़ाई-झगड़े से पीछे नहीं हटते थे. वेस्ट दिल्ली के रहने वाले धवन अपने स्कूली दिनों में ऐसे ही एक झगड़े में पड़े थे, जिसमें वो अपने साथ कुछ दोस्तों को लेकर पहुंच गए थे. एकदम लड़ाई के मूड में. फिर जो हुआ, वो जानकर तो हैरानी हंसी में बदल जाएगी. असल में शिखर धवन ने एक इंटरव्यू में अपने पुराने दिनों को याद करते हुए इस घटना के बारे में बताया. मशहूर शो होस्ट गौरव कपूर के साथ इस इंटरव्यू में धवन ने अपने स्कूल के दिनों की एक लड़ाई के बारे में बाकत की. इंटरव्यू में धवन ने बताया कि जब वह 11वीं क्लास में पढ़ रहे थे, तब एक बारल उनकी एक लंबे कद के लड़के से किसी बात पर बहस हो गई थी. धवन ने बताया कि वह अपने कुछ दोस्तों के साथ उस लड़के के साथ मार-पीट के इरादे से पहुंचे थे. हरियाणा और वेस्ट यूपी से लगे होने के कारण दिल्ली में दबंगई वाले अंदाज में बात करने का चलन हमेशा से रहा है. धवन ने आगे बताया कि जब वह अपने दोस्तों के साथ 6 फुट से ज्यादा लंबे उस लड़के से भिड़ने गए, तो उन्होंने ठानी थी कि वह भी उसी अंदाज में उस लड़के को धमकाएंगे. धवन के मुताबिक जैसे ही वह उस लड़के को कड़क आवाज में बात करने की ठानी,

भुवनेश्वर कुमार ने जीता फैंस का दिल

आश्रम को दान दिए 10 लाख रुपए!

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले लंबे वक्त से अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार टीम इंडिया के लिए नहीं खेले हैं. हालांकि, वह आईपीएल 2023 सीजन में खेलते नजर आए थे. इस सीजन वह सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा थे. बहरहाल, अब भुवनेश्वर कुमार अलग वजह से चर्चा में हैं. दरअसल, इस तेज गेंदबाज ने गुरुकुल आश्रम को 10 लाख रूपए दान के तौर पर दिए हैं. हालांकि, इस बात की कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है.

भुवनेश्वर कुमार ने गुरुकुल आश्रम को 10 लाख रुपए दान दिए!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने गुरुकुल आश्रम को 10 लाख रूपए दान के तौर पर दिए हैं. दरअसल, उन्होंने बच्चों की पढ़ाई के लिए रूपए दान दिए हैं. हालांकि, खबर लिखे जाने तक कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज ने बच्चों की पढ़ाई के लिए गुरुकुल आश्रम को 10 लाख रूपए दान के तौर पर दिए हैं.

ऐसा रहा है भुवनेश्वर कुमार का करियर

गौरतलब है कि भुवनेश्वर कुमार टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. वह आखिरी बार आईपीएल 2023 सीजन के दौरान मैदान पर खेलते नजर आए थे. आईपीएल 2023 सीजन में भुवनेश्वर कुमार ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए 14 मैचों में 16 विकेट झटके. इस दौरान भुवनेश्वर कुमार की स्ट्राइक रेट 19.12 जबकि एवरेज 26.56 की रही. वहीं, इस तेज गेंदबाज के इंटरनेशनल करियर की बात करें तो अब तक 21 टेस्ट मैचों के अलावा 121 वनडे और 87 टी20 मैच खेल चुके हैं. इसके अलावा वह 160 आईपीएल मैचों का हिस्सा रह चुके हैं. आईपीएल में भुवनेश्वर कुमार सनराइजर्स हैदराबाद के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और पुणे वारियर्स के लिए खेल चुके हैं.

ओडीआई क्रिकेट के मैच में इस बॉलर ने फेंक दिए 10 से ज्यादा ओवर अंपायर से मुकाबले में हुई बड़ी गलती

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम और न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। पहले वनडे में श्रीलंका ने जीत दर्ज की थी। वहीं, दूसरे वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने बाजी मारी है। दूसरे वनडे मैच में अंपायर से एक बड़ी गलती हो गई। जब न्यूजीलैंड की एक बॉलर से वनडे क्रिकेट के मैच में 10 ओवर से ज्यादा फेंक दिए। फिर भी उन्होंने ध्यान नहीं दिया।

इन खिलाड़ियों ने किया कमाल

इस मैच में न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 329 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 108 रन और सोफी डिवाइन ने 137 रनों की पारी खेली। इन दोनों के बीच तीसरे विकेट के 229 रनों की साझेदारी की है, जो कि महिला वनडे क्रिकेट में तीसरे विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। इन दोनों बल्लेबाजों की वजह से ही न्यूजीलैंड की टीम बड़ा स्कोर बना पाई।

अंपायर से हो गई बड़ी गलती

वनडे क्रिकेट में कोई भी गेंदबाज ज्यादा से ज्यादा 10 ओवर कर सकता है, लेकिन न्यूजीलैंड की गेंदबाज एडेन कारसन ने 11 ओवर फेंक दिए। उन्होंने अपने 11 ओवर में 41 रन देकर 2 विकेट चटकाए। अंपायर से यहीं पर गलती हो गई। मैच रेफरी वैनसिया डि सिल्वा ने ध्यान नहीं दिया और बड़ी गलती हो गई। इस मैच में ऑन फील्ड अंपायर डेडूनू सिल्वा और शांथा फोंसिका थीं।

श्रीलंका को मिली हार

बड़े टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और हर्षिता समरविक्रमा जल्दी आउट हो गईं। उन्होंने 9 रनों का योगदान दिया। इसके बाद चमारी अट्टापट्टू बिना खाता खोले पवेलियन लौट गईं। श्रीलंका के लिए कोई भी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं दिखा पाया। श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा रन कविशा दिलारी बनाए। उन्होंने 84 रनों का योगदान दिया। उनके अलावा अनुष्का संजीवानी ने 17 रन बनाए। बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन

भारतीय महिला खिलाड़ी के लिए ऐतिहासिक पल, इंटरनेशनल से पहले मिला विदेशी लीग का अनुबंध

सीजन में आरसीबी के लिए श्रेयांका ने कुल 7 मुकाबले खेले थे और 6 विकेट अपने नाम किय

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट महान अनिश्चितताओं का खेल है और इसमें सफलता और असफलता भी आती है। कई बार इंटरनेशनल क्रिकेट में आने से पहले बड़ा अनुबंध हाथ लग जाता है। भारतीय महिला क्रिकेटर श्रेयांका पाटिल के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। उनको कैरेबियन प्रीमियर लीग के लिए चुना गया है। युवा स्पिनर श्रेयांका कैरेबियन प्रीमियर लीग में चुनी जाने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। इसके अलावा एक और खास बात यह भी है कि इंटरनेशनल क्रिकेट में आने से पहले उनको लीग क्रिकेट में चुना गया है, जो ऐतिहासिक बात है। श्रेयांका का नाम तब चर्चा में आया था जब उनको महिला प्रीमियर लीग के पहले सीजन के लिए रॉयल चैलेंजर्स

बैंगलोर के लिए चुना गया था। सीजन में आरसीबी के लिए श्रेयांका ने कुल 7 मुकाबले खेले थे और 6 विकेट अपने नाम किये। इसके अलावा बल्ले से भी वह 62 रन बनाने में सफल रही थीं। महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग का आगाज 31 अगस्त से होना है। यह लीग 10 सितम्बर तक चलने वाली है। बीसीसीआई ने भारतीय महिलाओं को लीग क्रिकेट के लिए अनुमति दी है। श्रेयांका को गयाना अमेजन वॉरियर्स ने टीम में शामिल किया है। बिग बैश लीग में भारत की कई महिलाएं खेलती हैं। अब श्रेयांका कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेलने वाली है। श्रेयांका हाल ही में इमर्जिंग एशिया कप में चमकी थीं। वह हांगकांग में हुए इस टूर्नामेंट में 2 मैचो में 9 विकेट लेने में सफल रही थीं। टीम इंडिया पहला मैच खेलने के बाद सीधा फाइनल में पहुँच गई थी। भारतीय टीम को फाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने का मौका मिला था। कैरेबियन प्रीमियर लीग में गयाना की कप्तानी स्टेफनी टेलर के पास रहेगी। गयाना का पहला मुकाबला बारबाडोस के खिलाफ होना है। यह मैच एक सितम्बर को होना है। दूसरा मुकाबला ट्रिनबागो नाईटराइडर्स के खिलाफ होगा। स्पिन विभाग टी20 क्रिकेट में अहम भूमिका निभाता है, ऐसे में श्रेयांका का प्रदर्शन देखने लायक होगा।

राज्य लोगों के बेहतर स्वास्थ्य सेवा पाने का सपना हकीकत बना : हरीश राव

मंत्री ने 'डॉक्टर्स डे' पर टी-डायग्नोस्टिक्स में 134 डायग्नोस्टिक टेस्ट लॉन्च किए

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉक्टर्स डे के अवसर पर, स्वास्थ्य मंत्री टी.हरीश राव ने यह सुनिश्चित किया कि स्वास्थ्य विभाग ने राज्य भर में टी-डायग्नोस्टिक्स में 134 डायग्नोस्टिक परीक्षण वस्तुतः लॉन्च करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उद्घाटन समारोह कोंडापुर सरकारी अस्पताल में हुआ, जिसमें मंत्रियों, विधायकों, जन प्रतिनिधियों और सभी जिलों के चिकित्सा अधिकारियों ने दूर से इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, हरीश राव ने मौजूदा 57 उपलब्ध परीक्षणों का विस्तार करते हुए टी-डायग्नोस्टिक्स में 134 परीक्षण शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने आठ जिलों में पैथोलॉजी लैब और 16 जिलों में रेडियोलॉजी लैब स्थापित करके व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इन परीक्षणों में कई परीक्षण शामिल हैं जिनकी कीमत आमतौर पर निजी प्रयोगशालाओं में 500 रुपये से 10,000 रुपये के बीच होती है। मंत्री ने बताया कि हैदराबाद में केंद्रीय प्रयोगशाला ने प्रतिष्ठित एनएबीएल (परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) प्रमाण पत्र प्राप्त किया है और 13 जिला प्रयोगशालाओं ने एनएबीएल प्राथमिक मान्यता प्राप्त की है, जो तेलंगाना की नैदानिक सुविधाओं की उत्कृष्टता को रेखांकित करती है। उन्होंने सरकारी अस्पतालों पर निर्भर मरीजों को मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से टी-डायग्नोस्टिक्स की अवधारणा में मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के दूरदर्शी दृष्टिकोण की सराहना की। जनवरी 2018 से, पीएचसी से लेकर सभी स्तरों के अस्पतालों में मुफ्त परीक्षण उपलब्ध कराया गया है। 57 मौजूदा पैथोलॉजी परीक्षणों के साथ, एक्स-रे, यूसीजी, ईसीजी, 2 डी इको और मैमोग्राम जैसे रेडियोलॉजी परीक्षण शुरू किए गए हैं, जो अब 134 परीक्षणों तक विस्तारित हो गए हैं। सरकार ने प्रत्येक रेडियोलॉजी और पैथोलॉजी हब की स्थापना में 4.39 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके अतिरिक्त, 134 परीक्षणों के संचालन के लिए 1.70 करोड़ रुपये का खर्च आएगा, जिससे प्रति हब कुल लागत 6.09 करोड़ रुपये हो जाएगी। प्रत्येक लैब की वार्षिक परिचालन लागत, जो पहले 2.40 करोड़ रुपये थी, अब 60 लाख रुपये बढ़कर कुल 3 करोड़ रुपये सालाना हो जाएगी। मंत्री ने जरूरतमंद लोगों को मुफ्त परीक्षण, उपचार और दवाएं उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। राज्य भर में बस्ती दवाखानों की स्थापना के साथ, लोगों के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ एक वास्तविकता बन गई हैं। डॉक्टर्स डे के अवसर पर, हरीश राव ने स्वस्थ तेलंगाना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समर्पित डॉक्टरों की सराहना की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि टी-डायग्नोस्टिक्स में राज्य भर में 10 करोड़ से अधिक परीक्षण किए गए।

भद्राद्री जिले में बीआरएस को बड़ा झटका

कई निर्वाचित प्रतिनिधियों ने कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की

भद्राद्री कोत्तागुडेम, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बड़ी संख्या में निर्वाचित प्रतिनिधियों के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की घोषणा के साथ, सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी को शनिवार को भद्राद्री कोठागुडेम जिले में एक बड़ा झटका लगा। भद्राद्री जिला परिषद के अध्यक्ष कोराम कनकैय्या ने बीआरएस को अपना इस्तीफा देने की घोषणा की है। कनकैय्या के साथ, निर्वाचित प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में उनके समर्थकों ने भी अपना इस्तीफा पत्र पार्टी को भेज दिया। येलांडु विधानसभा क्षेत्र में, एक जेडपीटीसी, 56 ग्राम सरपंचों और 26 एमपीटीसी ने सत्तारूढ़ दल को अपना इस्तीफा देने की घोषणा की और विपक्षी कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी वफादारी बढ़ाई। शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, भद्राद्री जिला परिषद के अध्यक्ष कोराम कनकैय्या ने कहा कि वह पूर्व सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ रविवार, 2 जुलाई को खम्मम में होने वाली एक सार्वजनिक सभा में कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि हजारों लोग सार्वजनिक बैठक में येलांडु विधानसभा क्षेत्र के कई लोग कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे।

हैदराबाद मेट्रो ने छात्र पास की घोषणा की

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एलएंडटी मेट्रो रेल (हैदराबाद) लिमिटेड (एलटीएमआरएचएल) ने छात्रों की सुविधा के लिए स्टूडेंट पास-2023 की घोषणा की है। ऑफर के तहत, छात्रों को 30 दिन की यात्रा के लिए केवल 20 दिन का भुगतान करना होगा। उन्हें अनिवार्य रूप से नए ब्रांडेड स्मार्ट कार्ड खरीदने होंगे। ट्रिप पास की वैधता पास खरीदने की तारीख से 30 दिनों के लिए है और यह ऑफर 1 जुलाई, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक नौ महीने के लिए उपलब्ध है। प्रति छात्र केवल एक स्मार्ट कार्ड जारी किया जाएगा। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि 1 अप्रैल 1998 के बाद जन्मे छात्र पास का लाभ उठाने के पात्र हैं और अवधि सीमित समय के लिए है, और इसे प्रबंधन के निर्णय के अनुसार किसी भी समय वापस लिया जा सकता है। छात्र रेड लाइन-जेएनटीयू कॉलेज, एसआर नगर, अमीरपेट, विक्टोरिया मेमोरियल और दिलसुखनगर, ग्रीन लाइन-नारायणगुडा, ब्लू लाइन-नागोले, परेड ग्राउंड, बेगमपेट और रायदुर्ग स्टेशनों पर सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक पास खरीद सकते हैं।

महाराजा रणजीत सिंह हॉकी-क्रिकेट का फाइनल आज

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिख छावनी में गुरु नानक हाई स्कूल के मैदान में 25 जून को तेलंगाना राज्य का पहला गतका चैंपियनशिप आयोजित किया गया। तेलंगाना गतका एसोसिएशन नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के आधीन हैं। तेलंगाना गतका ने स्टेट गतका चैंपियनशिप का आयोजन किया। नेशनल कोच योगराज सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहकर प्रतियोगिता का निरीक्षण किया। विजयी खिलाड़ी आने वाले समय में तेलंगाना राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए नेशनल खेलेंगे। इस अवसर पर सरदा रविंदर सिंह चेयरमैन सिविल सप्लाइज कोर्पोराशन, हरप्रीत सिंह रिटायर्ड आईएस, गुरुचरण सिंह बग्गा तथा अन्य गण्य मान सदस्य मौजूद रहे। तेलंगाना गतका एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार सुखदेव सिंह, सरदार गुरमीत सिंह, सरदार विशाल सिंह, सरदार हरमेश सिंह रंजन, सरदार चरनजीत सिंह ने सभी का आभार जताया और भविष्य के लिए सहयोग का अनुरोध किया।

ESTD: 1994
ANNIE BESANT WOMEN'S COLLEGE
(JUNIOR & DEGREE)
MPC, BPC
MEC, CEC
NEET/EAMCET
CA-CPT
B.C.A., B.B.A., B.Com (Comp.App)
B.A. (Psychology, Mass Comm. & Jour., Pd.Sci.)
B.Sc. (Nutrition, Bio-Tech, Micro-Bio, Botany, Zool., Chem)
B.Sc. (Data Sci, Comp. Sci., Maths, Stats, Physics)
@Chaitanyapuri Metro Station
KOTHAPET
Ph: 9515008563
7702215469
POST CODE 12100
Gaddiannaram Road
DILSUKHNAGAR
Ph: 9618854875
040-24061172, 24062846
POST CODE 11060

हार्दिक निमंत्रण !
गुरुपूर्णिमा महोत्सव
आषाढ पूर्णिमा, सोमवार, ३ जुलाई २०२३
व्याख्यान : धर्माधिष्ठित हिन्दू राष्ट्र का संकल्प करें !
लघुफिल्म, प्रत्यक्ष प्रदर्शन
स्थल : केडिया कॉलेज सभागार, एलम्मा देवी मन्दिर के सामने, चादरघाट, भाग्यनगर
समय : सायं 5:00 बजे
धर्मशिक्षा देनेवाली सनातन संस्था 9951022295 • Sanatan.org

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हैदराबाद सौ प्रतिशत अपशिष्ट जल का उपचार करने वाला देश का पहला शहर बन जाएगा : केटीआर

मंत्री ने कोकापेट में नरसिंगी इंटरचेंज, एसटीपी का शुभारंभ

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने शनिवार को कोकापेट में आउटर रिंग रोड (ओआरआर) नरसिंगी इंटरचेंज और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का उद्घाटन किया 15 एमएलडी क्षमता वाले इस एसटीपी का निर्माण हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड ने 66.16 करोड़ रुपये से किया है। सुविधाओं का उद्घाटन करने के बाद, मंत्री ने कहा कि, सितंबर तक, हैदराबाद अपने 100 प्रतिशत अपशिष्ट जल का उपचार करने वाला देश का पहला शहर बन जाएगा। उपचारित जल के कारण झीलें प्रदूषित नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के पास राज्य, विशेष रूप से हैदराबाद के लिए कई विकास योजनाएं हैं और यह एक्सप्रेसवे शहर के पश्चिमी हिस्सों और इसके पूर्वी हिस्सों के बीच यातायात को कम करने के लिए कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करेगा। परियोजना को निष्पादित करने का खर्च 10,000 करोड़ रुपये है और यह एक्सप्रेसवे उन 14 पुलों के अतिरिक्त है जो मुसी नदी पर बनेंगे। रामाराव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शहर के विभिन्न हिस्सों में विकास कार्यों को निष्पादित करने के लिए रक्षा भूमि आवंटित करने का भी आग्रह किया। प्रधानमंत्री के अगले सप्ताह राज्य का दौरा करने की उम्मीद है और इससे पहले, रामा राव ने उनसे अच्छी खबर के साथ तेलंगाना आने का आग्रह किया। परियोजनाओं की श्रृंखला जो मेहदीपट्टनम में स्काईवॉक के लिए रक्षा भूमि के अधिग्रहण का इंतजार कर रही है, एमए और यूडी मंत्री ने कहा कि राज्य विकासात्मक कार्यों के लिए आवश्यक 150 एकड़ रक्षा भूमि के बदले में शमीरपेट में 500 एकड़ जमीन आवंटित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने गरीबों को मुफ्त पेयजल आपूर्ति करने का अपना वादा पूरा कर दिया है। 20,000 लीटर मुफ्त पेयजल आपूर्ति कार्यक्रम शुरू करने के बाद, 11 लाख से अधिक परिवारों को अब तक 850 करोड़ रुपये का मुफ्त पानी उपलब्ध कराया गया है। मुफ्त पेयजल की आपूर्ति बंद न करते हुए, तेलंगाना सरकार ने शहर में 100 प्रतिशत सीवरेज उपचार सुनिश्चित करने की एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की है। उन्होंने कहा, किसी अन्य सरकार ने ऐसी परियोजना शुरू करने की हिम्मत नहीं की, जिसे 1259 एमएलडी की अतिरिक्त उपचार क्षमता के साथ 3,866 करोड़ रुपये के साथ क्रियान्वित किया जा रहा था। उन्होंने कहा, जबकि अन्य शहर लगभग 30 से 40 प्रतिशत सीवरेज उपचार से सुसज्जित थे, मुख्यमंत्री ने एमए एंड यूडी विभाग को शहर में 100 प्रतिशत सीवरेज उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। इसी पहल के तहत आज 15 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी का उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा, चूंकि राज्य सरकार इतनी बड़ी परियोजना को क्रियान्वित कर रही थी, इसलिए हाल ही में नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री एचएस पुरी से वित्तीय सहायता के रूप में परियोजना की एक तिहाई लागत बढ़ाने की अपील की गई थी। मौखिक आश्वासन के अलावा, मंत्रालय की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई। हालांकि, केंद्रीय मंत्री को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि हैदराबाद इस सितंबर तक 100 सीवरेज ट्रीटमेंट सुनिश्चित करने वाला देश का पहला शहर बनने की ओर अग्रसर है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से उपचार सुविधाओं का निरीक्षण करने में भी रुचि दिखाई है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी, एमए एंड यूडी के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार, सेरिलिंगमपल्ली के सांसद रंजीत रेड्डी, राजेंद्र नगर के विधायक प्रकाश गौड़ और अन्य ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

सीएम ने बस अग्निकांड में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने महाराष्ट्र में एक बस में आग लगने की घटना में यात्रा कर रहे कई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। मंत्री ने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

Lansum SQUARE
FLATS FOR SALE
3 BHK Flats, 2525 sft. 13th Floor
2165 sft. 22nd Floor, Sea View.
Opp.MVP Double Road, Vizag
CONTACT
93460 38211 / 78933 31356

बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
इम्युनिटी से वेलनेस
स्वास्थ उत्तम रखने हेतु
शारीरिक शक्ति बढ़ाए, थकान, कमजोरी, सुस्ती हाथ-पाव, पीठ, कमर दर्द में लाभदायक।
अश्वगंधामृत
शरीर में शक्ति व स्फूर्ति कायम रखे एवं मानसिक तनाव कम करने में सहायक।
बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
वैद्यकीय सलाह : 8448444935 | www.baidyanath.co

"सिध्दगुरु"
सिध्देश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव, तिरुपति
की दिव्य उपस्थिति में
जिनकी एक झलक, आपके जीवन की दिशा तथा नियति बदल सकती है।
शुभ तिथि
रविवार, 2 जुलाई, 2023
दोपहर 3.00 बजे से
स्थान
एनटीआर स्टेडियम,
इंदिरा पार्क के पास, टैंक बंड, हैदराबाद
कार्यक्रम
गुरु स्तुति, गुरु पाद पूजन, मंगलकारी अमृतवाणी, दुर्लभ एवं स्वास्थ्यप्रद प्रार्थनाएं, महामांगलिक व दैवीय आशीर्वाद
मित्रों एवं परिवार सहित सभी सादर आमंत्रित हैं।
पंजीकरण तथा अन्य जानकारी हेतु
फोन:+918328249515 +918639491629 + 919949049420 पर संपर्क करें।
gradiente 02072023
Filatex Mines & Minerals Ltd
RDB Cybercity Developers Pvt. Ltd.
Illuminnati
D.D. Marbles Ltd.
Filatex Fashions Ltd
PRABHAT SETHIA
Manging Director

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.